रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:71 सोमवार,17 नवम्बर

ब्रीफ न्यूज

अयोध्या में ध्वजारोहण 25 को, पीएम मोदी होंगे शामिल

एजेंसी

अयोध्या : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निगरानी में भगवान राम की नगरी अयोध्या में 25 नवंबर को होने वाले राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह की तैयारियों को तेजी से अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अलावा देश-विदेश की कई प्रमुख हस्तियां शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में भारी भीड़ और वीआईपी मूवमेंट को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। खासतौर पर महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाने के लिए विशेष प्रोटोकॉल लागू किए जा रहे हैं।प्रधानमंत्री के संभावित आगमन को ध्यान में रखते हुए एयरपोर्ट के भीतर और बाहर तैनात सभी कर्मचारियों का सत्यापन अनिवार्य कर दिया गया है।

तेज प्रताप की पार्टी ने एनडीए को दिया नैतिक समर्थन

एजेंसी

पटना।बिहार विधानसभा चुनाव के बाद लालू परिवार चल रहे कहल के बीच जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव ने एनडीए को नैतिक समर्थन देने का ऐलान किया है. इसकेसाथ ही उन्होंने अपनी बहन रोहिणी को राष्ट्रीय संरक्षक बनने का भी ऑफर दिया है. बीते शनिवार रोहिणी आचार्य ने परिवार और पार्टी से अलग होने का ऐलान कर सभी को हैरान कर दिया था. उन्होंने तेजस्वी यादव, उनके करीबी संजय यादव और रमीज नेमत पर कई गंभीर आरोप लगाए. इस बीच रोहिणी के समर्थन में उतरे उनके भाई तेज प्रताप यादव की पार्टी जेजेडी ने रविवार को हुई एक बैठक में एनडीए को नैतिक समर्थनदेने की घोषणा की है।

जोधपुर में भीषण सड़क हादसे में 6 की मौत

एजेंसी

जोधपुर : राजस्थान के जोधपुर-बालेसर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार की सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ। इस दुर्घटना में गुजरात के बनासकांठा और धनसुरा जिले के छह लोगों कीमौत हो गई जबकि कई लोग घायल हैं। मृतकों में तीन महिलाएं हैं। राजस्थान पुलिस के अनुसार गुजरात के बनासकांठा और धनसुरा जिले से रामदेवरा दर्शन करने जा रहे 20 श्रद्धालु टेंपो में सवार थे और सुबह करीब 5 बजे खारी बेरी गांव के पास टेंपो की अनाज से भरे ट्रेलर से जोरदार भिड़ंत हो गई।टक्कर इतनी भयंकर थी कि मौके पर ही तीन महिलाओं की मौत हो गई।

बिहार में एनडीए का फॉमूर्ला तय, नई कैबिनेट में होगा बड़ा फेरबदल

सीएम नीतीश आज देंगे इस्तीफा, गांधी मैदान में होगा शपथ ग्रहण

एजेंसी

पटना : बिहार में नई सरकार बनाने की कवायद शुरू हो चुकी है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कल कैबिनेट की बैठक के बाद सीएम पद से इस्तीफा देंगे।फिर नई सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। एनडीए ने डबल सेंचुरी का आंकड़ा पार करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की है।इस प्रचंड बहुमत के बाद, अब राज्य में नई सरकार के गठन की कवायद अपने अंतिम चरण में है।जदयू के प्रमुख नीतीश कुमार एक बार फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए तैयार हैं, जो उनका 10वां शपथ ग्रहण होगा।पटना का ऐतिहासिक गांधी मैदान

- मुख्यमंत्री सेमुलाकात के बादउपेंद्र कुशवाहा औरविजय सिन्हा दिल्लीरवाना
- 18 से 20 नवंबर केबीच हो सकती है नईसरकार की शपथ गांधी मैदान में
- आजसे 20 नवंबर तकआम लोगों के प्रवेशपर लगी रोक

इस भव्य समारोह का गवाह बनने जा रहा है।शपथ ग्रहण समारोह को लेकर जहां एक ओर जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं, वहीं दूसरी ओर दिल्ली से लेकर पटना तक एनडीए के बड़े नेताओं के बीच गहन मंथन जारी है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के कई बड़े राजनेताओं के शामिल होने की संभावना है ।2025 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी है, लेकिन सरकार में एक बार फिर से नीतीश कुमार की पार्टी जदयू का कद बढ़ना तय माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक नीतीश कुमार के साथ-साथ 18 मंत्री भी शपथ ले सकते हैं।वहीं, डिप्टी सीएम की रेस में बीजेपी से सम्राट चौधरी, रामकृपाल यादव, मंगल पांडे के नाम की चर्चा है।चिराग पासवान की पार्टी एलजेपीआर की भी बिहार सरकार में एंट्री होगी। सूत्रों की मानें तो इस बार 30-32 मंत्रियों का मंत्रिमंडल हो सकता है। इसमें जदयू और बीजेपी के बराबर-बराबर मंत्री हो सकते हैं।इनके अलावा चिराग पासवान की पार्टी को 3 मंत्री पद, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को एक-एक मंत्री पद मिल सकता है। विधानसभा के मौजूदा नंबर के हिसाब से बिहार में कुल 36 मंत्री बनाए जा सकते हैं।कहा जा रहा है कि जदयू के कोटे से 11 मंत्री बनाए जा सकते हैं। पिछली सरकार में जदयू कोटे से 13 मंत्री थे।सूत्रों के मुतविक संभव है कि इसमें से 10 मंत्रियों को नई सरकार में फिर से मंत्री बनाया जा सकता है। पार्टी मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल ।

जदयू के सभीविधायक बुलाएगए हैं पटना

मुख्यमंत्री नीतीशकुमार ने सोमवारको अपने सभीविधायकों को पटनाबुलाया है। संभावनाजताई जा रही हैकि शाम तकविधायक दल कीबैठक है सकती है।जहां शपथ कीतारीख, मंत्रियों केनाम की चर्चा होसकती है।

झारखंड के रजत जयंती उत्सव पर जतरा का आयोजन, सीएम हेमंत बोले-

जतरा सामूहिक भावना, एकता व गौरवशाली विरासत का प्रतीक

संवाददाता

रांची : झारखंड स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर राजधानी रांची में आयोजित भव्य झारखंड जतरा मेला का शुभारंभ रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया। अल्बर्ट एक्का चौक से शहीद चौक और बिरसा समाधि स्थल तक पूरे मार्ग में झारखंड की परंपराओं, लोकसंस्कृति । और जनजातीय गौरव की आकर्षक झलक देखने को मिली। मुख्यमंत्री स्वयं पारंपरिक वाद्ययंत्र मांदर बजाते हुए कलाकारों के साथ जश्न मानते नजर आए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचे, जहां मंच से कलाकारों और झारखंडवासियों का अभिवादन करते ही माहौल ढोल,

मांदर की थाप पर थिरके मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

मांदर और नगाड़ों की थाप से गूंज उठा। जनजातीय नृत्य और पारंपरिक गीतों की धुन से पूरा वातावरण रोमांचित हो गया।इसके बाद मुख्यमंत्री अल्बर्ट एक्का चौक से शहीद चौक तक जुलूस के साथ पैदल चले और पारंपरिक मांदर बजाते हुए कलाकारों के साथ ताल मिलाते दिखे। इसी दौरान हेलिकॉप्टर से हुई पुष्प वर्षा हुई, पूरे आयोजन को और अद्वितीय बना दिया। फूलों की बारिश के बीच भीड़ ने कलाकारों का उत्साह बढ़ाते हुए जमकर तालियां बजाईं। मुख्यमंत्री ने इस यादगार पल को अपने मोबाइल में कैद भी किया। जतरा मेला की शुरूआत रांची के राजेंद्र चौक से हुई, जहां सुबह से ही हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। झारखंड की 32 जनजातियों की कला, नृत्य, वाद्ययंत्र और पारंपरिक परिधानों की भव्य प्रदर्शनी ने राजधानी की सड़कों को एक महाउत्सव में बदल गया। इस भव्य जतरा मेला में लगभग 4000 कलाकार शामिल हुए हैं, जिनमें पुरुलिया छऊ, मुंडा सोहराय नृत्य, संथाली डांस, हो जनजाति का करमा, असुर ढुमकुश, उरांव का झूमर और अन्य अनेक पारंपरिक प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लिया।

आज तेजस्वी करेंगे हार की समीक्षा

एजेंसी

पटनाःदूसरी ओर बिहार विधानसभा चुनाव मेंमिली करारी हार के बाद तेजस्वी यादवसोमवार को अपने सरकारी आवास परपार्टी के खराब प्रदर्शन की समीक्षा करसकते हैं।चुनाव में हारे हुए सभीउम्मीदवारों से तेजस्वी यादव मुलाकातकरेंगे। सुबह 11 बजे एक पोलो रोडस्थित सरकारी आवास पर बैठक होसकती है। वहीं रविवार को मालेमहासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने पटना मेंप्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा किगठबंधन को झटका मिला है और लोगदुखी हैं, लेकिन एसआईआर को लेकरचिंता पूरे देश में महसूस की जा रही है।लोग कह रहे हैं कि एसआईआर केखिलाफ पूरे देश में मुद्दा बनाकरआंदोलन किया जाएगा। विपक्ष विहीनलोकतंत्र बनानेकी कोशिशेंचल रही हैं,यह चिंता काविषय है।उन्होंने कहा कि18 से 24नवंबर तकजीते-हारे सभी उम्मीदवार जनता

केबीच सघन जनसंपर्क और जनसंवादअभियान चलाएंगे। इस दौरान बिहार केचुनाव परिणाम पर जनता क्या सोच रहीहै, इसे जानने की कोशिश की जाएगी।बीजेपी के बराबर-बराबर मंत्री हो सकते हैं।इनके अलावा चिराग पासवान की पार्टी को 3 मंत्री पद, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को एक-एक मंत्री पद मिल सकता है। विधानसभा के मौजूदा नंबर के हिसाब से बिहार में कुल 36 मंत्री बनाए जा सकते हैं।

संजय सेठ के नेतृत्व में शामिल होगी रक्षा मंत्रालय की टीम

दुबई में जुटेंगे 150 देशों के उद्योग प्रतिनिधि

संवाददाता

रांची/नई दिल्ली : रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ 17-18 नवम्बर 2025 को आयोजित दुबई एयर शो 2025 में भाग लेने हेतु भारत के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। इस प्रतिनिधिमंडल में रक्षा विभाग, रक्षा उत्पादन विभाग, विदेश मंत्रालय तथा तीनों सेवाओं के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।एयर शो के दौरान रक्षा राज्य मंत्री की अपने यूएई समकक्ष के साथ द्विपक्षीय बैठक निर्धारित है।इसके अतिरिक्त, माननीय रक्षा राज्य मंत्री लगभग 50 कंपनियों (भारत, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, ब्राजील, ब्रिटेन और इटली की) के साथ एक उद्योग गोलमेज बैठककी अध्यक्षता करेंगे, जिसका उद्देश्य रक्षा तकनीक सहयोग को बढ़ावा देना और

भारत में विनिर्माण को सुदृढ़ करना है।रक्षा राज्य मंत्री दुबई एयर शो में स्थापित 'इंडिया पवेलियन' का उद्घाटन भी करेंगे। इस पवेलियन में एचएएल, डीआरडीओ, कोरेल टेक्नोलॉजीज, डैंटल हाइड्रोलिक्स, इमेज सिनर्जी एक्सप्लोर और एसएफओ टेक्नोलॉजीज जैसी प्रमुख भारतीय संस्थाओं के स्टॉल लगाए जाएंगे। इंडिया पवेलियन के अतिरिक्त भारत की 19 प्रमुख कंपनियाँ– जैसे भारत फोर्ज, ब्राह्मोस, टेक महिंद्रा, एचबीएल इंजीनियरिंग– अलग से प्रदर्शनी में भाग ले रही हैं।साथ ही भारत के 15 स्टार्टअप्स भी अपने उत्पादों और नवाचारों का प्रदर्शन करेंगे।भारतीय वायुसेना इस एयर शो में सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम तथा तेजस विमान के साथ भाग ले रही है।दुबई एयर शो संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित एक द्विवार्षिक वैश्विक कार्यक्रम है। इस वर्ष इसमें 1,500 से अधिक प्रदर्शक, 148,000 से अधिकउद्योग प्रतिनिधि और 150 देशों की भागीदारी हो रही है। प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में बॉम्बार्डियर (कनाडा), डसॉल्ट एविएशन (फ्रांस), एम्ब्रायर (ब्राजील), थेल्स (फ्रांस), एयरबस।

सुकमा के जंगल में डीआरजी की कार्रवाई, 3 माओवादी ढेर

एजेंसी

सुकमा।छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में माओवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई हुई है।रविवार सुबह से शुरू हुई तुमालपाड़ मुठभेड़ में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की टीम ने तीन माओवादियों को मार गिराया।मारे गए कैडरों में जनमिलिशिया कमांडर और स्नाइपर स्पेशलिस्ट माड़वी देवा भी शामिल है, जिस पर 5 लाख रुपए का इनाम था। दो महिला माओवादी, पोड़ियम गंगी और सोड़ी गंगी, भी मुठभेड़ में ढेर हुईं हैं। दोनों पर भी 5-5 लाख का इनाम घोषित था। मुठभेड़ स्थल से .303 राइफल, बीजीएल लॉन्चर, गोला-बारूद और अन्य हथियार बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक

किरण चव्हाण ने बताया कि अनेक निर्दोष नागरिकों की हत्या करने वाला माड़वी देवा अब खत्म हो चुका है। यह मुठभेड़ सुकमा के थाना भेज्जी और चिंतागुफा की सीमावर्ती इलाके के तुमालपाड़ जंगल एवं पहाड़ी क्षेत्र में हुई।विश्वसनीय सूचना पर डीआरजी टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सुबह से रुक-रुककर फायरिंग हुई, जिसमें माओवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया गया।डीआरजी जवानों ने तीन शव बरामद किए, जिनकी पहचान माड़वी देवा (कोंटा एरिया कमेटी सदस्य), पोड़ियम गंगी (सीएनएम कमांडर) और सोड़ी गंगी (किस्टाराम एरिया कमेटी सदस्य) के रूप में हुई।ये सभी माओवादी संगठन के कट्टर कैडर थे,

न्यू स्टडी पीएम मोदी बोले- कांग्रेस को अब कोई नहीं बचा सकता, बिहार ने दिया जवाब

बिहार दुनिया को राजनीति सिखाता है : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने दिखा दिया है कि जनता ने जातिवाद का जहर उगलने वालों को नकार दिया है।उन्होंने यह भी बताया कि नया 'माई' फॉमूर्ला महिला और युवा हैं, जिन्होंने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को निर्णायक जनादेश दिया है।उन्होंने कहा कि बिहार का ऐतिहासिक विजय हुआ हो, और अगर हम सूरत से आगे जा रहे हों और बिहार के लोगों से मिले बिना जाएं, तो लगता है यात्रा अधूरी रह गई है।इसलिए गुजरात में रहने वाले और खासकर सूरत में रहने वाले मेरे बिहारी भाइयों का हक बनता है, और इसलिए मेरी स्वाभाविक जिम्मेदारी भी बनती है कि आप लोगों के बीच आकर के इस विजयोत्सव के कुछ पल का मैं भी हिस्सा बनूं।मोदी ने आगे कहा कि आप भी जानते हैं और बिहार के लोग भी जानते हैं कि हम वो पार्टी हैं जब आपने हमें गुजरात में मुख्यमंत्री के

रूप में भी काम दिया था तब भी हमार एक मंत्र था कि भारत के विकास के लिए गुजरात का विकास। हमारी मूलभूत सोच रही है- नेशन फर्स्ट।यही मंत्र हमारे लिए हिंदुस्तान का हर कोना, हिंदुस्तान का हर राज्य, हर भाषा-भाषी नागरिक... ये हमारे लिए पूजनीय है, वंदनीय है। इसलिए बिहार का भी गौरव करना, बिहार के सामर्थ्य को स्वीकार करना... ये हमारे लिए बहुत सहज बात है।मोदी ने कहा कि इस चुनाव में एनडीए गठबंधन जो विजयी हुआ है और महागठबंधन जो पराजित हुआ है... दोनों के बीच 10 प्रतिशत वोट का फर्क है, ये बहुत बड़ी बात है।यानी, सामान्य मतदाता ने एकतरफा मतदान किया, ये बिहार के विकास के प्रति ललक है।उन्होंने कहा कि बिहार आज दुनिया भर में छाया हुआ है। आप दुनिया में कहीं भी जाइए, बिहार की टैलेंट आपको नजर आएगी। अब बिहार विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने का मिजाज दिखा रहा है।इस चुनाव में उस मिजाज के दर्शन हुए हैं। महिला-युवा एक ऐसा माई कॉम्बिनेशन बना है, जिसने आने वाले दशकों की राजनीति का नींव मजबूत कर दी है।प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दो साल से ये जमानती नेता बिहार में जाकर जातिवाद-जातिवाद का भाषण दे रहे थे। जितनी ताकत थी उन्होंने जातिवाद का जहर फैलाने की कोशिश की। लेकिन बिहार के इस चुनाव ने जातिवाद के इस जहर को पूरी तरह नकार दिया है।उन्होंने कहा कि ये मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस को देश अस्वीकार कर चुका है।कांग्रेस पार्टी में जो राष्ट्रीय विचारों से पले-बढ़े लोग हैं, ऐसे कांग्रेस का बहुत बड़ा वर्ग... नामदार के हरकतों से दुखी है।कांग्रेस को अब कोई बचा नहीं सकता है, ऐसी हालत हो गई है।मोदी ने कहा कि बिहार में, सार्वजनिक भूमि पर अक्सर अतिक्रमण करके उसे वक्फसंपत्ति बना दिया जाता था।

लालू की बेटी रोहिणी आचार्य का छलका दर्द, कहा- मुझे मारने के लिए चप्पल उठाई गइ

एजेंसी

पटना।लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने अपने परिवार और भाई तेजस्वी यादव के करीबियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि उन्हें गालियां दी गईं और मारने की कोशिश की गई।किडनी दान करने के बावजूद उन पर गंदी किडनी लगाने और करोड़ों रुपये व टिकट लेने का आरोप लगाया गया, जिससे उनके त्याग पर प्रश्नचिह्न लग गया है।राजद की हार के लिए तेजस्वी के सहयोगियों को दोषी ठहराने के बाद यह पारिवारिक विवाद बिहार की राजनीति में गहरा मोड़ ले रहा है।राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिए अपने

परिवार और भाई तेजस्वी यादव के कुछ करीबी सहयोगियों पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं।रविवार को रोहिणी आचार्य ने आरोप लगाया कि उन्हें गंदी गालियां दी गईं और उन्हें मारने की कोशिश में चप्पल तक उठाई गई। उन्होंने दावा किया कि उन्हें जानबूझकर परिवार से दूर कर दिया गया और उन्हें मजबूरन अपने रोते हुए माता-पिता और बहनों को छोड़कर आना पड़ा।

झारखंड में कांग्रेस के प्रदेश और क्षेत्रीय प्रवक्ताओं की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू

रांची, झारखंड कांग्रेस ने प्रदेश और क्षेत्रीय स्तर पर नए प्रवक्ताओं की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने रविवार को रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी।

उन्होंने बताया कि प्रवक्ताओं के चयन के लिए 'नेशनल मीडिया टैलेंट हंट प्रोग्राम पूरे देश में चलाया जा रहा है और झारखंड में इसकी शुरूआत आज से हो गई है। यह प्रक्रिया पूरा दिसंबर तक चलेगी। इस अवसर पर टैलेंट हंट से जुड़ा पोस्टर भी जारी किया गया।

झारखंड को 7 जोन में बांटा गया

कांग्रेस ने नए प्रवक्ताओं की चयन प्रक्रिया के लिए पूरे झारखंड को 7 जोन में विभाजित किया है। पहला जोन में पलामू, दूसरा में कोल्हान, तीसरा में देवघर, चौथा जोन में दुमका और जामताड़ा, पांचवां में साहेबगंज, गोड्डा और पाकुड़, छठा में रामगढ़, चतरा, कोडरमा और हजारीबाग, जबकि आठवें जोन में बोकारो, धनबाद, गिरिडीह और दक्षिणी छोटानागपुर समेत अन्य जिले शामिल हैं।

कौन कर पाएगा आवेदन?

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश ने बताया कि इस पूरी चयन प्रक्रिया में कांग्रेस के मूल्यों के प्रति निष्ठा, वैचारिक प्रतिबद्धता, राजनीतिक जागरूकता, तेज और स्पष्ट प्रतिक्रिया क्षमता, शुद्ध भाषा और बेहतर संचार कौशल, इतिहास का अच्छा ज्ञान, मीडिया में सहज उपस्थिति, तथ्यों के साथ जनता तक बात रखने की क्षमता रखने वालों का चुनाव क्षेत्रीय एवं राज्य स्तर पर किया जाएगा। संगठन सृजन के तहत चल रहे कार्यक्रम के अंतर्गत इस सांगठनिक प्रक्रिया को पूर्ण किया जाएगा।

प्रक्रिया होगी पूरी तरह पारदर्शी

कार्यक्रम के पूर्वी क्षेत्र (ओडिशा, बिहार, झारखंड, बंगाल) के प्रभारी और एआईसीसी प्रवक्ता अतुल लोधे पाटिल ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य ऐसी प्रतिभाओं की खोज करना है जो संविधान, प्रस्तावना, संस्कृति और राजनीति की समझ रखते हों। उन्होंने कहा कि संगठन में प्रतिभाशाली लोगों को जोड़ने के लिए यह एक स्वतंत्र मंच है,जहां प्रवेश के लिए किसी नेता की सिफारिश जरूरी नहीं है। प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए एनजीओ, सिविल सोसाइटी और मीडिया जगत के लोग भी इससे जुड़े रहेंगे।

संवाददाता सम्मेलन में मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, सतीश पौल मुंजनी, लालकिशोर नाथ शाहदेव, सोनाल शांति, कमल ठाकुर और गजेंद्र सिंह उपस्थित थे।

निगम कर्मियों की मांगें पूरी नहीं हुई तो दिसंबर में मजदूर करेंगे हड़ताल : भवन

रांची, रांची नगर निगम सफाईकर्मियों की विभिन्न लंबित समस्याओं और विगत 24झ25 सितम्बर की त्रिपक्षीय वार्ता में हुए समझौतों के क्रियान्वयन की समीक्षा को लेकर रविवार को धुर्वा स्थित सीटू कार्यालय में बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने कहा कि नगर निगम प्रशासक अब सफाईकर्मियों की धैर्य की परीक्षा और न लें। यदि 27 नवम्बर तक सभी सहमत बिंदुओं पर ठोस कार्यवाही नहीं निकाला जाता है, तो यूनियन दिसंबर के पहले सप्ताह में रांची नगर निगम का घेराव प्रदर्शन करेगी। साथ ही, उसी दिन दिसंबर के दूसरे सप्ताह में हड़ताल का आह्वान किया जाएगा। जिसकी तैयारी यूनियन स्तर पर शुरू कर दी जाएगी। यूनियन नेताओं ने बताया कि विगत 24 सितम्बर की हुई वार्ता में जिन प्रमुख मांगों पर सहमति बनी थी उनमें आठ दिन का अवकाश एवं मातृत्व अवकाश का आदेश निकालने, काम से निकाले गए कर्मियों की बहाली पर बनी कमिटी का जल्द आदेश जारी करने, मृत कर्मियों के आश्रितों को नियुक्ति दिए जाने सहित अन्य मांग शामिल है। कर्मियों ने बताया कि दुखद बात यह है कि उपरोक्त निर्णयों के कई बिंदुओं पर नगर निगम प्रशासन ने अबतक ठोस कार्रवाई शुरू नहीं की है। मौके पर उपस्थित कर्मियों ने आक्रोशित भाव में दोबारा एक स्वर में प्रशासन की कर से समझौते का पालन नहीं होने पर व्यापक आंदोलन करने की बातों पर जोर दिया। बैठक में यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष प्रतीक मिश्रा, महेंद्र कुमार, सुजीत लकड़ा सहित अन्य मजदूर मौजूद थे।

विवाह के लग्न को लेकर रांची में 80 प्रतिशत बैंक्वेट हॉल बुक

रांची, संवाददाता

विवाह के लग्न को लेकर राजधानी रांची के 80 प्रतिशत बैंक्वेट हॉल बुक हो गए है। बैंक्वेट हॉल और होटलों की बुकिंग तेज हो गई है। लग्न के शुभ दिनों के लिए बैंक्वेट हॉल और ज्यादातर धर्मशालाएं बुक हो चुकी हैं। बैंक्वेट हॉल संचालकों का कहना है कि इस वर्ष नवंबर और दिसंबर में काफी कम लग्न दिवस है। इस कारण से बैंक्वेट हॉल पहले से ही बुक हो चुके हैं। चेंबर बैंक्वेट सब कमेटी चेयरमैन ने बताया कि शुभलग्न के दिवस में बुकिंग लेने के लिए होटलों, धर्मशालाओं और बैंक्वेट हॉल में काफी इन्क्वायरी आ रही है। नवंबर-दिसंबर के लग्न दिवस में रांची के 80 प्रतिशत से ज्यादा बैंक्वेट हॉल और धर्मशालाएं बुक हो चुके हैं।

बाजारों में बढ़ी रौनक, देर रात तक खरीदारी

विवाह नजदीक आते ही शहर के जेवर और कपड़ा दुकानों में खरीदारी शुरू हो गई। लोग अपने जरूरत के सामानों को देर तक खरीदने में लगे हैं। दुकानदारों का कहना है कि 2025 में लग्न दिवस कम हैं, फिर भी खरीदारी काफी बढ़ी हुई है।

दो दिन बाद 18 नवंबर से शहनाइयां बजने लगेंगी।

आचार्य मनोज पांडेय ने रविवार को बताया कि इस वर्ष नवंबर और दिसंबर माह में सिर्फ 13 विवाह लग्न दिवस हैं। वहीं, अगले वर्ष के जुलाई तक 75 लग्न दिवस हैं।

नवंबर-2025 से जुलाई-2026 तक लग्न

नवंबर : 18, 19, 21, 22, 23, 24, 25, 29, 30 दिसंबर : 01, 04, 05, 06 फरवरीः 04, 05, 06, 07, 08, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 19, 20, 21, 24, 25, 26 मार्चः 02, 04,05, 06, 07, 08, 09, 10, 11, 12, 13, 14 अप्रैलः 20, 21, 26, 27, 28, 29, 30 मईः 03, 04, 05, 06, 07, 08, 12, 13, 14 जूनः 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30 जुलाईः 01, 06, 07, 08, 11

विवाह के सबसे अच्छे मुहूर्त

पंचांग के अनुसार 22. नवंबर, 23,24 व 29 नवंबर,4 और 5 दिसंबर, 5 फरवरी, 12 फरवरी, 9 मार्च, 10 मार्च व 14 मार्च विवाह के सबसे अच्छे मुहूर्त हैं। आचार्य मनोज पांडेय ने कहा कि शादी के शुभ योग के लिए बृहस्पति, शुक्र और सूर्य का शुभ होना जरूरी है। रवि गुरु का संयोग सिद्धिदायक और शुभफलदायी होते हैं। इन तिथियों पर शादी-विवाह को बेहद शुभ माना गया है।

18 नवंबर को सोम प्रदोष होने से इस दिन शुभ लग्न

आचार्य मनोज पांडेय ने कहा कि 18 नवंबर को प्रातः 06ः12 बजे से 08ः33 बजे तक शुभ लग्न है। रात्रि 01ः21 मिनट के बाद मृत्यु बाण योग हो जाएगा। इसलिए इसके पूर्व ही विवाह में सिंदूर दान और कन्या दान कर लेना चाहिए। शादी-विवाह के लिए शुभ मुहूर्त का होना बड़ा महत्वपूर्ण होता है। वैवाहिक बंधन को सबसे पवित्र रिश्ता माना गया है। इसलिए इसमें शुभ मुहूर्त का होना जरूरी है।

संवाद 2025 कार्यक्रम शुरू, अखड़ा शुद्धिकरण की रस्म ने भरा एकता की भावना

पूर्वी सिंहभूम, शहर में शनिवार की देर रात जारी संवाद 2025 नामक कार्यक्रम की शुरूआत इस बार और भी खास रही, क्योंकि यह आयोजन झारखंड के 25वें राज्य स्थापना दिवस और धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को समर्पित था।

कार्यक्रम की शुरूआत मुंडा, संथाल और उरांव जनजातियों की पारंपरिक प्रार्थनाओं से हुई। इसके बाद हो जनजाति की परंपरा के अनुसार अखड़ा शुद्धिकरण की रस्म ने पूरे माहौल को पवित्रता और सामुदायिक एकता की भावना से भर दिया। टाटा स्टील फाउंडेशन से जुड़े बच्चे, जिन्होंने खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन किया है, ने अखड़ा में आदिवासी बुजुर्गों का स्वागत कर समारोह को और सजीव बनाया।

इस विशेष अवसर पर संथाल समुदाय के देश परगना बैजू मुर्मू, तोरोप परगना और संथाल के दशमथ हांसदा, हो समुदाय के पीर मांकी गणेश पात पिंगुआ तथा भूमिज समुदाय के प्रधान उत्तम सिंह सरदार जैसे सम्मानित प्रतिनिधि उपस्थित रहे। पद्मश्री चामी मुर्मू और पद्मश्री जनुम सिंह सोय ने अपनी उपस्थिति और प्रेरक व्यक्तित्व से आयोजन की गरिमा को नई ऊंचाईयों पर पहुंचाया। इनके साथ तोलोंग सिकि के जनक डॉ. नारायण उरांव और पाहन नियारें हेरेंज भी महत्वपूर्ण रूप से शामिल हुए।

संक्षिप्त खबर

झारखंड में पड़ रही कड़ाके की ठंड , सामान्य से 7 डिग्री कम हुआ न्यूनतम तापमान

रांची,

झारखंड में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ठंड से लोग ठिठुर रहे है। राज्य के खूंटी में न्यूनतम तापमान गिरकर सामान्य से सात डिग्री कम रिकॉर्ड किया गया। वहीं बढ़ी ठंड के चलते राजधानी रांची में भी न्यूनतम तापमान गिरकर नौ डिग्री पहुंच गया है जो सामान्य से चार डिग्री कम है। वहीं पिछले 24 घंटों में रांची सहित पश्चिमी जिलों में शीतलहर चली, जबकि कहीं-कहीं भीषण शीत लहर (सर्व कोल्ड वेव) की स्थिति देखने को मिली। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहा, जबकि सुबह और शाम में भारी कनकनी महसूस की गई। रांची में अधिकतम तापमान 24.6, जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 28.9 और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री, डालटेनगंज में अधिकतम तापमान 28.8 डिग्री, न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री, बोकारो में 25.1 और 9.5 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

अस्मिता किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में लावण्या शर्माआरजू अली को स्वर्ण पदक

रांची, रांची जिला एमेच्योर स्पोर्ट्स किक बॉक्सिंग एसोसिएशन की ओर से हीनू यूनाइटेड क्लब बिहारी मंडा में रविवार को एकदिवसीय अस्मिता महिला किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजित हुआ। इस प्रतियोगिता केम्यूसिल इवेंट में जूनियर लड़कियों में स्वर्ण पदक आरजू अली को, रजत पदक उपासना को, कांस्य पदक खुशी विश्व राम और निशा कुमारी को मिला। वहीं कैडेट म्यूजिकल फॉर्म में स्वर्ण पदक लावण्या शर्मा को, रजत पदक अयाना अली को, कांस्य पदक आरोही घोष एवं मानसी कुमारी को मिला है। बतौर मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री नीरा यादव, झारखंड ओलिंपिक एसोसिएशन के महासचिव मधुकांत पाठक, एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय सिन्हा दीपू ने दीप कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वहीं समापन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मंत्री राधा कृष्ण किशोर, विशिष्ट अतिथि सुधीर तिवारी निर्देशक टेंडर हार्ट स्कूल, डॉ प्रभात कुमार सिविल सर्जन रांची, सुबोध सिंह गुड्डू अध्यक्ष बिहारी कल्ब, प्रशांत किशोर मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मधुकांत पाठक ने कहा कि किक बॉक्सिंग मार्शल आर्ट्स के दुनिया में काफी तेजी से बढ़ने वाला खेल है। जिसमें वह पूरा सहयोग करेंगे। वहीं समापन में मुख्य अतिथि मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा इस तरह के आयोजन से महिलाओं का आत्मबल बढ़ता है। जो लड़कियां इस प्रतियोगिता में भाग ली है, इनको बुराई पर प्रहार करना है। विनय सिन्हा दीपू ने कहा हमारा प्रयास है कि हम सभी स्कूलों में अपने किक बॉक्सिंग के खेल को बढ़ावा देना। ताकि लड़कियों को आत्मरक्षा करने में कामयाबी मिले। प्रतियोगिता में रेफरी गुलाम गौस कुरैशी, इबरार अंसारी, कमल किशोर कच्छप, लालचंद लोहार, सोनू, विमल आनंद नाग, नौशाद खान, शिव कुमार, जहुर अंसारी,निशांत कुमार, सिंटू कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

श्री राधाकृष्ण प्रणामी मंदिर में हुआ महाप्रसाद का वितरण

रांची, श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की ओर से संचालित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर पुंदाग में रविवार को 238वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का वितरण किया गया।

अनुष्ठान में श्री राधा कृष्ण जी का दिव्य अलौकिक श्रृंगार किया गया। इसके बाद मेवायुक्त केसरिया खीर महाप्रसाद का विधिवत भोग लगा। दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे ने विधिवत भोग लगाई। भजन-संध्या के कार्यक्रम में भजन गायकों ने मनमोहक भजनों से श्रोताओं को खूब झुमाया। इसके बाद सामूहिक रूप से महाआरती की गई। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि आज श्री राधा कृष्ण मंदिर में तीन हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस अवसर पर-अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, शिव भगवान अग्रवाल, मधुसूदन जाजोदिया, पूरणमल सर्राफ, सुरेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में महिलाझ्रपुरुष मौजूद थे।

संस्कृत पढ़ने वाले छात्रों को होनी चाहिए आत्म गौरव की अनुभूति : डॉ मिश्र

रांची, संवाददाता

राजकीय संस्कृत महाविद्यालय के वरीय प्राध्यापक डॉ शैलेश कुमार मिश्र ने रविवार को कहा कि संस्कृत का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को आत्म गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। डॉ मिश्र डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची के संस्कृत विभाग में आयोजित नवागत छात्राभिनन्दन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यार्थियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को शास्त्रों के स्वाध्याय में लगे रहना चाहिए। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ मिश्र ने कहा कि अनुशासित

विद्यार्थी ही जीवन में सफलता को प्राप्त करते हैं।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रभारी कुलसचिव-सह-संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ धनंजय वासुदेव द्विवेदी ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण विषय, एक पूर्ण ज्ञानपरंपरा और भारतीय संस्कृति का आधार स्तम्भ है। संस्कृत में निहित शास्त्र, व्याकरण, काव्य, वेद, उपनिषद् और दर्शन मानव जीवन के समग्र विकास के पथप्रदर्शक हैं। मारवाड़ी कालेज के प्राध्यापक एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ राहुल कुमार ने संस्कृत के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ज्ञान-विज्ञान के सिद्धान्त संस्कृत वाङ्मय में सन्निहित हैं। उन्होंने कहा कि देश और विदेश के विशिष्ट संस्थान संस्कृत के अध्यापन पर बल दे रहे हैं। बीएनजे कालेज, सिसई के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ पारंगत खलखो ने कहा कि विद्या ही एकमात्र ऐसा धन है जो व्यय करने पर भी बढ़ता है।

विशिष्ट अतिथि अमिताभ कुमार ने इस अवसर पर विद्यार्थियों के पंचलक्षण पर प्रकाश डाला और जीवन में उद्यम के महत्त्व पर विस्तृत चर्चा की। विभागीय शिक्षक डॉ जगदम्बा प्रसाद ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए ये सभी अनिवार्य अंग हैं। अपने स्वागत उद्बोधन में विभागीय छात्रा प्रतिमा चौहान ने कहा कि संस्कृत भारतीय ज्ञान परम्परा का आधार है।

कार्यक्रम का संचालन सर्वोत्तमा कुमारी और भोला मिश्र ने किया। अभिनन्दन समारोह में कीर्ति, प्रज्ञा, शिवम, दीपक और गौरव ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। सुरेन्द्र कुमार ने अतिथि परिचय का कार्य किया। अनामिका ने एकल गीत प्रस्तुत किया।

सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने 15 मिनट के भीतर की गला कटे मरीज की क्रिटिकल सर्जरी !

रांची। जिला में रांची सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने टीम भावना और मानवता की जबरदस्त मिसाल पेश की है. दरअसल, गंभीर हालत में एक मरीज अस्पताल पहुंचा था. उसका गला बहुत गहरा, सांस की नली तक कटा हुआ था. उसके घर वाले गले के ऊपर गमछा लपेटकर लेकर आए थे, जो खून से लथपथ था. मरीज की हालत देख सर्जरी ओपीडी के चिकित्सक डॉ. अजीत कुमार ने तत्काल हेड एंड नेक सर्जन एके विद्यार्थी और प्लास्टिक सर्जन डॉ. तन्मय प्रसाद से बात की और सिस्टर इंचार्ज से ओटी को तुरंत तैयार करने को कहा. इस बीच डॉक्टर अजीत ने अपने उच्च पदाधिकारीयों और पुलिस को इस घटना की सूचना दे दी.पलक झपकते ही सदर अस्पताल की टीम एक्टिव हो गई. डॉ. अजीत ने एनेस्थीसिया के इंचार्ज डॉक्टर नीरज से भी बात की और उनसे अनुरोध करके ऑपरेशन थिएटर को जल्द तैयार कराया. लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. अजीत कुमार के नेतृत्व और हेड एंड नेक सर्जन डॉ. अजय कुमार विद्यार्थी के मार्गदर्शन में प्लास्टिक सर्जन डॉ. तन्मय प्रसाद और एनेस्थीसिया के चिकित्सकों के सहयोग से गंभीर मरीज की अस्पताल आने के 15 मिनट के अंदर ऑपरेशन शुरू कर दिया गया. जिस युवक की क्रिटिकल सर्जरी हुई है, वह अनगड़ा थाना क्षेत्र के जरगा गांव का रहने वाला है. उसका नाम एम. तिर्की है और उसकी उम्र महज 24 साल है. ऑपरेशन लगभग 2 घंटे तक चली जिसमें उन्हें सांस लेने के लिए एक अलग रास्ता बनाना पड़ा जिसे Tracheostomy कहते हैं. टीम भावना से काम करते हुए तत्काल खून जांच, ABG, सेरोलॉजी कराई गई. एनेस्थीसिया के डॉक्टरों ने अपनी तैयारी करके रखी थी.

झारखंड देश में कहीं भी कम नहीं : राज्यपाल

झारखंड राज्य के गठन के पक्ष में मैंने भी मतदान किया, राज्य में क्षमता के साथ काम करने की भी है ताकत

रांची, संवाददाता

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि झारखंड देश में कहीं भी कम नहीं है. इस राज्य में क्षमता भी है, काम करने की ताकत भी है. राज्य की नींव जनआकांक्षाओं को मजबूत करने के लिए रखी गई. पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदर्शी सोंच के के कारण झारखंड का गठन हुआ. राज्यपाल राज्य स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि जिस समय झारखंड राज्य का गठन हुआ, उस समय मैं लोकसभा का सदस्य था, झारखंड के गठन के पक्ष में मैंने भी मतदान किया. इस वीर भूमि ने अनेक सपूत दिए हैं. जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया. राज्यपाल ने कहा कि बिरसा मुंडा की जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप में पूरे देश में मनाई जा रही है. वर्ष 2000 में जनआकांक्षाओं के अनुरूप झारखंड अस्तित्व में आया. दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने

इस प्रदेश के लिए अपनी जीवन सर्वस्व न्योछावर किया. झारखंड अपने 25 साल के दौरान अनेक क्षेत्रों में प्रगति की है. राष्ट्र के निर्माण में योगदान दिया है. यहां विकास की अपार संभावनाएं हैं. झारखंड शिक्षा, कृषि, खनन, ऊर्जा और खेल के क्षेत्र में पहचान बना रहा है. यहां की जनजातीय कला को विश्व स्तर पर सराहा जा रहा है. विकास योजनाओं का सही से क्रियान्वयन होना चाहिए. गरीबी पलायन जैसी चुनौतियों को दूर करने के लिए स्पष्ट विजन के साथ प्रयास करना होगा. झारखंड देश की विकास यात्रा में सशक्त भूमिका निभाने का प्रयास करेगा.

आज एहसास हो रहा है कि ये राज्य किसकी देन है: राधाकृष्ण

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि सांसद संजय सेठ, , दीपक प्रकाश, सीपी सिंह, आदित्य साहू की अनुपस्थिति को भी अभिनंदन करता हूं. आज जब 25 वां स्थापना दिवस मना रहे हैं तो एहसास हुआ कि ये राज्य किसकी देन है. वर्ष 2000 में राज्य का बजट 6067 करोड़ था जो आज बढ़कर एक लाख 45 हजार करोड़ रुपए हो गया. कुल राजस्व में 9.4 फीसदी की दर से वार्षिक वृद्धि हो रही है. कुशल वित्तीय प्रबंधन के लिए नीति आयोग ने भी सराहना की है. रेव्न्यू कलेक्शन में देश में नौ वें स्थान पर और एक्सपेंडिचर क्वालिटी में छठें स्थान पर हैं. कोशिश हैं की राजकोषिय स्वास्थ्य में झारखंड पहले स्थान पर आए. केंद्र का समय पर सहयोग नहीं मिल रहा है. कोयला कंपनियों का बकाया एक लाख 36 हजार करोड़ है. जल जीवन मिशन का 6300 करोड़ नहीं मिला है. केंद्रीय करों की हिस्सेदारी में 19 हजार करोड़ और अनुदान के 13,443 करोड़ रुपए नहीं मिले हैं. केंद्र का सहयोग मिले तो झारखंड देश का पहले नंबर का राज्य हो जाएगा.

युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगेः संजय यादव

झारखंड के श्रम मंत्री संजय यादव ने कहा कि सरकार तीव्र गति से बना रही विकास की रूपरेखा बना रही है. पिछले छह वर्षों से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार झारखंड को देश के सफल और विकसित राज्यों की श्रेणी में लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है. रोजगार और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने कई नई नीतियां बनाई हैं, जिन पर तेजी से कार्य किया जा रहा है. युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए बेहतर प्रशिक्षण देकर उन्हें निजी क्षेत्र में भी रोजगार से जोड़ने का प्रयास लगातार जारी है.

झारखंड की विशिष्ट पहचान लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ी हैः के. राजू

झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने कहा कि अलग झारखंड राज्य अपनी विशिष्ट पहचान, संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों के कारण देश में जाना जाता है. उन्होंने संविधान सभा की ऐतिहासिक बैठक का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय जयपाल सिंह मुंडा ने स्पष्ट कहा था कि ₹अगर आपको लोकतंत्र सीखना है, तो आदिवासी इलाकों में आइए₹- क्योंकि यहां की लोकतांत्रिक व्यवस्था समृद्धि, साझेदारी और जल-जंगल-जमीन पर सामुदायिक अधिकारों को बनाए रखने की मूल भावना पर आधारित है. झारखंड राज्य के गठन में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की महत्वपूर्ण भूमिका रही. उन्होंने अलग झारखंड राज्य के लिए समिति का गठन किया था। जिसकी बदौलत आगे चलकर अलग झारखंड राज्य का सपना साकार हो पाया.

स्थापना दिवस के रजत जयंती उत्सव पर राजधानी रांची में दिखा आदिवासी संस्कृति का अद्भुत नजारा

पारंपरिक सुरों पर झूमीं कल्पना व शिल्पी

संवाददाता । रांची

रांची : झारखंड स्थापना दिवस के रजत जयंती उत्सव के अवसर पर राजधानी रांची में आयोजित भव्य 'झारखंड जतरा' का समापन रविवार को बिरसा मुंडा स्मृति पार्क, जेल चौक में हुआ। समापन समारोह में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और विधायक कल्पना सोरेन विशेष रूप से शामिल हुईं। दोनों ने झारखंडी परंपरा के अनुरूप ढोल- नगाड़ा बजाकर और पारंपरिक नृत्य में सहभागिता कर उत्सव के माहौल को और अधिक उल्लासमय बना दिया। समारोह में विभिन्न जनजातीय समुदायों के प्रतिनिधि, लोक कलाकार, विद्यार्थी, सांस्कृतिक दलों के सदस्य, सामाजिक संस्थाएं और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। सभी ने मिलकर झारखंड की जनजातीय कला, संस्कृति, परंपरा और अस्मिता की अनोखी झलक पेश की। विभिन्न विभागों और सांस्कृतिक समूहों ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जन-भागीदारी और रंगारंग प्रस्तुतियों ने राजधानी को उत्सव की ऊर्जा और सांस्कृतिकगौरव से सराबोर कर दिया।

ब्रीफ न्यूज

जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है शिक्षा का उद्देश्य : राज्यपाल

संवाददाता ।

रांची : शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक अर्जित करना नहीं है, बल्कि संवेदनशील, संस्कारवान और ज़िम्मेदार नागरिक तैयार करना है। शिक्षा सिर्फ.किताबों तक सीमित नहीं है; यह व्यक्ति के नैतिक और चारित्रिक मूल्यों का भी निर्माण करती है। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को रांची के श्यामली स्थित जवाहर विद्या मंदिर में आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव हारबिंगर्स- 2025 को संबोधित करते हुए ये बातें कही। उन्होंने वर्ष 1966 में स्थापित इस प्रतिष्ठित विद्यालय की गौरवशाली परंपरा, अनुशासन और उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह हर्ष का विषय है कि यह विद्यालय न केवल झारखंड में बल्कि पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सादगी, अनुशासन और प्रसिद्धि इस संस्था की मूल भावना का प्रतीक है। राज्यपाल ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान को अभिव्यक्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। आज प्रस्तुत गीत, नृत्य, नाटक और विविध कलात्मक प्रस्तुतियां विद्यार्थियों की प्रतिभा, मेहनत और नवाचार की भावना को दशार्ती हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए उन्होंने छात्रों को 'खुद पर विश्वास रखने, कड़ी मेहनत करने और मुस्कुराते रहने' का संदेश दिया। राज्यपाल ने झारखंड की वीरभूमि और भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष और प्रेरणादायी जीवन को स्मरण करते हुए विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे ईमानदारी, परिश्रम और सकारात्मकता को अपने जीवन में सर्वोच्च स्थान दें तथा अपने माता-पिता औरशिक्षकों का सम्मान करें।

जमशेदपुर में JIMS और रक्टर अस्पताल के बीच नई साझेदारी JIMS इंफोर्मेशन सेंटर का हुआ उद्घाटन

दोनों अस्पतालों के बीच यह साझेदारी गरीब मरीजों के लिए फायदेमंद साबित होगी: हिदायतुल्लाह खान

संवाददाता ।

जमशेदपुरः क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच और कनेक्टिविटी बढ़ाने के उद्देश्य से जगन्नाथ गुप्ता आयुर्विज्ञान एवं अस्पताल (खक्टरल) और रक्टर अस्पताल के बीच आज एक नई साझेदारी की घोषणा की गई। इस अवसर पर, शहर में रक्टर अस्पताल के सहयोग से खक्टरल अस्पताल के इंफोर्मेशन सेंटर का उद्घाटन किया गया। खक्टरल में मरीजों को सुविधाजनक और किफायती स्वास्थ्य सेवाएँ मिल रही हैं और यहाँ आयुष्मान भारत कार्ड के तहत इलाज भी उपलब्ध है। आज उद्घाटन समारोह में झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ खक्टरल के अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता, रक्टर अस्पताल के प्रो रहमत सईद खान और जमशेदपुर के प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. एनके दास भी मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरूआत एक बड़े मल्टी-स्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर से हुई, जिसमें निःशुल्क चिकित्सा परामर्श, स्वास्थ्य जाँच और जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। बड़ी संख्या में लोगों ने इसका लाभ उठाया। जिम्स इंफोर्मेशन सेंटर के माध्यम से झारखंड के मरीज अब स्थानीय स्तर पर ही जिम्स के सुपर स्पेशियलिटी डॉक्टरों से परामर्श ले सकेंगे। डॉक्टर समय-समय पर जमशेदपुर आएंगे, जिससे मरीजों को बेहतर और समय पर चिकित्सा सेवा मिल सके। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान ने कहा कि जिम्स, कोलकाता और सिम्स, जमशेदपुर के बीच यह साझेदारी झारखंड के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद होगी। और यह जमशेदपुर के साथ-साथ पूरे झारखंड के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी फायदेमंद होगा। उन्होंने आगे कहा कि आए दिन ऐसी जानकारी मिल रही है कि निजी अस्पतालों के कई गरीब मरीजों के परिजन बिल का भुगतान करने में सक्षम नहीं हैं और कई बार ऐसी भी जानकारी मिलती है कि निजी अस्पताल में मरीज की मृत्यु के बाद बिल का भुगतान न कर पाने के कारण शव नहीं दिया जाता। ऐसे में जिम्स और सिम्स के बीच यह साझेदारी इन गरीब मरीजों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगी। यहां आयुष्मान कार्ड के माध्यम से मुफ्त इलाज की भी सुविधा दी जाती है। कई निजी अस्पताल ऐसे हैं जहाँ आयुष्मान कार्ड के माध्यम से इलाज की सुविधा नहीं है, लेकिन आज इस साझेदारी से हर वर्ग के लोगों को, चाहे वे गरीब हों या अमीर, इस अस्पताल में बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने दोनों अस्पतालों के अध्यक्ष को इस साझेदारी के लिए बधाई दी और कहा कि यह एक बहुत अच्छी पहल है कि अब जमशेदपुर के मरीजों को भी बेहतर, आसान और सस्ता इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। और आने वाले दिनों में जमशेदपुर में अस्पताल की व्यवस्था में सुधार किया जाएगा। आज बंगाल के एक अस्पताल ने यहां आकर इस नई पहल की शुरूआत की, जो स्वागत योग्य है। जिम्स अस्पताल के अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता ने कहा कि झारखंड में इस केंद्र का शुभारंभ गर्व की बात है। इसका उद्देश्य राज्य के निवासियों को 26 से अधिक सुपर-स्पेशियलिटी सेवाओं तक सीधी पहुँच प्रदान करना है। कोलकाता के बिज बिज में स्थित जिम्स अस्पताल एक एनएबीएच-मान्यता प्राप्त मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज है जिम्स और सिम्स के बीच यह साझेदारी झारखंड की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करेगी और मरीजों को उनके अपने शहर में ही विश्वस्तरीय मल्टी-स्पेशलिटी चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगी।

झारखंड के रजत उत्सव पर्व पर झारखंड में रक्तदान-महादान के जनजागरूकता पर मार्च फॉर ब्लड डोनेशन₹ हुआ

संवाददाता । रांची

झारखंड सरकार द्वारा ऐतिहासिक एवं मानवीय संवेदना से भरे राज्य भर में रक्तदान-महादान शिविर महाअभियान 12-28 नवंबर तक के समर्थन में झारखंड गठन के 25 वर्ष रजत पर्व उत्सव में रक्तदान-महादान के जनजागरूकता पर ₹लहू बोलेगा₹ रक्तदान संगठन रांची एवं झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन के अपील पर आज राजधानी रांची के सर्वधर्म के प्रतिष्ठित दर्जनों संगठनों-समाजसेवियों द्वारा शांतिपूर्ण और मौन ₹मार्च फॉर ब्लड डोनेशन₹ सैनिक मार्केट से परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक रांची तक हुआ।मार्च फॉर ब्लड डोनेशन कार्यक्रम का नेतृत्व सेंट्रल मोहर्रम कमेटी रांची के महासचिव अकिलूर रहमान एवं श्री महावीर मंडल रांची अध्यक्ष सह केंद्रीय शांति समिति रांची के जयसिंह यादव द्वारा हुआ।कार्यक्रम में थैलेसीमिया पीड़ितों के परिजन/पीड़ित शामिल थे,रक्तदान पर जनजागरुकता पर्चा भी वितरित हुआ।सभी के हाथों में तख्तियां थी जिसमें झारखंड सरकार द्वारा रक्तदान-महादान शिविर महाअभियान 12-28 का समर्थन, जान पहचान, अनजान जरूर करें रक्तदान-महादान,जिम्मेदार बनें,रक्तदान करें,जीवन बचाने में सहायता करें, रक्तदान-महादान को प्रोत्साहित करें,झारखंड में रक्तदान-महादान का ब्रांड एम्बेसडर बनाया जाए,झारखंड के सरकारी ब्लड बैंक को अत्याधुनिक सुसज्जित बनाया जाए,झारखंड भर में सभी जिलों के लिए वातानुकूलित वॉल्वो बस लिया जाए,केरल के तर्ज पर रक्तदान-महादान को झारखंड में लागू किया जाए,रक्तदाता को प्रोत्साहित किया जाए,बंगाल के तर्ज पर रक्तदाता को 100 रुपया का रिफ्रेशमेंट दिया जाए,झारखंड में 2018 के आदेशानुसार सभी सरकारी-निजी अस्पतालों में भर्ती मरीजों को ब्लड सुनिश्चित हो जैसे नारें थे।रजत पर्व उत्सव के बिरसा मुंडा के 150 जयंती पर भव्य ऐतिहासिक जतरा शोभायात्रा मेन रोड़, रांची में माननीय मुख्यमंत्री श्रीमान हेमंत सोरेन महोदय ने परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक पर स्थित जतरा शोभायात्रा के स्टेज से देखकर ₹मार्च फॉर ब्लड डोनेशन₹ को सराहा और आशीर्वाद दिया।कार्यक्रम में सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के महासचिव अकिलूर रहमान,श्रीमहावीर मंडल के अध्यक्ष एवं केंद्रीय शांति समिति के जयसिंह यादव,उपाध्यक्ष दीपक ओझा,अंजुमन इस्लामिया रांची के अध्यक्ष हाजी मोख्तार अहमद,चुटिया के पूर्व पार्षद विजय साहू,इदारा-ए-शरिया झारखंड के नाजिम- ए-आला मौलाना कुतबुद्दीन रिजवी, केंद्रीय शांति समिति हाजी माशूक,महिला नेत्री नंदिता भट्टाचार्य मिठू,थैलेसीमिया एसोसिएशन के संजय टोप्पो,देवकी देवी,मरहबा ह्यूमन सोसाईटी के महासचिव मो नेहाल,नैयर सहाबी,शेपिंग लाइफ के अध्यक्ष औरेन्जेब खान,इदरीसिया सूफी पंचायत हिंदपीढ़ी अध्यक्ष मुन्नवर अली भुट्टो, झारखंड सिद्दीकिन पंचायत के अब्दुल खालिक नन्हू,सिया समुदाय के समाजसेवी सयैद फराज अब्बास,कर भला हो भला के अध्यक्ष सज्जाद इदरीसी,लहू बोलेगा के नदीम खान,इंजीनियर शाहनवाज अब्बास,अकरम राशिद,

राजमहल विधायक ने 10 करोड़ के योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया

संवाददाता । रांची

राजमहल : विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा द्वारा रविवार को राजमहल नगर एवं प्रखंड क्षेत्र में लगभग 10 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन गया है। विधायक ने कहा कि राजमहल अवर निबंधन कार्यालय के नए भवन एवं मार्केट कंपलेक्स, सर्किट हाउस एवं दरला पंचायत में डहरू कुमार पुल का शिलान्यास किया गया। वहीं अनुमंडलीय अस्पताल परिसर स्थित बीपीएचयू सेंट्रल लैब व परिसर स्थित विधायक निधि से निर्मित पीसीसी सड़क का उद्घाटन किए हैं। विधायक ने कहा कि राजमहल के विकास की नींव रखी गई है इससे रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही अवर निबंधन कार्यालय का जहां नयाभवन क्रेता विक्रेताओं के लिए सुविधाजनक होगा वहीं परिसर स्थित निर्मित मार्केट कंपलेक्स रोजगार के अवसर प्रदान करेंगे। मुख्य बाजार में स्थाई मार्केट लोगों को मिलेगा। अनुमंडल मुख्यालय में अबतक कोई सर्किट हाउस नहीं था, अब सर्किट हाउस के बनने से क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों को भी काफी सुविधा मिलेगी।

झारखंड में कांग्रेस का 'नेशनल मीडिया टैलेंट हंट' जल्द होगा शुरू

संवाददाता । रांची

रांची : कांग्रेस ने पूरे देश में प्रवक्ताओं के चयन के लिए नेशनल मीडिया टैलेंट हंट प्रोग्राम की शुरुआत की है, जिसकी तैयारी अब झारखंड में भी शुरू होने जा रही है। रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बताया कि इस पहल के तहत प्रदेश और क्षेत्रीय स्तर पर नए और योग्य प्रवक्ताओं की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए झारखंड को सात जोन में बांटा गया है। प्रेस वार्ता में मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, सतीश पौल मुंजनी, लालकिशोर नाथ शाहदेव, सोनाल शांति, कमल ठाकुर और गजेंद्र सिंह मौजूद थे। एआईसीसी प्रवक्ता अतुल लोंढे पाटिल ने कहा कि यह कार्यक्रम उन प्रतिभाशाली लोगों को मंच देगा, जिनमें संविधान, प्रस्तावना और भारतीय राजनीति की गहरी समझ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी चाहती है कि नए लोग संगठन में सीधे संवाद के माध्यम से आएं, न कि किसी नेता की सिफारिश से। इस प्रक्रिया में एनजीओ, मीडिया और सिविल सोसायटी से जुड़े प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाएगा। उन्होंने केंद्र सरकार पर सरकारी तंत्र और सोशल मीडिया को नियंत्रित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा हो रहा है और चुनाव आयोग की पारदर्शिता पर उठ रहे सवाल बेहद गंभीर हैं। कमलेश ने कहा कि चयन में उन उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी जिनमें कांग्रेस के मूल्यों के प्रति निष्ठा, राजनीतिक जागरूकता, वैचारिक स्पष्टता, मजबूत संचार कौशल और संविधान व इतिहास की समझ हो। यह पूरी प्रक्रिया संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत पूरी कीजाएगी।

निशुल्क जांच और पंजीकरण शिविर हुआ सफल

150 वरिष्ठ नागरिकों की जांच के उपरांत रजिस्ट्रेशन हुई सम्पन्न

संवाददाता । रांची

झारखंड मुस्लिम युवा मंच एवं वार्ड 49,44,45 पूर्व पार्षद जमीला खातून नसीम गद्दी, फिरोज आलम के सहयोग से राष्ट्रीय वयोश्री योजना अररफ्ध ऊऋढकळक रांची के द्वारा आयोजित निशुल्क जांच और पंजीकरण शिविर कल दिन रविवार, 16 नवंबर 2025 को मनी टोला हजरत अली चौक, डोरंडा वार्ड, 49 रांची में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस शिविर में वरिष्ठ नागरिकों की जांच की गई और जांच के उपरांत रजिस्ट्रेशन किया गया। रजिस्ट्रेशन के उपरांत 1 महीने के अंदर निशुल्क सहायता उपकरण वितरण किए जाएंगे, जैसे कि विह्वल चेयर, कमर बेल्ट, स्टीक, और कान का मशीन जैसे आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। शिविर में तकरीबन 150 पुरुष और महिला ने पंजीकरण कराया। इस अवसर पर झारखंड मुस्लिम युवा मंच के अध्यक्ष मोहम्मद शाहिद अय्यूबी, निवर्तमान पार्षद जमीला खातून नसीम गद्दी फिरोज आलम और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।झारखंड मुस्लिम युवा मंच की ओर से सभी का आभार व्यक्त किया गया है जिन्होंने इस शिविर को सफल बनाने में सहयोग किया। हम आशा करते हैं कि इस शिविर से वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिलेगा और वे अपने जीवन को और भी बेहतर बना पाएंगे।मुख्य रूप से इस कार्यक्रम में झारखंड मुस्लिम युवा मंच के अध्यक्ष मोहम्मद शाहिद अय्यूबी

निवर्तमान पार्षद जमीला खातून, पार्षद प्रतिनिधि रिजवान हुसैन आलिमको पी ओ अविनाश कुमार , डॉ दानिस,जाहिद अंसारी ,मोहम्मद इमाम, गुलाम गौस अरशद,

निगम कर्मियों की मांगें पूरी नहीं हुई तो दिसंबर में करेंगे हड़ताल

रांची : रांची नगर निगम सफाईकर्मियों की विभिन्न लंबित समस्याओं और विगत 24-25 सितम्बर की त्रिपक्षीय वार्ता में हुए समझौतों के क्रियान्वयन की समीक्षा को लेकर रविवार को धुर्वा स्थित सीटू कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने कहा कि नगर निगम प्रशासक अब सफाईकर्मियों की धैर्य की परीक्षा और न लें। यदि 27 नवम्बर तक सभी सहमत बिंदुओं पर ठोस कार्यवाही नहीं निकाला जाता है, तो यूनियन दिसंबर के पहले सप्ताह में रांची नगर निगम का घेराव प्रदर्शन करेगी। साथ ही, उसी दिन दिसंबर के दूसरे सप्ताह में हड़ताल का आह्वान किया जाएगा। जिसकी तैयारी यूनियन स्तर पर शुरू कर दी जाएगी। यूनियन नेताओं ने बताया कि विगत 24 सितम्बर की हुई वार्ता में जिन प्रमुख मांगों पर सहमति बनी थी उनमें आठ दिन का अवकाश एवं मातृत्व अवकाश का आदेश निकालने, काम से निकाले गए कर्मियों की बहाली पर बनी कमिटी का जल्द आदेश जारी करने, मृत कर्मियों के आश्रितों को नियुक्ति दिए जाने सहित अन्य मांग शामिल है। कर्मियों ने बताया कि दुखद बात यह है कि उपरोक्त निर्णयों के कई बिंदुओं पर नगर निगम प्रशासन ने अबतक ठोस कार्रवाई शुरू नहीं की है। मौके पर उपस्थित कर्मियों ने आक्रोशित भाव में दोबारा एक स्वर में प्रशासन की कर से समझौते का पालन नहीं होने पर व्यापक आंदोलन ।

झारखंड आंदोलन में शामिल मुस्लिमों को अधिकार से वंचित किया जा रहा: एस अली

संवाददाती

लातेहारः मुस्लिम समुदाय के न्याय अधिकार से जुड़े मामलों को लेकर लातेहार जिला के करकट मदरसा कदरिया जमाल ए रजा में अंजुमन इस्लामिया और तंजीम ए उलमेए अहले सुन्नत के द्वारा आयोजित महाबैठक को सम्बोधित करते मुख्या अतिथि आमया व झारखंड छात्र संघ के अध्यक्ष एस अली ने कहा कि मुस्लिम समुदाय को संयुक्त बिहार में प्राप्त अधिकारों को झारखंड में छीना जा रहा है,झारखंड सरकार के निर्देश पर झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा वर्ष 2003 से 2023 दी गई आलिम-फाजिल डिग्री की मान्यता शिक्षा विभाग समाप्त करने पर तुला है, जिसके कारण सहायक आचार्य बहाली में शामिल आलिम डिग्री वालों का रिजल्ट पेंडिंग कर दिया गया, वही माध्यमिक आचार्य बहाली में फाजिल डिग्री वालों को शामिल नही किया गया, इससे पहले भी शिक्षा विभाग ने 543 उर्दू स्कूलों का स्टेटस छीनकर सामान्य विद्यालय बना दिया, बिहार से मिले 4401 उर्दू सहायक शिक्षक के पदों में रिक्त 3712 पदों को सरेंडर कर सहायक आचार्य नाम कर ग्रेड पे आधा कर दिया गया, राज्य में हुए 68 मॉबलींचिग को रोकने के लिए सदन से पारित भीड़ नियंत्रण रोकथाम बिल संशोधन कर लागू नही किया गया, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना में अल्पसंख्यक के लिए बजट नही रहता, उत्तर प्रदेश के तर्ज पर भैंस वंसीय पशुओं के स्लॉटर का अनुमति नही मिल रहा, बनुकर एवं टेलरिंग समितियों को कपड़ों का सरकारी कार्य नही दिया जाता, सरकारी भूमि पर सदियों से स्थापित मुस्लिम धार्मिक स्थलों को भूमि पट्टा निर्गत नही किया जा रहा, सरकारी एवं नीजि बहालियों में आबादी के अनुसार मुस्लिम युवको भागीदारी नही मिलता।उन्होंने कहा कि झारखंड का 25 साल पूर्ण हो गया लेकिन झारखंड अलग राज्य आंदोलन में शामिल झारखंडी मुस्लिम को संवैधानिक अधिकार नही मिला, हेमंत सोरेन सरकार सभी मामलों को हल जल्द करे।

सहकारिता सप्ताह के उपलक्ष्य में पांकी में सहकार सभा, राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने सहयोग की शक्ति पर जोर

संवाददाता

पांकी/ पलामू : पांकी सहकारिता सप्ताह के अवसर पर रविवार को पांकी बस्ती स्थित पांकी बचत एवं साख स्वावलम्बी सहकारी समिति लिमिटेड में सहकार भारती की ओर से एक विस्तृत सहकार सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में शुरुआत से ही ग्रामीणों और समिति से जुड़े सदस्यों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। दीप प्रज्वलन के बाद सभा औपचारिक रूप से प्रारंभ हुई। इस मौके पर राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अंकेश मिश्रा, राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य सुमन अखौरी, प्रदेश कार्य समिति सदस्य मधुसूदन प्रसाद, सोसाइटी सचिव निरंजन प्रसाद, अरुण प्रसाद समेत कई पदाधिकारी मंच पर उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने सहकारिता को ग्रामीण विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए सामूहिक भागीदारी की संस्कृति को मजबूत करने की आवश्यकता जताई। अपने संबोधन में अंकेश मिश्रा ने कहा कि सहकारिता सिर्फ आर्थिक मॉडल नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का उपयुक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि अगर ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी समितियों को सही दिशा और नेतृत्व मिले, तो ये रोजगार, बचत और छोटे व्यवसायों के लिए नई संभावनाएं पैदा कर सकती हैं। उन्होंने इस बात पर भी ध्यान दिलाया कि पिछली कई समितियां अव्यवस्था के कारण कमजोर पड़ीं, लेकिन अब सहकार भारती उन्हें नए सिरे से खड़ा करने के लिए प्रयासरत है। सुमन अखौरी ने सहकारिता को जनसहभागिता की प्रक्रिया बताते हुए कहा कि सरकारी तंत्र की उदासीनता के बावजूद सहकार भारती इस मिशन को नई गति देने के लिए सतत काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सहकार आंदोलन तभी सफल होगा, जब ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी और पारदर्शिता पर आधारित मॉडल लागू हों। मधुसूदन प्रसाद ने सहकारिता की कार्यप्रणाली, महिला स्वयं सहायता समूहों के योगदान, और छोटे उद्यमों के लिए सहकारी ढांचे की उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि झारखंड के विभिन्न इलाकों में सहकार भारती द्वारा जागरूकता अभियानों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को लगातार बढ़ाया जा रहा है। सभा के दौरान बचत की आदत, वित्तीय अनुशासन, सामूहिक उद्यमिता और सहकारी संरचना से मिलने वाले लाभों पर विशेष चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि यदि ग्रामीण क्षेत्र में सामूहिकता की भावना मजबूत हो जाए, तो आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा जा सकता है। अंत में सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने सहकार आंदोलन को और व्यापक बनाने तथा अधिक परिवारों को सहकारी समितियों से जोड़ने का निर्णय लिया। कार्यक्रम में सविता देवी, अनिता देवी, निशा कुमारी, जुली कुमारी, ओमप्रकाश गुप्ता, केदार प्रसाद, कौशल यादव, सुखलाल प्रसाद, उदय प्रसाद गुप्ता, लोरिक सिंह सहित कई ग्रामीण शामिल हुए।

एसपी के निर्देश पर पड़वा थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 910 पेटी अवैध शराब जब्त, ट्रक चालक गिरफ्तार

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू पुलिस ने एसपी के निर्देश पर अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। पड़वा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद करते हुए एक ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। डीएसपी मणि भूषण प्रसाद ने बताया कि 15 नवंबर 2025 को वरीय पदाधिकारी से सूचना प्राप्त हुई कि एमपी नंबर की एक ट्रक में अवैध शराब की बड़ी खेप ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर थाना स्तर से विशेष टीम का गठन किया गया और प्रोफेशनल तरीके से कार्रवाई करते हुए कोल्हुआ मोड़, पड़वा के पास संदिग्ध ट्रक (रजिस्ट्रेशन संख्या MP06HC 2948) को रोका गया। तलाशी के दौरान ट्रक से 910 कार्टून विदेशी अंग्रेजी शराब बरामद की गई। जब्त शराब से संबंधित कागजात की मांग पर चालक कोई संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद ट्रक समेत पूरी शराब को जब्त कर लिया गया और चालक को हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ में चालक ने बताया कि वह उक्त वाहन को ट्रांसपोर्टर के निर्देश पर सतना से सिलीगुड़ी लेकर जा रहा था। गिरफ्तार चालक की पहचान देवा राम (उम्र 29 वर्ष), पिता कृष्णा राम, निवासी रामनगर, नजदीक मदर टेरेसा स्कूल, थाना सदर, जिला बाड़मेर (राजस्थान) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार जब्त 910 पेटियों में कुल 18,998 बोतलें थीं, जिनकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 80 से 90 लाख रुपये आंकी गई है। इस छापामारी दल में पड़वा थाना प्रभारी अविद कुमार, एसआई राजू कुमार गुप्ता, विजय प्रसाद मेहता, पुलिस जवान ओमप्रकाश राम, कमलेश मिश्रा तथा चालक ठाकुर शिलेंद्र कुमार सिंह शामिल थे।

संक्षिप्त खबर

गोपीनाथपुर पंचायत के मुंडा धौड़ा में भगवान बिरसा मुंडा की 150 वां जयंती मनाया दी श्रद्धांजलि

एनआरकुंडा। एनआरकुंडा प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत गोपीनाथपुर पंचायत अंतर्गत मुंडा धौड़ा में भगवान बिरसा मुंडा की 150 वां जयंती मनाया गया और उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर भाजपा प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद्र मुंडा, मुखिया देवी, सांसद प्रतिनिधि प्रशांत बनर्जी, एनआरकुंडा मंडल अध्यक्ष सुशांत चंद्र, अनुसूचित जनजाति का जिला महामंत्री जितेन्द्र मोदी, एनआरकुंडा मंडल के महामंत्री राजेश सिंह, मीडिया प्रभारी मनोज आदि उपस्थित थे।

जमीन कारोबारी के विरुद्ध बलियापुर थाना में शिकायत

बलियापुर। कुसुम विहार धनबाद निवासी रेणु सिंह ने रविवार को बलियापुर थाना में जमीन कारोबारी जगदीश रवानी, संदीप कौशल, संजीव तिवारी, माणिक चंद मंडल, धर्म रवानी, संजय शेखर, रवि यादव, के विरुद्ध धोखाधड़ी की शिकायत की है। रेणु सिंह ने आरोप लगाया है कि लैंड मार्क सोसाइटी में फर्जी तरीके से मेरे नाम जमीन का रजिस्ट्री किया, परन्तु उक्त जमीन का म्यूटेशन नहीं हो रहा है। क्योंकि उक्त जमीन का रजिस्ट्री और भी लोगों के नाम पर किया हुआ है। उन्होंने बताया कि उक्त जमीन के एवज में 8 लाख 50 हजार रुपए भुगतान कर चुकी हूं। आरोपी जमीन कारोबारी तीन चार साल से रुपया वापस करने का झांसा दे कर आ रहे हैं परन्तु अभी तक मेरा पैसा वापस नहीं मिला है। शिकायतकर्ता महिला ने बताया कि बलियापुर थाना प्रभारी ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

फुटबॉल खेल के माध्यम से दिया गया जीवन कौशल का प्रशिक्षण

कसमार (बोकारो) : टांगटोना पंचायत के बगदाडीह गांव में सहयोगिनी संस्था द्वारा फुटबॉल खेल सह जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से किशोरियों और महिलाओं को खेल खेल के जरिये जागरूक करने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने और उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही, बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के दुष्प्रभावों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को जेंडर समानता, बाल संरक्षण, किशोरियों के अधिकार, किशोरावस्था में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, तथा निर्णय लेने की क्षमता जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशलों की जानकारी दी गई। फुटबॉल खेल की विभिन्न गतिविधियों को लाइफ-स्किल ट्रेनिंग से जोड़कर किशोरियों में आत्मविश्वास, टीमवर्क और सकारात्मक सोच विकसित करने पर बल दिया गया। सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने बताया कि संस्था कसमार प्रखंड के दुर्गापुर, बगदा, खैराचातर, मंजूरा, पौंडा, सोनपुरा और टांगटोना पंचायतों के 30 गांवों में किशोरी एवं युवा महिला समूहों का गठन कर उनके नेतृत्व विकास पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा सरकारी योजनाओं से जोड़कर इन समूहों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास जारी है। सुरक्षित और जागरूक किशोरी बच्चों के भविष्य की नींव है। समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने कहा कि टांगटोना पंचायत में किशोरी एवं युवा महिला समूहों के साथ मिलकर जीवन कौशल एवं नेतृत्व क्षमता विकास का निरंतर कार्य कर रहा है। प्रशिक्षक प्रेम कुमार महतो ने किशोरावस्था में सही मार्गदर्शन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा–जीवन कौशल से किशोरियों में नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाती है। उन्होंने बाल विवाह के शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक दुष्प्रभावों पर भी विस्तार से चर्चा की। फुटबॉल प्रशिक्षक शिवानी किस्कू ने बताया कि फुटबॉल खेल किशोरियों में ऊर्जा, टीम भावना और आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा खेल के माध्यम से बच्चों को बाल अधिकार, जेंडर समानता और बाल संरक्षण की समझ देना अधिक प्रभावी होता है। इस कार्यक्रम में रेखा देवी, परी कुमारी, पद्मी कुमारी, डॉली कुमारी, मधु कुमारी, मनीषा कुमारी, आरती कुमारी, सोनिया परवीन, साना परवीन, जुबेदा खातून, रोशनी खातून, शहनाज खातून सहित कई किशोरियां और महिलाएं आदि उपस्थित रहीं।

भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में सुभाष चौक में सुमित कुमार ठाकुर को भव्य स्वागत किया गया

संवाददाता

रामगढ़: भारत विकास गोल्डेन चैंपियन का चैंपियन आईजीपी सन जूनियर कैडेट्स गोल्ड जीत 105 में 125 बेट मारकर पूरे भारत एवं झारखंड रामगढ़ जिला का नाम रोशन कर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले भुरकुंडा साफ्ट के सुमित कुमार ठाकुर का रविवार को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश ठाकुर के नेतृत्व में सुभाष चौक में सुमित कुमार ठाकुर को भव्य स्वागत एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सैकड़ों लोगों ने उनको बधाई शुभकामनाएं दी और साथ उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। श्री ठाकुर ने बताया कि सुमित कुमार ने रामगढ़ के साथ साथ झारखंड के नाम रोशन किया है। ऐसे ही होना युवाओं को राज्य सरकार और जिला प्रशासन के द्वारा प्रोत्साहन मिलना चाहिए झारखंड के युवा मेहनत में कोई कमी नहीं करते हैं लेकिन उनको राज्य सरकार के द्वारा किसी प्रकार का कोई पहल नहीं होने कारण से कोई न निराशा हो जाते हैं स्वागत करने वालों में सुजीत सोनकर मोती अग्रवाल धनेश्वर कुमार रिंकू कुमार अशोक कुमार दिनेश रविदास संजय कुमार आशुतोष कुमार राजेश कुमार गौतम कुमार आदि अनेक लोगों ने खिलाड़ी सुमित को स्वागत किया।

पतरातू स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के सहयोग से क्षेत्र के बच्चियों का हुआ कराटे ग्रेडेशन टेस्ट

संवाददाता

पतरातू: कराटे सीखने वाली पतरातू क्षेत्र की बच्चियों काफी मेहनती हैं, जो परिपक्व गुरु से प्रशिक्षण ले रही हैं, निश्चित रूप से वह विजेता बनेंगी मैं हर पल उनके साथ खड़ी हूं : बैसाखी गुहा (डायरेक्टर पतरातू स्कूल इकोनॉमिक्स) रसदाइंटरनेशनल कराटे ट्रेनिंग सेंटर में रविवार को क्षेत्र के 40 बच्चियों का कराटे ग्रेडेशन टेस्ट सेंसी विकास पाठक एवं सुमित्रा मैम की देखरेख में जूनियर टाइगर ली के द्वारा लिया गया। 3 घंटे की कड़ी अभ्यास के बाद, इन बच्चियों का ग्रेडेशन टेस्ट लिया गया। जिसमें बच्चियों ने सिखाए गए सारी टेक्निक्स की बारीकियों को अपने मास्टर्स के सामने दिखाए और टेस्ट में अपना पूरा दम खम झोंक दिया। कराटे ट्रेनिंग में आने वाले क्षेत्र की इन बच्चियों की सच्ची लगन और मेहनत से प्रभावित होकर पतरातू स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की डायरेक्टर बैसाखी गुहा ने कहा कि यह बच्चियां बहुत ही होनहार और मेहनती हैं। सेंसी विकास पाठक के द्वारा समय समय पर उनके उचित खानपान के लिए इनका मार्गदर्शन भी किया जाता है, जिससे इनका स्वास्थ्य हमेशा अच्छा रहता है। मैं इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती हूं, तथा आने वाले समय में इन बच्चियों को नेशनल व इंटरनेशनल चैंपियनशिप में भाग लेने हेतु अपने विद्यालय की ओर से हमेशा सहयोग करती रहूंगी। मुझे इन बच्चियों के भविष्य उज्जवल नजर आते हैं। क्योंकि एक परिपक्व गुरु सेंसी विकास पाठक के नेतृत्व में यह लगातार कराटे का प्रशिक्षण ले रही हैं। मुझे उम्मीद है कि किसी भी असामाजिक तत्व से यह बच्चियाँ खुद अपनी रक्षा कर सकती हैं और इसी चीज की लगातार ट्रेनिंग यह बच्चियों ले रही हैं। मैं ऐसी बच्चियों की मदद के लिए हमेशा इनके साथ खड़ी हूं। ग्रेडेशन टेस्ट के बाद बच्चियों के बीच सर्टिफिकेट का वितरण किया गया। बच्चियों ने एक स्वर में पतरातू स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि हमारे लिए इतना सोचने एवं करने के लिए हम इनका आभार व्यक्त करते हैं।

रोशन पाथवे टू डिग्निटी फाउंडेशन द्वारा महिला सशक्तीकरण सह स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

रामगढ़: रविवार को रोशन पाथवे टू डिग्निटी फाउंडेशन द्वारा महिलाओं एवं किशोरियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए महिला सशक्तीकरण सह स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत जरूरतमंद किशोरियों के बीच सैनेटरी पैड का वितरण किया गया तथा उन्हें मासिक स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन की टीम ने महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता, स्वास्थ्य सावधानियों, सुरक्षित पैड उपयोग एवं निपटान की जानकारी देने के साथ साथ महिलाओं के अधिकार, आत्मनिर्भरता एवं शिक्षा के महत्व पर भी जागरूक किया। टीम सदस्यों ने कहा कि स्वस्थ महिला ही सशक्त समाज की आधारशिला होती है, इसलिए स्वास्थ्य और सशक्तिकरण दोनों का संतुलन अत्यंत आवश्यक है। लाभार्थी महिलाओं ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम से उन्हें स्वच्छता के साथ साथ अपने अधिकारों और आत्मविश्वास के बारे में भी सीखने का अवसर मिला। फाउंडेशन के सचिव डॉ अशोक कुमार ने बताया कि संस्था का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल के माध्यम से मजबूत बनाना है। उन्होंने आगे भी ऐसे महिला सशक्तीकरण से जुड़े कार्यक्रम निरंतर चलाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ आशीष कुमार, नागेन्द्र महतो, विश्वजीत कुमार, राकेश कुमार, अनिल कुमार, नागेंद्र कुमार महतो, सोनम कुमारी, पुष्पा कुमारी, आंचल थापा आदि उपस्थित रहे।

स्व घनश्याम के अंतिम दाह- संस्कार दामोदर श्मशान घाट मे किया गया, सैंकड़ो हुए शामिल

संवाददाता

युवक का असामयिक निधन से मातम, गांव में शोक की लहर

रजरप्पा। चितरपुर प्रखंड के मारंग पंचायत निवासी घनश्याम महतो (उम्र 42 वर्ष) पिता राजकुमार महतो के पुत्र रामगढ़ बार एसोसिएशन में अधिवक्ता के साथ मे लिपिक के रूप मे कार्यरत थे। जिनका निधन 15 नवंबर शाम 2025 को अचानक तबियत बिगड़ी जिसे तुरंत बेहतर इलाज हेतु परिजन द्वारा रिम्स रांची लें जा रहे थे इसी क्रम मे देर रात लगभग रात्रि 9:00 बजे रास्ते मे ही हो गई थी युवा लड़के का अचानक निधन होने से गाँव मे पूरा मातम पसरा, शोक मे डूबे लोग। मृतक घनश्याम महतो बहुत ही मिलनसार और बहु प्रतिभा तथा सुशील स्वभाव के मृदुभाषी विचार के व्यक्ति थे लोगों से मिलते जुलते सामाजिक प्रवृत्ति के कुशल व्यवहार से प्रभावित रहे। मृतक अपने पिछे पत्नी ललिता देवी एक बेटी खुशबू कुमारी एवं एक बेटा उज्जवल कुमार तथा बुजुर्ग माता पिता सहित पूरे परिवार छोड़ गए। असमय मृत्यु होने से मृतक के परिजनों का रोरो कर बुरा हाल है पत्नी बच्चे छाती पीटकर दहाड़ मारके सदस्य लोग रो रहे थे। घनश्याम पिछले 12 वर्षों से रामगढ़ कोर्ट परिसर मे लिपिक के रूप मे दैनिक मजदूरी कर परिवार के भरण पोषण कर जीविकोपार्जन करते थे। मृतक के पार्थिव शरीर को 16 नवम्बर दोपहर दामोदर नदी श्मशान घाट पर अंतिम दाह संस्कार किया गया इकलौता पुत्र 14 वर्षीय उज्जवल कुमार ने पिता को चिता पर मुखाग्नि दिया, पार्थिव शरीर के अंतिम संस्कार मे कई शामिल हुए, जिसमे शंकर लाल प्रसाद, दिलीप महतो, पवन महतो, सतीश महतो निरंजन महतो, महेंद्र चौधरी, बिनोद बिहारी चौधरी, वरुण महतो महेश महतो शिबू महतो, प्रकाश महतो धना राम महतो, अधिवक्ता शिव नंदन महतो, संजय महतो गणेश महतो, तरुण महतो, बिनोद महतो, रंजीत महतो, नकुल महतो, राजेंद्र महतो लैलून महतो, रघु महतो सोहराय महतो, महेश महतो, डालचंद महतो प्रकाश महतो सहित भारी संख्या मे लोग अंतिम संस्कार मे शामिल हुए एवं शोक संवेदना व्यक्त किये।

गोल्डन जुबिली माइनिंग इनोवेशन कॉन्क्लेव 2025 के दूसरे दिन ज्ञान, नवाचार और अलुमनाइ भावना का स्वर्णिम समागम

संवाददाता

धनबाद : बीआईटी सिंदरी के खनन अभियांत्रिकी विभाग की स्वर्ण जयंती पर आयोजित गोल्डन जुबिली माइनिंग इनोवेशन कॉन्क्लेव 2025 दो दिनों तक उद्योग शिक्षा संवाद, शोध, तकनीकी नवाचार और पूर्व छात्रों की गौरवपूर्ण सहभागिता का सशक्त मंच बना। बीसीसीएल, एनसीएल, सीसीएल, जिंदल पावर लिमिटेड, डीजीएमएस, डब्ल्यूसीएल, ईसीएल, शाह प्रोजेक्ट्स, एमसीएल, हिंडाल्को, एनएलसी इंडिया लिमिटेड तथा तकनीकी सहयोगी डेक्समिन सहित कई प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम ने 50 वर्षों की विभागीय विरासत को नई ऊर्जा प्रदान की। पहले दिन की शुरुआत विभागाध्यक्ष प्रो. पी. के. सिंह के स्वागत संबोधन और निदेशक प्रो. पंकज राय के प्रेरक वक्तव्य से हुई, जिन्होंने खनन शिक्षा को बदलती तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप अद्यतन करने पर बल दिया। मुख्य वक्ताओं प्रो. संजय कुमार शर्मा (आईआईटी बीएचयू), प्रो. डी. सी. पाणिग्रही (पूर्व निदेशक, आईआईटी आईएसएम धनबाद) और प्रो. (डॉ.) घनश्याम जी ने बीआईटी सिंदरी की शैक्षणिक संस्कृति, अनुशासन और नवाचार की भावना की सराहना करते हुए संस्थान के राष्ट्रीय योगदान को रेखांकित किया। विशिष्ट अतिथि एस. पी. सिंह, निदेशक (तकनीकी) ऑपरेशंस, एनसीएल, ने अपने छात्र यात्रा साझा करते हुए विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और उद्योग के व्यापक अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद प्रदर्शनी स्टॉलों का उद्घाटन हुआ, जहां आधुनिक खनन तकनीकों और डिजिटल समाधानों का आकर्षक प्रदर्शन किया गया, जिसे बिरसा मुंडा उद्घाटन समारोह और दामोदर वैली मेमोरियल कॉलेज लेक्चर ने और अधिक ज्ञानवर्धक बना दिया। दूसरे दिन कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिनिधियों और पूर्व छात्रों के स्वागत एवं पंजीकरण से हुई, जिसके बाद प्रतिभागियों ने विभाग और प्रयोगशालाओं का अवलोकन करते हुए विभाग की 50 वर्षों की तकनीकी प्रगति और शोध क्षमताओं का प्रत्यक्ष अनुभव किया। दिन का सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण पैनल डिस्कशन–III रहा, जिसका विषय था 'उत्तरदायी खनन के लिए नीति एवं विनियामक सुधार'। इस सत्र का संचालन डॉ. जे. के. पांडे (पूर्व मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर सीआईएमएफआर) ने किया, जिसमें प्रो. पी. एस. पॉल (आईआईटी आईएसएम धनबाद), राहुल कुमार गुप्ता (डीजीएमएस), डॉ. विवेक कुमार हिमांशु (सीएसआईआर सीआईएमएफआर) और मिथुन किशोर (बीसीसीएल) ने सतत्‌ भागी बनकर जिम्मेदार खनन, नियामकीय ढांचे के आधुनिकीकरण और सतत विकास की चुनौतियों एवं संभावनाओं पर गहन विचार विमर्श किया। इसके पश्चात आयोजित तकनीकी शोध पत्र प्रस्तुति सत्र में डॉ. संजय कुमार राय की अध्यक्षता और प्रो. राजेन्द्र मुर्मू की सह अध्यक्षता में सुनील प्रसाद सिंह एवं ओम प्रकाश झा द्वारा कोयला खनन उद्योग में पर्यावरण प्रबंधनः चुनौतियां एवं समाधान तथा श्री गोपाल दास द्वारा झारखंड में मिनरल एडमिनिस्ट्रेशन विषयक महत्वपूर्ण शोध प्रस्तुत किए गए, जो प्रतिभागियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक सिद्ध हुए। इसके बाद हुए इक्विप्मेंट शोकेस–II में कॉमनेक्टो ने स्मार्ट माइनिंग, डिजिटल मॉनिटरिंग और सुरक्षा आधारित उन्नत तकनीकी समाधानों की प्रभावशाली प्रस्तुति दी, जिसने इंडस्ट्री अकादमी दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। दोपहर बाद आयोजित 'रैंडजवस ट्रस्ट' अलुमनाइ सेलिब्रेशन ने भावनाओं, अनुभवों और यादों का जीवंत समागम प्रस्तुत किया, जहां विभिन्न बैचों के पूर्व छात्र आपस में जुड़े और विभाग की आधी सदी की गौरवगाथा को याद करते हुए अपने अनुभव साझा किए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों नृत्य, गायन और नाट्य ने कार्यक्रम को उत्सवपूर्ण और यादगार बना दिया। समापन सत्र में निदेशक प्रो. पंकज राय ने मंच पर आकर सभी अतिथियों, उद्योग सहयोगियों और प्रतिभागियों के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए विभाग की प्रगति यात्रा में सामूहिक योगदान के महत्व को रेखांकित किया। इसके उपरांत विभागाध्यक्ष प्रो. पी. के. सिंह ने अंतिम धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और खनन क्षेत्र में नवाचार, शोध एवं सहयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस प्रकार स्वर्ण जयंती वर्ष का यह दो दिवसीय आयोजन ज्ञान, परंपरा और तकनीकी प्रगति का स्वर्णिम प्रतीक बनकर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

स्ट्राइक रेट के मामले में मांझी ने चिराग को पछाड़ा, बीजेपी रही सबसे आगे

पटनाः बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों में एनडीए गठबंधन ने प्रचंड जीत दर्ज की है। इस बार गठबंधन के सभी प्रमुख दलों ने 80 फीसदी से अधिक का शानदार स्ट्राइक रेट हासिल किया। लोकसभा चुनाव में 100% स्ट्राइक रेट का हवाला देकर टिकट की दावेदारी करने वाले चिराग पासवान इस चुनाव में मांझी की पार्टी से पीछे रह गए। स्ट्राइक रेट के मामले में बीजेपी सबसे आगे रही, जबकि चिराग पासवान की लोजपा (रामविलास) एनडीए में चौथे स्थान पर रही। वहीं, महागठबंधन और अन्य दलों का प्रदर्शन उम्मीद से काफी कमजोर रहा। RJD और कांग्रेस का स्ट्राइक रेट 20 फीसदी से भी नीचे रहा। आइए जानते हैं—बिहार चुनाव में किस पार्टी ने कितना स्ट्राइक रेट दर्ज किया। एनडीए ब्लॉक की सफलता का मुख्य कारण उनका बेहतरीन सीट चयन और उच्च जीत दर (स्ट्राइक रेट) रहा। बीजेपी और जेडीयू ने मिलकर गठबंधन की बड़ी जीत सुनिश्चित की एनडीए ब्लॉक की सफलता का मुख्य कारण उनका बेहतरीन सीट चयन और उच्च जीत दर (स्ट्राइक रेट) रहा। बीजेपी और जेडीयू ने मिलकर गठबंधन की बड़ी जीत सुनिश्चित की। बिहार एनडीए में 89 सीट जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनने वाली बीजेपी की स्ट्राइक रेट सबसे शानदार रहा। चुनाव आयोग के मुताबिक, बिहार में बीजेपी का 88.12 प्रतिशत का स्ट्राइक रेट दर्ज किया। बीजेपी की ये स्ट्राइक रेट बताता है।

100 में से 80 प्रत्याशियों की जमानत जब्त

मधुबनी (एजेंसी) : मधुबनी जिले में विधानसभा चुनाव की मतगणना पूरी होने के बाद एक चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है। जिले की 10 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने वाले 100 प्रत्याशियों में से 80 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। इसका मुख्य कारण इस बार रिकॉर्ड स्तर का मतदान प्रतिशत रहा, जिसके चलते जमानत बचाने के लिए आवश्यक न्यूनतम वोटों की संख्या बढ़ गई। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार किसी भी प्रत्याशी को अपनी जमानत बचाने के लिए, कुल वैध मतों के छठे भाग से अधिक वोट प्राप्त करना अनिवार्य होता है। उदाहरण के लिए यदि किसी विधानसभा सीट पर एक लाख वैध वोट पड़े हैं, तो उम्मीदवार को कम से कम 16,666 से अधिक मत हासिल करने होते हैं। इस बार मधुबनी जिले की सीटों पर मतदान प्रतिशत काफी अधिक रहा, जिसके कारण जमानत बचाने की यह सीमा भी बढ़ गई। आंकड़ों के अनुसार, विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशियों को 28 हजार से लेकर 40 हजार तक वोट।

वोट देकर 78 लाख लोग बाहर कमाने गए

पटना (एजेंसी) : 'हम लोगों को सरकार बिहार में ही रोजगार दे... घर छोड़कर बाहर जाना पड़ता है, बहुत दिक्कत होती है। रास्ते में जाते-जाते आदमी रोते रहता है। बीवी, बाल-बच्चा, मां-बाप से अलग रहना पड़ता है। आंखों में आंसू लिए यह दर्द दो प्रवासी मजदूर अमरजीत कुमार कामत और रघुनंदन ने भास्कर से बयां किया। चुनाव खत्म होने के बाद दोनों सुपौल से गोवा कमाने जा रहे थे। उन्होंने आगे बताया, 'ट्रेनों में बहुत भीड़ है, हफ्ते में एक ट्रेन है, इसमें ठूंस-ठूंसकर सभी जा रहे। वोट लेने वक्त ट्रेनें फ्री हो जाती हैं, एक्स्ट्रा ट्रेनें भी चला दी जाती हैं। चुनाव खत्म, सब सुविधा भी खत्म। छठ महापर्व को लेकर बिहार आए प्रवासियों का वापस बाहर जाने का सिलसिला जारी है। छठ के अगले दिन से अब तक करीब 78 लाख लोग बिहार से वापस बाहर जा चुके हैं। उत्तर बिहार और सीमांचल के स्टेशनों से 15 दिनों में अब तक करीब 30 लाख बाहर जा चुके हैं। इसका मतलब हर दिन औसतन उत्तर बिहार और सीमांचल से 2 लाख से अधिक यात्री बाहर जा रहे हैं। जबकि पूरे बिहार से औसतन 6 लाख यात्री ट्रेनों में चढ़ रहे हैं। प्रवासी मजदूर रघुनंदन ने कहा, 'सरकार बदलने आए थे, लेकिन सरकार फिर से नीतीश कुमार की ही बन गई। उम्मीद थी कि नई सरकार बनेगी।

दो बाइक की आमने सामने की टक्कर में बुजुर्ग की मौत

भागलपुर (एजेंसी) : जिले के बरारी थाना क्षेत्र के जिलाधिकारी आवास के समीप रविवार को सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान गोराडीह थाना क्षेत्र के फतेहपुर निवासी शिव शक्ति सिंह के तौर पर हुई है। मृतक मायागंज अस्पताल में भर्ती अपनी पत्नी को मोटरसाइकिल से खाना देने आ रहे थे। बताया जा रहा है कि विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शिव शक्ति सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत मायागंज अस्पताल पहुंचाया गया।

हॉस्टल में 7 साल के बच्चे की गला रेतकर हत्या

पटना (एजेंसी) : वैशाली में प्राइवेट हॉस्टल में 7 साल के बच्चे की गला रेतकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद हॉस्टल के बाहर लोगों की भीड़ जुट गई। करीब 200 की संख्या में पहुंचे स्थानीय लोगों ने हॉस्टल के बाहर पत्थरबाजी और तोड़फोड़ की। हॉस्टल में घुसने के लिए खिड़की तोड़ने लगे। साथ ही सड़क पर खड़ी गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई। घटना की सूचना मिलने के 1 घंटे बाद मौके पर 2 और थाने की पुलिस पहुंची। पुलिस टीम ने लोगों को समझाने की कोशिश की, लेकिन लोग समझाने को तैयार नहीं थे। इसके बाद पुलिस ने लोगों को खदेड़ना शुरू कर दिया। इससे आक्रोशित लोगों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। मृतक की पहचान बेलसर ओपी क्षेत्र के कल्याणपुर गांव निवासी रामशंकर ठाकुर के बेटे अर्जुन ठाकुर(7) के रूप में हुई है। घटना वैशाली थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव के ज्ञान निकेतन स्कूल के हॉस्टल की है। एसडीपीओ गोपाल मंडल ने बताया, 'अर्जुन ठाकुर 5 महीने से हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करता था। रविवार को एक बच्चे का शव कमरे में खून से लथपथ मिलने की सूचना मिली। बच्चे के शरीर पर कई जगह चोट के निशान हैं। इसके साथ ही गला रेता गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस हॉस्टल में घुसी।

पुलिस से मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी घायल

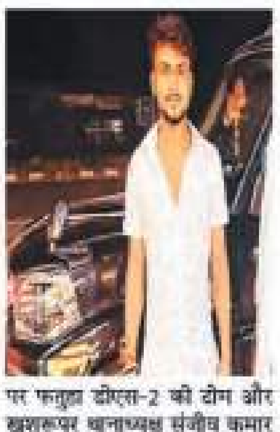

पटना (एजेंसी) : खुसरूपुर थाना क्षेत्र के हरदास बीघा स्टेशन रोड पर मंगलवार देर शाम पुलिस और 25 हजार के इनामी कुख्यात अपराधी मिथुन कुमार के बीच मुठभेड़ हुई। सलीमपुर थाना क्षेत्र के मझौली गांव निवासी मिथुन मुठभेड़ में घायल हो गया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। वह कई संगीन मामलों में वांछित था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मिथुन अपने साथियों के साथ हरदास बीघा स्टेशन के पास किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। इस सूचना पर नवीन पुलिस अधिकारी के निर्देश पर फतुहा डीएसपी-2 की टीम और खुसरूपुर थानाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी कर मिथुन को पकड़ने का प्रयास किया। खुद को घिरा देखकर मिथुन कुमार ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में मिथुन के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया। घायल मिथुन को प्राथमिक उपचार के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए पटना एनएमसीएच रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मौके से 7.65 बोर की पिस्टल, मैगजीन और कई जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

अमर ज्योति फाइनेंस ठगी निदेशक और भांजा फरार

बरेली (एजेंसी) : अमर ज्योति फाइनेंस कंपनी के करोड़ों रुपये की ठगी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। कंपनी के निदेशक सूर्यकांत मौर्य और शशिकांत मौर्य के साथ उनका भांजा अनूप मौर्य भी फरार हो गया है। तीनों के गायब होने के बाद निवेशकों का सब्र टूट गया और रविवार सुबह भारी संख्या में कोतवाली पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। अमर ज्योति फाइनेंस की सह कंपनी अमर ज्योति रुहेलखंड निधि लिमिटेड के निदेशक सूर्यकांत और शशिकांत मौर्य कटरा चांद खां के रहने वाले हैं, जबकि अनूप मौर्य बाम ब्रिगटान क्षेत्र का निवासी है। अनूप ने ही इलाके के कई लोगों को ऊंचे ब्याज और सुरक्षित निवेश का झांसा देकर लाखों रुपये कंपनी में जमा कराए थे। उधर, कंपनी के ऑफिस पर ताले लटक रहे हैं और तीनों आरोपित फरार हैं। रविवार को अपनी जमा पूंजी डूबने से परेशान निवेशक पहले अनूप के घर पहुंचे, लेकिन परिजनों ने उल्टा उन्हें धमकाया। इससे आक्रोशित लोग सीधे कोतवाली जा पहुंचे। कृष्णा मौर्य सहित कई पीड़ितों ने कोतवाल सुरेश चंद्र गौतम को तहरीर देकर आरोप लगाया कि निदेशक और उनका भांजा अनूप मिलकर लोगों की मेहनत की कमाई लेकर गायब हो गए हैं। पीड़ित महिलाओं ने भी धमकाए जाने की शिकायत की। कोतवाल ने पीड़ितों को आश्वासन दिया।

राजनीति से संन्यास लेंगे प्रशांत किशोर, पटना में लगा पोस्टर

पटना (एजेंसी) : बिहार विधानसभा चुनाव नतीजे के बाद जनसुराज पार्टी का आंकड़ा शून्य आने पर सवाल खड़े हो रहे वहीं अब प्रशांत किशोर पर राजनीति का संन्यास लेने की बात कही जाने लगी है। आज पटना के चौक चौराहों पर लगे पोस्टर में पीके के संन्यास लेने की बात कही गई है। नारी शक्ति के द्वारा लगाए गए पोस्टर में प्रशांत किशोर की तस्वीर के साथ लिखा गया है कि चुनाव में जदयू को 25 से ज्यादा सीट आने पर प्रशांत किशोर ने राजनीति से लिया संन्यास। यह पोस्टर पटना के हर चौक चौराहों पर लगाई गई है।प्रशांत किशोर ने एक इंटरव्यू के दौरान चुनावी नतीजे का दावा करते हुए कहा था कि इस चुनाव में जदयू को 25 से ज्यादा सीटें नहीं आएगी। अगर 25 से ज्यादा सीटें आ गई तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे।अब जब जदयू बिहार में 85 सीट लाने और प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने वाली है ऐसे में अब प्रशांत किशोर के वादे को याद दिलाया जा रहा है। माना जा रहा है कि जदयू के महिला मोर्चा के द्वारा यह बात याद दिलाई जा रही है प्रशांत किशोर राजनीति से संन्यास ले रहे हैं। नतीजों के बाद अब तक प्रशांत किशोर ने अपने संन्यास वाले बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। जब से नतीजे आए हैं उसके बाद प्रशांत किशोर ने मीडिया के बीच आकर अब तक कोई सफाई नहीं दी है। चुनाव के बाद हुए करारी हार और संन्यास के बातों पर प्रशांत किशोर अबतक चुप्पी साधे हुए है। प्रशांत किशोर की चुप्पी राजनीतिक विश्लेषक की भूमिका से नेता बनने की कोशिश का यह सबसे बड़ा झटका है। बिहार विधानसभा चुनाव के ताजा नतीजों ने राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव ला दिया।

मालगाड़ी का पहिया पटरी से उतरा, टला बड़ा हादसा

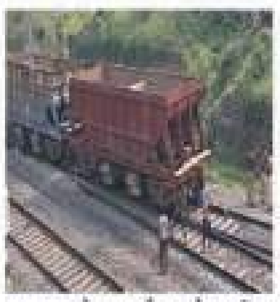

भागलपुर (एजेंसी) : जिले के पीरपैंती रेलवे स्टेशन से महज 50 मीटर की दूरी पर रविवार एक बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया, जब प्लेटफॉर्म संख्या 2 से मालगोदाम की ओर जा रही गिट्टी लदी मालगाड़ी की एक बोगी का दो पहिया अचानक पटरी से उतर गया। घटना के बाद स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों और स्थानीय लोगों की सूचना पर रेलवे की तकनीकी टीम तुरंत मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। बताया जा रहा है कि मालगाड़ी मिर्जाचौकी से निकलकर कहलगांव की ओर जा रही थी। जैसे ही ट्रेन ओवरब्रिज के पास पहुंची, एक बोगी का पहिया ट्रैक से नीचे उतर गया। दुर्घटना के कारण कुछ देर तक रेल संचालन प्रभावित रहा। मौके पर पहुंची तकनीकी टीम ने ट्रैक की जांच की और करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बोगी के पहिये को दोबारा पटरी पर चढ़ाया गया। इसके बाद ट्रैक को सुरक्षित घोषित किया गया। घटना के कारणों को लेकर रेलवे अधिकारी स्पष्ट रूप से कुछ भी बोलने से बचते रहे। मालदा मुख्यालय को हादसे की सूचना दे दी गई है और मामले की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। वहीं स्टेशन प्रबंधक अजय कुमार से कई बार फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने न कॉल रिसीव किया और न ही किसी प्रकार की जानकारी देने के लिए प्रतिक्रिया दी।

पान दुकानदार की हत्या

समस्तीपुर (एजेंसी) समस्तीपुर में शनिवार देर रात बदमाशों ने पान दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी। एक बुलेट गर्दन में लगी है। मृतक की पहचान रंजीत सहनी के पुत्र अरविंद कुमार सहनी(30) के तौर पर हुई है। अपने घर के सामने ही पान की दुकान चलाता था। मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घटना खानपुर थाना क्षेत्र के मनवाड़ा वार्ड नंबर-10 की है। मृतक के भाई परविंदर सहनी ने बताया कि अपने कमरे में पढ़ाई कर रहा था। इस बीच मां शोर मचाने लगी कि अरविंद को गोली लग गई है। तुरंत मौके पर पहुंचा। भाई को अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। किससे दुश्मनी थी, क्यों गोली मारी गई है। इसका मुझे नहीं पता है। मैं दरभंगा में पढ़ाई करता हूं। वहीं, ग्रामीणों का कहना है।

कारोबार

कॉरपोरेट और म्यूनिसिपल बॉन्ड में निवेश बढ़ा रहे हैं ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने म्युनिसिपल और कॉरपोरेट बॉन्ड्स की खरीद जारी रखी है। इसमें उनके प्रशासन की नीतियों से प्रभावित कंपनियों के बॉन्ड भी शामिल हैं। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, अमेरिकी सरकारी नैतिकता कार्यालय की ओर से शनिवार को जारी किए गए नए खुलासे बताते हैं कि ट्रंप ने कम से कम 8.2 करोड़ डॉलर की खरीदारी की है। इसमें नेटफ्लिक्स इंक, यूनाइटेडहेल्थ ग्रुप इंक, बोइंग कंपनी, मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक, होम डिपो इंक, ब्रॉडकॉम इंक और इंटेल कॉर्प के बॉन्ड शामिल हैं। ट्रंप ने अमेरिकी शहरों और स्थानीय स्कूल जिलों, यूटिलिटीज और अस्पतालों से भी म्युनिसिपल बॉन्ड खरीदे। ये खुलासे 17 अक्टूबर और 20 अक्टूबर की तारीख के थे। ट्रंप ने अपनी संपत्ति का विनिवेश नहीं किया है, न ही किसी स्वतंत्र पर्यवेक्षक के अधीन किसी ब्लाइंड ट्रस्ट में उन्हें ट्रांसफर किया है। उनके विशाल व्यापारिक साम्राज्य को उनके दो बेटे मैनेज करते हैं। इंटेल के मामले में, ट्रंप ने अगस्त में एक समझौता किया था। इसके तहत अमेरिकी सरकार को कंपनी में लगभग 10% हिस्सेदारी मिली है। प्रशासन ने कहा कि यह एक असामान्य बाजार हस्तक्षेप था, जिसकी घरेलू चिप निर्माण की सुरक्षा के लिए जरूरत थी। इंटेल का कहना है कि अमेरिकी सरकार के पास कोई बोर्ड सीट या गवर्नेंस या सूचना अधिकार नहीं होंगे। भारत संग व्यापार समझौता करने के बेहद करीब डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि अमेरिका, भारत के साथ व्यापार समझौते पर पहुंचने के काफी करीब है। ट्रंप ने यह भी कहा है कि वह भारत पर लगाए गए टैरिफ को कम कर देंगे। ट्रंप ने कहा है, ''हम भारत के साथ एक समझौता कर रहे हैं, यह पहले की तुलना में बहुत अलग है। इसलिए अभी वे मुझे पसंद नहीं करते लेकिन वे हमें फिर से पसंद करेंगे।'' ट्रंप ने भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक सुरक्षा साझेदार बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अमेरिका के शानदार संबंध हैं।

टॉप 10 की 8 कंपनियों का मार्केट कैप 2 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी) : घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण बीएसई की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदे में भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। दूसरी ओर टॉप 10 कंपनियों में से 2 कंपनियों के मार्केट कैप में 39 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 2,05,185.08 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 39,414.06 करोड़ रुपये की कमी हो गई। 10 से 14 नवंबर के बीच हुए।

अगले सप्ताह खुलेंगे 2 नए आईपीओ 7 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली (एजेंसी) : सोमवार यानी 17 नवंबर से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट की हलचल तुलनात्मक रूप से ठंडी रहने वाली है। इस सप्ताह सिर्फ 2 कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से 1 आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि दूसरा आईपीओ एसएमई सेगमेंट का है। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुए दो कंपनियों के आईपीओ में भी 17 और 18 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो सात कंपनियों के शेयर इस सप्ताह लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 19 नवंबर को गैलार्ड स्टील का 37.50 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 21 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 142 रुपये से लेकर 150 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 25 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 24 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा।

10,000 रुपये की बचत अपने बच्चों के लिए बनाएं 43 लाख रुपये का फंड

नई दिल्ली (एजेंसी) : पैसों को एक अच्छी स्कीम में निवेश करना हर व्यक्ति के लिए जरूरी होता है. हर व्यक्ति को अपनी मंथली इनकम का कुछ हिस्सा एक अच्छी स्कीम में निवेश जरूर करना चाहिए, जिससे वह अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित कर सके. ऐसी कई स्कीम और योजनाएं हैं, जहां आप अपने पैसों को सुरक्षित निवेश कर सकते हैं और लाखों का रिटर्न पा सकते हैं. आज हम आपको दो ऐसी स्कीम के बारे में बताएंगे, जिसमें आप हर महीने केवल 10,000 रुपये निवेश कर पूरे 43 लाख रुपये से ज्यादा का फंड बना है।

जोरदार गिरावट, सोना और चांदी के घटे भाव - उतार-चढ़ाव के बीच एक सप्ताह में 3,060 रुपये तक महंगा हुआ सोना

नई दिल्ली (एजेंसी) : घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी के भाव में जोरदार गिरावट नजर आ रही है। सोना आज 1,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,950 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी 4,200 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,25,080 रुपये से लेकर 1,25,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,14,650 रुपये से लेकर 1,14,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,69,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो आज की गिरावट के बावजूद सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान मजबूती का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 3,060 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 2,800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी इस सप्ताह जबरदस्त तेजी आई है। इस सप्ताह के कारोबार में ये चमकीली धातु पिछले सप्ताह की तुलना में 16,500 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,25,230 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

संक्षिप्त समाचार

गन्ना संस्थान के अधिकारियों को भेजा ई मेल, मांगी विभागीय सूचनाएं

लखनऊ , एजेंसी। साइबर जालसाज ने फर्जी आईडी के जरिये गन्ना संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों को ई मेल भेजकर विभागीय सूचनाएं मांगी। मामले की जानकारी होने पर उप गन्ना आयुक्त सांख्यिकी राम नरेश यादव ने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई है।

डीएम साहब, नेत्रहीन हूं और मेरी जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं रिश्तेदार, शादी करा दो..., वारिस चाहिए

मेरठ , एजेंसी। थानाभवन क्षेत्र के गांव सितारसी निवासी एक नेत्रहीन अधेड़ ने जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान से मुलाकात कर अपनी सुरक्षा और जल्द शादी कराने की गुहार लगाई है। नेत्रहीन व्यक्ति ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह गांव में अकेला रहता है और दृष्टिहीन होने के कारण स्वयं अपना भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं है। इस बीच उसके परिवार के कुछ सदस्य उसकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। विरोध करने पर उसे कई बार जान से मारने की धमकी भी दी जा चुकी है। आरोप है कि लगातार मिल रही धमकियों से वह भयभीत है। ऐसे में उसने जिलाधिकारी से कहा कि उसकी शादी कराई जाए, जिससे उसे सहारा मिल सके और भविष्य सुरक्षित हो सके। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए समाज कल्याण विभाग और संबंधित एसडीएम को नेत्रहीन अधेड़ की तत्काल मदद करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने को भी कहा गया है।

मलिहाबाद की तत्कालीन तहसीलदार पर धन उगाही का आरोप, केस दर्ज

मलिहाबाद , एजेंसी। मलिहाबाद तहसील में तैनात रहीं तहसीलदार वंदना कुशवाहा और एक लेखपाल सहित छह लोगों पर धोखाधड़ी, फर्जी तरीके से जमीन हड़पने व धन उगाही का केस दर्ज किया गया है। एफआईआर डीसीपी उत्तरी गोपाल कृष्ण चौधरी के आदेश पर हुई है। गोमतीनगर विस्तार निवासी अभिमन्यु कुमार सिंह का आरोप है कि ग्राम बिशुनपुर की भूमि संख्या 93 की लगभग 16 बिस्वा जमीन आंट गढ़ी सौरा निवासी अहमद अली से 30 जुलाई 2014 को खरीदी थी, जिसका आदेश नायब तहसीलदार माल के न्यायालय में 13 अगस्त 2018 को हुआ था। लगभग 10 वर्षों के बाद कूटरचित दस्तावेज तैयार कर आरोपी अहमद अली ने दोबारा उस भूमि का एक बटा दो भाग अहमदपुर गांव निवासी सुमित्रा को बेचते हुए बैनामा कर दिया। इसमें उसी गांव की शकी निशा व अहमदपुर गांव के कृष्ण कुमार गवाह हैं। आरोप है कि उक्त आरोपियों सहित तत्कालीन बिशुनपुर के लेखपाल व तत्कालीन तहसीलदार वंदना कुशवाहा ने धन उगाही करते हुए 15 फरवरी 2024 को अपने न्यायालय से जमीन का दाखिल खारिज कर दिया। अभिमन्यु कुमार सिंह ने डीसीपी उत्तरी को प्रार्थना पत्र दिया था, जिस पर मलिहाबाद पुलिस ने वंदना कुशवाहा, लेखपाल, अहमद अली, सुमित्रा, कृष्ण कुमार और शकी निशा पर केस दर्ज किया गया है। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि तफ्तीश कर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

आरिफ के मोबाइल के डिलीट मैसेज खोल सकते हैं कई राज, सूटकेश और बैग कर रखे थे पैक, शहर छोड़ने की थी तैयारी

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में डॉ. शाहीन के करीबी कार्डियोलॉजी के डॉ. आरिफ का लैपटॉप और आईफोन से कई राज खुल सकते हैं। दिल्ली में हुए धमाके के बाद जांच एजेंसियां डॉ. आरिफ को दिल्ली ले गई हैं। उसके मोबाइल और लैपटॉप को भी वह अपने साथ ले गई हैं। सुरक्षा एजेंसियां डॉ. आरिफ के मोबाइल और लैपटॉप की फॉरेंसिक जांच करा रही हैं। चैट हिस्ट्री, फोटो, ईमेल और डिजिटल डॉक्यूमेंट की जांच के दौरान एजेंसियों को कई अहम सुराग मिले हैं। कई मैसेज डिलीट किए गए थे, जिन्हें रिकवर कराया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, मूल रूप से जम्मू के अनंतनाग का रहने वाला डॉ. आरिफ के पास एक आईफोन और एक की-पैड फोन मिला था। आरिफ की कॉल डिटेल्स में कुछ मोबाइल नंबर पर उसने कई बार और काफी देर तक बात की है। इसमें से कई डॉक्टर और कई जम्मू के रहने वाले लोग हैं। डॉ. शाहीन की गिरफ्तारी के बाद डॉ. आरिफ को भी अंदेशा हो गया था कि जल्द ही सुरक्षा एजेंसियां उस तक पहुंच सकती हैं। ऐसे में उसने शहर छोड़कर भागने की तैयारी कर ली थी। एनआईए ने डॉ. आरिफ को दबोचा तब अशोकनगर स्थित उसके किराये के मकान में सूटकेश और बैग पैक रखे थे।

चारबाग के होटल पर एटीएस का छापा, कुछ दिन पहले ठहरे थे डॉ. शाहीन के करीबी, खंगाले गए कैमरे

लखनऊ , एजेंसी। एटीएस ने शनिवार को चारबाग के एक होटल पर छापा मारा। आतंकी गतिविधियों में गिरफ्तार डॉ. शाहीन के करीबी कुछ दिन पहले यहां ठहरे थे। एटीएस ने कर्मचारियों से इनकी जानकारी लेने के साथ होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले। छानबीन की जा रही है कि होटल में रुकने वालों ने पहचान पत्र दिए थे या नहीं।

सूत्रों का कहना है कि शाहीन ने ही होटल में इनके ठहरने का इंतजाम किया था। जांच एजेंसियां पता लगा रही हैं कि होटल में रुकने वाले कहां से आए थे? अब तक यह पता नहीं चल सका है कि शाहीन के करीबी होटल में कितने दिन तक ठहरे थे।

पड़ताल में सामने आया है कि शाहीन के स्थायी पते में पिता सईद के खंदारी बाजार स्थित आवास का जिक्र नहीं है। उसने सभी दस्तावेज में भाई परवेज के घर का पता लिखा है। एटीएस इस दिशा में भी पड़ताल कर रही है कि शाहीन ने ऐसा क्यों किया? उसके थाईलैंड जाने की बात भी सामने आई है।

सूत्रों के मुताबिक दो माह पहले लखनऊ आने के बाद शाहीन ने परवेज से मुलाकात की थी। इसके बाद उसे लेकर कानपुर गई, लेकिन बच्चों से मुलाकात नहीं की थी। एटीएस शाहीन और परवेज के कानपुर जाने का कारण भी पता लगा रही है। पूरे मामले में परवेज का कनेक्शन खंगाला जा रहा है।

रात में ड्यूटी करता था परवेज

छानबीन में सामने आया है कि इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में ड्यूटी के दौरान परवेज ने शुरू के कुछ वर्ष लगातार नाइट ड्यूटी की। उसके ड्यूटी चार्ट से एटीएस को यह जानकारी मिली है।

माना जा रहा है कि वह दिन में संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त रहता था। परवेज के घर से मिले मोबाइल फोन, हार्ड डिस्क को डिकोड करने के लिए एटीएस केंद्रीय एजेंसियों से भी सहयोग ले रही है। परवेज ने जुलाई 2021 में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में बतौर रेजिडेंट डॉक्टर जॉइन किया था। इस दौरान एक वर्ष में ज्यादातर रात की शिफ्ट में ही काम किया था। पता लगाया जा रहा है कि यह एक संयोग था या साजिश।

मालदीव में तीन वर्ष रहा था परवेज

जांच एजेंसियों की पड़ताल में सामने आया है कि परवेज तीन वर्ष तक मालदीव में रहा। एजेंसियों को संदेह है कि इसी दौरान वह कट्टरपंथियों के संपर्क में आया। एटीएस परवेज के मालदीव दौरे और वहां उसके करीबियों का पता लगा रही है। जानकारी जुटाई जा रही है कि परवेज के विदेशी दौरे का कारण क्या था?

दुबई के मनोचिकित्सक की मिली भूमिका

जांच एजेंसियों का कहना है कि दुबई से मनोचिकित्सक डॉ. मुजफ्फर राथर पूरे माड्यूल को संचालित कर रहा था। वह सहारनपुर से गिरफ्तार डॉ. आदिल का बड़ा भाई है, जो पांच वर्ष से दुबई में है। डॉ. मुजफ्फर को यूपी में सक्रिय स्लीपर सेल का मुखिया माना जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि मुजफ्फर के कहने पर ही डॉक्टरों का गिरोह सक्रिय किया गया। जम्मू कश्मीर पुलिस ने उसके खिलाफ रेड कार्नर नोटिस जारी किया है।

19-20 को चार ट्रेनें रहेंगी निरस्त, शताब्दी सहित छह ट्रेनों का संचालन भी होगा बाधित

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के कानपुर सेंट्रल-लखनऊ रेलखंड पर स्थित जैतीपुर-हरौनी में 19 नवंबर को सुबह 10 से शाम साढ़े पांच बजे तक डाउनलाइन शिफ्टिंग का काम होगा। इस कारण चार ट्रेनें निरस्त रहेंगी, जबकि शताब्दी सहित छह ट्रेनों का संचालन बाधित रहेगा।

सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि 11109 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-लखनऊ जं. इंटरसिटी एक्सप्रेस, 51813/14 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-लखनऊ जं. पैसेंजर 19 नवंबर को निरस्त रहेगी। वहीं, 11110 लखनऊ जं.-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी इंटरसिटी एक्सप्रेस 20 नवंबर को निरस्त रहेगी।

इसी क्रम में 64212 कानपुर सेंट्रल-लखनऊ मेमू अपने निर्धारित समय दोपहर 12:20 के स्थान पर शाम 4:50 बजे कानपुर सेंट्रल से चलेगी। 18 नवंबर को 12173 एलटीटी मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग उन्नाव, डलमऊ जंक्शन, ऊंचाहार, रायबरेली के रास्ते, 12103 पुणे-लखनऊ जं. एक्सप्रेस, 15066 पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस, 19 नवंबर को 12180 आगरा फोर्ट-लखनऊ इंटरसिटी और 12004 नई -लखनऊ जं. शताब्दी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग उन्नाव, माखी, बालामऊ, लखनऊ जं. के रास्ते चलाई जाएंगी।

कानपुर एक्सप्रेसवे पर एलईडी स्क्रीन लगा रही क्रेन पलटी, बड़ा हादसा बचा

लखनऊ , एजेंसी। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे एलिवेटेड रोड पर शनिवार को एलईडी स्क्रीन लगाने के दौरान बड़ा हादसा होते-होते बच गया। साइकिल नहर चौराहे के पास क्रेन असंतुलित होकर एलईडी स्क्रीन के साथ पलट गई। गनीमत रही कि घटना के समय यातायात रोक दिया गया था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। घटना सुबह करीब नौ बजे हुई, जब एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रही पीएनसी कंपनी के कर्मचारी भारी-भरकम एलईडी स्क्रीन और लोहे के एंगल युक्त गेट को क्रेन की मदद से स्थापित कर रहे थे। इसी दौरान क्रेन पलटकर एक्सप्रेसवे की रेलिंग से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एलिवेटेड रोड की कंक्रीट की रेलिंग का एक बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे कानपुर रोड की पटरी पर आ गिरा, जिससे अफरातफरी मच गई।चूंकि एलईडी स्क्रीन लगाए जाने के कारण कानपुर से लखनऊ की ओर आने वाली लेन का यातायात रोक दिया गया था, इसलिए किसी राहगीर या वाहन को नुकसान नहीं हुआ। हादसे के बाद, पलटी हुई क्रेन को हटाने और गिरे मलबे को साफ करने के लिए तुरंत दूसरी क्रेन मंगाई गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों में निर्माण कंपनी पीएनसी के प्रति भारी रोष देखा गया। लोगों ने आरोप लगाया कि कंपनी निर्माण कार्य में शुरू से ही लापरवाही बरत रही है।

एडेड माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों-कर्मचारियों को मिलेगी बीमा सुरक्षा, विभाग ने शुरू की कवायद

लखनऊ , एजेंसी। यूपी में अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों के सैकड़ों शिक्षकों-कर्मचारियों को नए साल में सामूहिक बीमा सुरक्षा का तोहफा मिल सकता है। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने इसकी कवायद तेज कर दी है। विभाग इस मुद्दे पर शिक्षकों-कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के भी सुझाव लेगा।

एडेड माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों को पूर्व में सामूहिक बीमा का लाभ दिया जाता था, लेकिन एक दशक से ज्यादा से इन्हें इसका लाभ नहीं मिल रहा है। शिक्षकों के अनुसार पूर्व में ग्रेड-पे के अनुसार 167 रुपये महीना उनके वेतन से सामूहिक बीमा के लिए कटौती की जाती थी, पर बाद में इसे बंद कर दिया गया।

माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर शिक्षा निदेशक सुरेंद्र कुमार तिवारी ने हाल ही में शिक्षक संगठनों को पत्र भेजकर कहा है कि एलआईसी ने 2019 में अवगत कराया था कि 2013 से सभी समूह बीमा पॉलिसी बंद की जा चुकी है। इसके बाद 2014 से इसे बंद कर दिया गया। लेकिन हाल ही में एलआईसी ने एडेड विद्यालयों के शिक्षकों व कर्मचारियों को बीमा सुरक्षा के लिए नई ग्रुप टर्म एश्योरेंस स्कीम देने की बात कही है।

उन्होंने कहा कि इसके तहत बीमा संरक्षण तो दिया जाएगा, लेकिन सेवानिवृत्ति पर कोई भुगतान नहीं किया जाएगा। शिक्षक-कर्मचारियों की ओर से बीमा सुरक्षा की मांग के क्रम में इस योजना पर विचार के लिए 19 नवंबर को उनके कार्यालय में इसकी बैठक बुलाई गई है। उन्होंने बैठक में अध्यक्ष व मंत्री को खुद या अपना प्रतिनिधि भेजने को कहा है ताकि सकारात्मक निर्णय लिया जा सके।

माध्यमिक शिक्षक संघ (चंदेल गुट) के प्रदेश मंत्री संजय द्विवेदी ने कहा कि इस योजना को पूर्व की भांति लागू होना चाहिए। इसके लिए आवश्यक निर्धारित कटौती की जाए। इससे प्रदेश के 4552 एडेड कॉलेजों के करीब एक लाख शिक्षक-कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने प्रदेश के महत्वपूर्ण संगठन होने के बाद भी उनके संगठन को इस बैठक में न बुलाए जाने पर नाराजगी भी जताई है।

बिना मान्यता 20 साल से चल रहीं कक्षाएं, बच्चों के भविष्य से हो रहा खिलवाड़

आगरा , एजेंसी। शिक्षा माफिया व्यवस्था का मखौल उड़ा रहे हैं। एक स्कूल में बिना मान्यता 20 साल से एक से आठ तक की कक्षाएं चलती रहीं। बेसिक शिक्षा विभाग के अफसर आंखें मूंदे रहे। बीएसए की लापरवाही से बिना मान्यता का स्कूल यू-डायस पोर्टल पर भी फीड हो गया, जहां से स्कूल के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति व अन्य योजनाओं का लाभ मिलता रहा। मामला सामने आने के बाद बीएसए ने कार्रवाई की बात कही।

यह मामला जगनेर स्थित एबेनेजर इंग्लिश मीडियम स्कूल का है। स्कूल में बसेड़ी रोड निवासी कुलदीप के दो बच्चे हर्षवर्धन कक्षा-2 और अवनी नर्सरी में पढ़ती थी। फीस विवाद को लेकर अभिभावक ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कहा कि स्कूल टिनशेड में संचालित हो रहा है। बच्चों के लिए पीने का साफ पानी नहीं है। फीस रसीद, रिपोर्ट कार्ड फर्जी है। बिना मान्यता के फर्जी स्कूल संचालित कर सैकड़ों बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है। शिकायत पर खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) जगत सिंह राजपूत ने जांच की। प्रमाणपत्रों की जांच में पता चला कि स्कूल के पास बेसिक शिक्षा विभाग से मान्यता नहीं है। जिस प्रारंभिक शिक्षा परिषद (सीईसी) के पंजीकरण का सहारा लेकर स्कूल संचालित है, उसे मान्यता देने का अधिकार नहीं है, क्योंकि सीईसी एक एनजीओ है। सोसाइटी दफ्तर में पंजीकृत है। उसके आधार पर स्कूल संचालित करने की अनुमति नहीं मिलती।

यू-डायस पोर्टल पर फीडिंग में हुआ फर्जीवाड़ा : केंद्र सरकार ने सभी स्कूलों का ब्योरा फीडिंग व फर्जीवाड़ा रोकने के लिए यू-डायस पोर्टल बना रखा है। एबेनेजर इंग्लिश मीडियम स्कूल भी इस पोर्टल पर फीड हो गया। विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेता रहा। खंड शिक्षा अधिकारी ने जांच रिपोर्ट में यू-डायस पोर्टल से मिले स्कूल कोड को निरस्त कर बंद कराने की संस्तुति की है। वहीं, इस संबंध में डीएम अरविंद मलप्पा बंगारी का कहना है कि इस तरह के स्कूलों की टीम से जांच कराई जाएगी।

निकायों में प्रतिनियुक्ति पर रखे जाएंगे 154 ईओ, निदेशालय ने शुरू की प्रक्रिया; आवेदन की समय सीमा हुई पूरी

लखनऊ , एजेंसी। यूपी में नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों में अधिशासी अधिकारियों (ईओ) के रिक्त पदों को प्रतिनियुक्ति के आधार पर भरा जाएगा। स्थानीय निकाय निदेशालय ने इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है। निदेशालय द्वारा अधिशासी अधिकारी श्रेणी एक के आठ, अधिशासी अधिकारी श्रेणी दो के चार, श्रेणी तीन के चार और नगर पंचायत के 138 पदों के लिए आवेदन मांगा गया था। इस प्रकार पहले चरण में ईओ के 154 पदों पर भर्ती की जाएगी। इस पद के लिए 10 अक्तूबर तक आवेदन मांगा गया था।

बता दें कि प्रदेश में 200 पालिका परिषद और 545 नगर पंचायतें हैं। अधिकांश नगर निकायों में ईओ के बहुत से पद वर्षों से खाली हैं। हालांकि नगर विकास विभाग ईओ के रिक्त पदों पर स्थाई भर्ती के लिए बहुत पहले ही प्रस्ताव उप्र लोक सेवा आयोग को भेज चुका है, लेकिन आयोग के स्तर पर अभी तक भर्ती की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है।

इस वजह से एक ईओ को दो से तीन निकायों का प्रभार देकर काम चलाया जा रहा है। आयोग के स्तर पर हो रहे विलंब को देखते हुए विभाग फिलहाल प्रतिनियुक्ति के आधार पर भर्ती करके काम चलाना चाहता है। हालांकि इससे पहले भी प्रतिनियुक्ति पर हुई भर्तियां विवादों में रही हैं।

इसी क्रम में स्थानीय निकाय निदेशालय ने प्रतिनियुक्ति के आधार पर विभिन्न विभागों के समकक्ष अधिकारियों से आवेदन मांगा था। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10 अक्तूबर थी। जल्द ही आवेदनों का परीक्षण करके भर्ती किया जाएगा। भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन्हें रिक्त पदों पर तैनात किया जाएगा। उत्तर प्रदेश पालिका सेवा के अंतर्गत नियुक्त कार्मिक प्रतिनियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे। इसके साथ ही पूर्व में प्रतिनियुक्ति पर तैनात रहने वालों को भी पात्र नहीं माना गया है।

सीएम ने की आईटी-इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की समीक्षा, बोले- स्टार्टअप कल्चर और आईटी निवेश को मिलेगी नई रफ्तार

लखनऊ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में तेजी से विकसित हो रही स्टार्टअप संस्कृति को और मजबूती देने के लिए प्रशिक्षण से लेकर मार्केट लिंकेज तक सभी जरूरतों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। शनिवार को आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को नई तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए आईटी और आईटीईएस सेक्टर में प्रायोगिक प्रशिक्षण मॉडल विकसित किए जाएंगे। इयान रियलिटी जैसी संस्थाओं के साथ सहयोग बढ़ाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने निवेशकों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध अनुमति व्यवस्था प्रदान किए जाने पर जोर देते हुए स्पष्ट कहा कि पात्र निवेशकों को इंसेंटिव के लिए प्रतीक्षा न करनी पड़े। इस संबंध में विभागीय स्तर पर स्पष्ट जवाबदेही तय करने के आदेश दिए गए।

उन्होंने बताया कि स्टार्टअप, सेमीकंडक्टर, डाटा सेंटर और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश तेजी से अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि -हमें अब इन क्षेत्रों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में शीर्ष श्रेणी में शामिल होना है-। उन्होंने यह भी बताया कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक परियोजना स्वीकृत हो चुकी है, जबकि दो नई परियोजनाओं के लिए भारत सरकार से सतत संवाद चल रहा है। इसके अलावा नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा में नए लैंड बैंक विकसित करने के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में विभागीय प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया गया कि वर्ष 2017-18 में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का निर्यात जहां 3,862 करोड़ था, वहीं वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 44,744 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है। इसी अवधि में आईटी निर्यात भी 55,711 करोड़ से बढ़कर 82,055 करोड़ हो चुका है।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति 2020 के अंतर्गत अब तक 67 निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें 15,477 करोड़ के निवेश और 1,48,710 संभावित रोजगार शामिल हैं। इनमें से 430 करोड़ की प्रोत्साहन धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है और मार्च 2026 तक 25 और प्रस्ताव आगे बढ़ने की संभावना है।

डाटा सेंटर नीति के अंतर्गत हीरानंदानी समूह, एनटीटी ग्लोबल, वेब वर्क्स, अदाणी एंटरप्राइजेज और एसटी टेलीमीडिया जैसी कंपनियों द्वारा 21,342 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव दिए गए हैं। इनसे तकरीबन 10 हजार नए रोजगार सृजित होंगे। स्टार्टअप नीति के अंतर्गत भी पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। वर्ष 2021-22 में जहां 274 लाख की प्रोत्साहन राशि जारी की गई थी, वहीं जनवरी 2025 तक यह बढ़कर 2,600 लाख तक पहुंच गई है।

मुख्यमंत्री ने स्टार्टअप फंड के प्रभावी उपयोग और उसकी मॉनिटरिंग प्रणाली को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने उभरती तकनीकों में रिसर्च एवं इनोवेशन को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया।

जेल कर्मी व उसके बेटे को दौड़ाकर पीटा, चार गिरफ्तार

लखनऊ , एजेंसी। कल्याणपुर, रिंग रोड स्थित ओला सर्विस सेंटर में शनिवार को स्कूटी लेने गए बंगला बाजार निवासी व जिला जेल कर्मी मनोज कुमार श्रीवास्तव व उनके बेटे हर्ष श्रीवास्तव को सर्विस सेंटर के स्टाफ ने सड़क पर दौड़ाकर पीटा। पिता-पुत्र ने भागकर अपनी जान बचाई। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पीड़ित हर्ष ने पांच नामजद व 12-15 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ शांतिभंग में कार्रवाई कर उन्हें जेल भेज दिया है।

इंस्पेक्टर गुडंबा प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मनोज कुमार श्रीवास्तव ने सर्विस सेंटर में 20 दिन पूर्व अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी सर्विसिंग के लिए दी थी। शनिवार सुबह 11:30 बजे वह बेटे के साथ स्कूटी लेने सेंटर पहुंचे। सेंटर बंद था। बाहर कुछ कर्मचारी मौजूद थे। स्कूटी के बारे में पूछने पर उन्होंने जानकारी होने से इन्कार कर दिया। नाराजगी जताने पर कर्मियों ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी।

पुलिस से शिकायत करने की बात पर सेंटर कर्मियों ने कॉल करके अन्य लोगों को भी बुला लिया। आरोप है कि वहां पहुंचे सेंटर कर्मी अजय यादव, प्रियांशु द्विवेदी, अभिषेक राजपूत, अभिषेक मिश्रा, शुभम श्रीवास्तव व 12-15 अज्ञात लोगों ने मनोज व उनके बेटे को सड़क पर घसीट लिया और दौड़ा-दौड़ाकर पीटा।

मसाला फसल में अग्रणी मिर्च

भूमि

क्षारीय भूमि को छोड़कर सभी प्रकार की भूमि में उगाई जा सकती है। दोमट या बलुई दोमट मिट्टी जिसमें कार्बनिक पदार्थ की मात्रा अधिक हो, इसकी खेती के लिये उपयुक्त रहती है।

उन्नत किस्में

पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, अर्का लोहित, अर्का सुफल, मिर्च–101, पंत–सी–1, फूले ज्योति, फूले मुक्ता, जवाहर मिर्च–283, एन.पी.–46ए।

संकर किस्में

ए.आर.सी.एच.–236, उजाला।

बीज की मात्रा

1–1.5 किग्रा प्रति हेक्टेयर बीज की आवश्यकता होती है। संकर किस्मों का 500 ग्राम बीज पर्याप्त होता है।

बुवाई समय

मिर्च की सर्दी की फसल हेतु जुलाई–सितम्बर तथा गर्मी की फसल हेतु रोपाई फरवरी–मार्च में की जाती है। रोपाई के 1.5 माह पूर्व बीज को नर्सरी में लगाया जाता है।

नर्सरी तैयार करना

नर्सरी क्यारी एक मीटर चौड़ी, 5 मीटर लम्बी तथा 15 सेमी ऊंची क्यारियाँ बनायें। क्यारियाँ बनाने से पहले मिट्टी को भुरभुरी बनाकर गोबर खाद 10–15 किग्रा तथा मिट्टी उपचार हेतु 100 ग्राम फोरेट मिलायें। बीजो को कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम/किलो बीज की दर से उपचारित कर बीजों को 5 सेमी की दूरी पर लाईनों में लगायें। बीज बोने के बाद क्यारी को पुआल या सरकंडा आदि की पलवार से ढंक देते हैं। इससे नमी संरक्षित रहती है, तथा अंकुरण जल्दी हो जाता है। अंकुरण के बाद पलवार हटा देते हैं। कीट व्याधि से पौधों को बचाने हेतु इमिडाक्लोप्रिड 1 मिली./3 लीटर पानी तथा 2 ग्राम मैन्कोजेब या कार्बेन्डाजिम प्रति लीटर पानी मे घोल कर छिड़काव करें।

खाद एवं उर्वरक

मिर्च की अच्छी उपज के लिये 25–30 टन प्रति हैक्टेयर सड़ी गोबर खाद तथा उर्वरक में 260 किग्रा यूरिया, 300 किग्रा सिंगल सुपर फास्फोरस तथा 100 किग्रा पोटाश की आवश्यकता होगी। गोबर खाद, फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा तथा नत्रजन की आधी मात्रा रोपाई से पहले खेत में मिलायें। शेष आधी नत्रजन की मात्रा को दो भागों में बांटकर 25–30 दिन और 45–50 दिनों के बाद खड़ी फसल में डालें।

खेत की तैयारी एवं रोपाई

जुताई के समय गोबर खाद मिट्टी में मिला दें तथा पाटा लगाकर खेत मे सिंचाई हेतु सुविधानुसार उपयुक्त आकार की क्यारियां बना लें या मेड़ नाली पद्धति से रोपाई करें। बीज बोने के 5–6 सप्ताह बाद जब पौध 10–15 सेमी की हो जाये तो रोपाई के लिये उपयुक्त हो जाती है। रोपाई का कार्य सायंकाल में करें। कतार से कतार दूरी 45–60 सेमी तथा पौधे से पौधे दूरी 30–45 सेमी रखते हैं।

सिंचाई

रोपाई के तुरंत बाद सिंचाई करें। रोपाई के तीसरे दिन एक हल्की सिंचाई देने से पौध अच्छी जमती है। तत्पश्चात भूमि की किस्म तथा मौसम के अनुसार सिंचाई करें, सर्दी में 10–12 दिन के अन्तराल पर तथा गर्मी में प्रति सप्ताह सिंचाई करें।

निंदाई-गुड़ाई

मिर्च की फसल को खरपतवार रहित रखते हुए व अच्छी उपज प्राप्त करने हेतु 2–3 निंदाई–गुड़ाई आवश्यक है। रसायनिक खरपतवार नियंत्रण हेतु रोपाई से पहले 1.2 लीटर पेंडामिथालीन प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

उपज

हरी मिर्च की पैदावार 90–100 क्विंटल/हैक्टेयर तथा सूखी मिर्च 15–20 क्विंटल/हैक्टेयर प्राप्त हो जाती है।

सर्वोत्तम चारा ल्यूसर्न

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे महत्वपूर्ण पोषक द्रव्य प्रोटीन, शर्करा, खनिज, जीवन सत्व मिलते हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर है कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकठ्ठा होना) की शिकायत हो सकती है हरे फलीधारी चारे में रबी में काश्तयोग्य एक चारा है ल्यूसर्न। इसे आंग्लभाषा में अल्फा अल्फा कहते हैं। इसका अरबी भाषा में अर्थ है सर्वोत्तम।

जलवायु

इस चारा फसल की काश्त राजस्थान के अत्यधिक गर्म प्रदेश से लद्दाख के अति ठंडे प्रदेश में भी की जा सकती है। ठंडी जलवायु इस फसल को सुहाती है। यह जिस मिट्टी में पानी की अच्छी तरह से निकासी होती है। ऐसी मिट्टी में बढ़िया बढ़ती है। खेत में पानी का जमाव इसे नुकसानदेह होता है।

काश्त

इस चारा फसल को बोने हेतु अक्टूबर तथा नवम्बर के अंत तक का समय ठीक रहता है। खेत में एक गहरी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी की क्यारियां बनायें। खेत समतल बनायें ताकि पानी की निकासी ठीक से हो।

बीज प्रक्रिया

ल्यूसर्न के बीजों का सतही कवच जरा कठिन होता है। जिससे अंकुरण ठीक से नहीं हो पाता। अतः बीज को बुआई से पहले (छह से आठ घंटे पहले) पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद बीज को राइजोबियम मेलिलोटी नामक जीवाणु संवर्धक से उपचारित कर सकते हैं। यह खास ल्यूसर्न के लिए किया जाता है। फिर बीज छाया में सुखायें।

बुआई

बीज प्रकिया के छह से आठ घण्टे बाद अगर शुष्क तथा अर्धशुष्क इलाका है जहां तलछटी वाली मिट्टी है तो खेत समतल बनाकर बीज को खेत में ऐसे ही बिखेर सकते हैं। इसके बाद उसे बखर हल्के से चलाकर मिट्टी में मिलायें।

इसके अलावा ल्यूसर्न बीज को बुआई यंत्र द्वारा सीधी कतारों में 30 से 35 सेंटीमीटर दूरी पर बो सकते है। अगर ज्यादा बरसात वाला इलाका है जहां खेत में पानी भर जाता है तो खेत में (रिजेस) बनायें जो एक– दूसरे से 50 से 60 सेंटीमीटर दूर हो। फिर बुआई यंत्र से बुआई करें।

खाद

ल्यूसर्न फसल की अच्छी बढ़वार हेतु उसे फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम तथा गंधक (सल्फर) की ज्यादा जरुरत होती है। अतः बुआई के समय 18 किलो नत्रजन, 70 से 75 किलो फॉस्फेट, 40 किलो पोटेशियम और 150 ग्राम सोडियम मॉलीबडेट मिट्टी में डालकर सिंचाई करें। इससे पहले मिट्टी में 20 से 25 टन अच्छी तरह पकी गोबर खाद जिसमें ह्युमस भरपूर है। वह प्रति हेक्टर में डाले और मिट्टी में मिलायें।

सिंचाई

ल्यूसर्न को नमी की जरुरत होती है। अतः जरुरत अनुसार हर हफ्ते 1 या 2 हल्की सिंचाई दें। बुआई के तुरंत बाद सिंचाई करें ताकि अंकुरण अच्छा हो। जाड़े में 15 से 20 दिन के अंतराल से सिंचाई करें।

कटाई

जब फसल में फलियां आती है तब आखिरी में से लेकर जब फसल के दसवें भाग में फूल आते है तब पहली कटाई कर सकते हैं।

गेहूं में कम लागत बुआई तकनीक

भारत वर्ष में गेहूं की फसल साधारणतः धान, कपास, मक्का, ज्वार एवं अरहर की फसल के बाद बोई जाती है किंतु साधारणतः कुछ कृषक जो कि साल भर में फसलें अपने खेतों में उगाते हैं व खरीफ की फसलों के बाद आलू, सब्जी वाली मटर एवं तोरिया को नगदी फसल के रुप में लेते है। इस कारण अथवा अन्य कारणों से भी रबी में गेहूं की फसल की बुवाई में देरी हो जाती है।

शून्य जुताई विधि

किसी खेत में जुताई किए बिना ही सीधे बुआई करना शून्य जुताई कहलाता है इस तकनीक में विशेष रुप में तैयार जीरो टिल फर्टी सीड ड्रिल का उपयोग बुआई के लिए किया जाता है। इस तकनीक के द्वारा न केवल जुताई के लागत की बचत होती है बल्कि जिन क्षेत्रों में- कपास, धान, गन्ना एवं तोरिया आदि फसलों के देरी से पकने के कारण गेहूं की बुआई में देरी होती है उन क्षेत्रों में भी अच्छी उत्पादकता प्राप्त की जा सकती है।

पट्टी विधि

इस विधि को सन 1995 में पहली बार भारत में लागू किया गया। इस विधि में 70 सेमी की पट्टी बनाकर उसमें दो-तीन लाईन गेहूं की लगाई जाती है। इस प्रकार लगभग 25 प्रतिशत बीज एवं खाद की बचत पारंपरिक जुताई की तुलना में की जा सकती है। उत्तर-पश्चिम भारत के किसान आखिरी सिंचाई फसल गिरने के डर से नही करते जिसके कारण उपज में कमी देखी जाती है। इस विधि के उपयोग से जहां पर सिंचाई नालियों के द्वारा की जाती है, सिंचाई के जल तथा गेहूं के तने के बीच संपर्क न होने तथा आसानी से हवा का प्रवाह हो जाने से फसल गिरने से बच जाती है और पूरी सिंचाई कर अधिकतम उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। इस विधि के उपयोग से खरपतवार जैसे गेहूंसा (फेलेरिस माइनर) की संख्या भी पट्टी के जल्दी सूख जाने के कारण कम हो जाती है। पट्टी विधि से लगाई गयी फसल में खरपतवार निकालने तथा निंदाई, गुड़ाई हेतु पर्याप्त जगह मिल पाती है जिससे यांत्रिक विधियों का प्रयोग भी सरलता से किया जा सकता है।

सतही बुआई

यह विधि उप क्षेत्रों में अपनाई जाती है जिन क्षेत्रों मे धान की फसल के बाद गेहूं की फसल लगाई जाती है यह तकनीक काफी उपयोगी है क्योंकि इसमें धान के खेत में कटाई के पूर्व ही अथवा कटाई के तुरंत बाद गेहूं का सूखा अथवा भीगा हुआ बीज छिटकवां विधि से बोया जाता है। जमीन में उपस्थित नमी का उपयोग कर गेहूं में अंकुरण हो जाता है तथा जुताई एवं अन्य कर्षण क्रियाओं पर होने वाला खर्च बच जाता है।

आया मौसम गाजर का

भूमि एवं तैयारी

अच्छी जल निकास सुविधा वाली गहरी दोमट–भुरभुरी मिट्‌टी जिसमें कार्बनिक खाद की पर्याप्त मात्रा हो, गाजर की खेती के लिये उपयुक्त होती है। मृदा का पीएच मान 6.5 उपयुक्त होता है। चिकनी मिट्‌टी में गाजर की जड़ें, कठोर, कुरुप और कई रेशेदार जड़ों वाली बनती हैं।

बीज एवं बुवाई / समय

मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त–सितम्बर माह और यूरोपियन किस्में अक्टूबर–मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।

बीज दर

बीज ग्रेडेड और बड़े आकार के हों तथा अंकुरण 90 प्रतिशत होने पर सामान्यतया 7 से 8 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर लगता है।

किस्में

पूसा केशर, पूसा मेघाली, गाजर नं.29, चयन नं. 233, पूसा यमदग्नि, चेन्टनी, नेन्टस

बीजोपचार

गाजर के बीजों को थाइरम 2 ग्राम एवं कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम के मिश्रण से प्रति किलो बीज दर से बीजोपचार करना चाहिये।

बुवाई विधि

गाजर के बीज समतल क्यारियों में अथवा मेड़ों पर बोये जा सकते हैं। अच्छे अंकुरण के लिये बुवाई पूर्व खेत की सिंचाई कर देनी चाहिये। कतारें 30 से.मी. और पौधे से पौधे 10 से.मी. पर होने चाहिये। बीजों को 2.0 से.मी. से अधिक गहराई पर न बोंये। मेड़ में बोनी अच्छी पैदावार देने में सहायक होती है।

खाद एवं उर्वरक

सामान्यतया 25–30 टन कम्पोस्ट या गोबर की खाद को एक माह पूर्व खेत में फैलाकर मिला दें। आधार खाद के रूप में 47 कि.ग्रा. यूरिया 313 कि.ग्रा. सिंगलसुपर फास्फेट एवं 167 किलो म्यूरेटा पोटाश प्रति हे. दें। खड़ी फसल में बीज बुवाई के 30–40 दिन बाद यूरिया कि.ग्रा. नत्रजन की पूर्ति करें।

सिंचाई

बीज बोते समय नमी उचित मात्रा में रखने के लिये बुवाई पूर्व सिंचाई की जानी चाहिये। पहली सिंचाई बीज बोने के 10–12 दिन बाद जब बीज अंकुरित हो जाये तब करें। बाद में फसल को 12–15 दिनों के अंतर से सिंचाई करें। कभी भी सिंचाई करते समय अधिक पानी न दें।

निंदाई-गुड़ाई

गाजर की फसल में पहली निंदाई–गुड़ाई 20 से 25 दिन बाद करनी चाहिये। इसके खरपतवार नियंत्रण के साथ–साथ जड़ों के उचित विकास के लिये मृदा में वायु संचार बढ़ जाती है। एलाक्लोर (लासो) 4 लीटर 800 लीटर पानी में घोलकर बीज बोने के बाद किंतु अंकुरण के पूर्व छिड़काव कर नींदा नियंत्रण किया जा सकता है। दूसरी बार निंदाई–गुड़ाई बीज बोने के 40–45 दिन बाद करनी चाहिये।

खुदाई

जड़ों के विपणन योग्य आकार के हो जाने के बाद तुरंत ही बाजार में भेजना चाहिये अन्यथा वह कठोर और उपयोग योग्य नहीं रह जाती है। जड़ों को उखाड़ने के पूर्व हल्की सिंचाई कर दें। एशियाई किस्मों के जड़ों का ऊपरी भाग का व्यास जब 2.5 से 5.0 से.मी. का हो जाये तब उन्हें खोद लेना चाहिये। जड़ें हाथ से खींचकर या फावड़े की मदद से खोदी जा सकती हैं।

पैदावार

एशियाइ किस्मों की पैदावार यूरोपियन किस्मों की तुलना में अधिक प्राप्त होती है। औसतन 150–200 क्विं./हे. पैदावार प्राप्त हो जाती है।

एनडीए की 'सुनामी' को भांपने में क्यों फेल हुए एग्जिट पोल?

योगेश कुमार गोयल

बिहार के दो चरणों वाले चुनाव में भारी मतदान ने यह संकेत पहले ही दे दिया था कि इस बार कुछ अलग ही लहर है लेकिन यह लहर कितनी प्रचंड होगी, इसे कोई भी एजेंसी अपने सर्वे में नहीं पकड़ सकी। 65 और 68 प्रतिशत की रिकॉर्ड वोटिंग ने विश्लेषकों को जरूर सतर्क किया था लेकिन यह सतर्कता भी उस समय ध्वस्त हो गई, जब एग्जिट पोल्स ने लगभग एक जैसी थाली परोसी यानी एनडीए की जीत लेकिन सीमित मार्जिन के साथ।

नीतियों, संख्या-शास्त्र और राजनीतिक सामाजिक रुझानों को समझने का दावा करने वाले एग्जिट पोल्स एक बार फिर बिहार के जनादेश के सामने बुरी तरह धराशायी हो गए। यह वही बिहार है, जहां जनता की राजनीतिक सूझबूझ देशभर में मिसाल मानी जाती है और इसी बिहार ने 2025 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि मतदाता का मन कागजों, ग्राफों और टीवी स्टूडियो की चर्चाओं से नहीं पढ़ा जा सकता। लगभग दो दर्जन एजेंसियों ने अपने-अपने अनुमानों की बौछार कर दी थी लेकिन नतीजों ने इनकी तथाकथित वैज्ञानिकता का मुखौटा एक झटके में उतारकर फेंक दिया। मतदान के बाद तमाम टीवी चैनलों पर जोर-शोर से दावे किए जा रहे थे कि इस बार तस्वीर साफ है, रुझान स्थिर हैं और रणनीति मजबूत है परन्तु असलियत यह थी कि वैज्ञानिक 'सैम्पलिंग' के नाम पर केवल अनुमान बेचे जा रहे थे और इन अनुमानों का आधार जमीन से ज्यादा स्टूडियो-केन्द्रित 'कालिनियरिटी' था।

हालांकि बिहार के दो चरणों वाले चुनाव में भारी मतदान ने यह संकेत पहले ही दे दिया था कि इस बार कुछ अलग ही लहर है लेकिन यह लहर कितनी प्रचंड होगी, इसे कोई भी एजेंसी अपने सर्वे में नहीं पकड़ सकी। 65 और 68 प्रतिशत की रिकॉर्ड वोटिंग ने विश्लेषकों को जरूर सतर्क किया था लेकिन यह सतर्कता भी उस समय ध्वस्त हो गई, जब एग्जिट पोल्स ने लगभग एक जैसी थाली परोसी यानी एनडीए की जीत लेकिन सीमित मार्जिन के साथ। लगभग सभी 'पोल ऑफ पोल्स' ने एनडीए को 150 के आसपास और महागठबंधन को 80-90 सीटों तक टिका दिया, मानो मतदाता किसी स्थिर पैटर्न में वोट डालने गया हो। इन अनुमानित संख्याओं में न आत्मविश्वास झलकता था, न शोध की गंभीरता। यही नहीं, प्रतिष्ठित मानी जाने वाली एक्सिस माय इंडिया और टुडेज चाणक्य जैसी एजेंसियां भी उस भूचाल को भांप नहीं सकीं, जिसने एनडीए को 200 से अधिक सीटों के साथ रिकॉर्ड बहुमत दे दिया। यह पराजय अनुमान की नहीं, समझ की थी और यह विफलता आंकड़ों की नहीं, पद्धति की थी, जो सवाल उठाती है कि क्या एग्जिट पोल्स विश्लेषण करते हैं या महज भविष्यवाणी का खेल खेलते हैं?

सबसे दिलचस्प बात यह रही कि सभी एजेंसियों के बीच 'पोल डायरी' नाम की एकमात्र एजेंसी थी, जिसने एनडीए को 184-209 सीटों तक का अनुमान देकर राजनीतिक गलियारों को चौकन्ना कर दिया था। उस समय इसे कई विशेषज्ञों ने 'आउटलायर' कहकर खारिज कर दिया था परंतु नतीजे आए तो वही आउटलायर सबसे सटीक साबित हुआ। महागठबंधन को 32-49 सीटों का उसका अनुमान भी वास्तविक परिणामों से मेल खा गया। यह सवाल और बड़ा हो जाता है कि जब सारी एजेंसियां एक दिशा में झुकी हों और एक एजेंसी अलग दृष्टि दे रही हो, तब भी आखिर क्यों तथाकथित विशेषज्ञता उस एकमात्र भिन्न अनुमान को गम्भीरता से नहीं लेती? जवाब स्पष्ट है कि एग्जिट पोल अब एक उद्योग है और उद्योग में जोखिम लेने की जगह कम होती है। सबको उसी लय में बोलना सुविधाजनक लगता है, जिसमें बहुमत की आवाज सुनाई देती है।

बिहार में एक्सिस ने 121-141, चाणक्य ने 148-172, भास्कर ने 145-160, पीपुल पल्स ने 133-159, मैट्रिज-आईएएनएस ने 147-167 और लगभग हर एजेंसी ने 130 से 160 के बीच एनडीए को बांधकर रखा। महागठबंधन को इन्हीं एजेंसियों ने उदारता के साथ 75-110 सीटें सौंप दी, मानो राजनीतिक ध्रुवीकरण, जातीय समीकरणों के पुनर्संयोजन, महिलाओं और युवाओं के मतदान पैटर्न जैसी वास्तविकताओं का कोई महत्व ही न हो। नतीजा? जमीन पर वोटर ने इन सारे अनुमानों को हवाबाजी गणितज्ञ साबित कर दिया। एनडीए जहां 200 सीटों से ऊपर निकल गया, वहीं महागठबंधन 35 के आसपास सिमट गया।

बिहार की राजनीति की जटिलता को समझ पाने में एग्जिट पोल्स की असमर्थता कोई नई बात नहीं है। 2010, 2015 और 2020 में भी वे लगातार विफल रहे। 2015 में जब नीतीश-लालू गठबंधन की प्रचंड जीत हुई थी जबकि सर्वे एजेंसियों ने इसके उलट एनडीए की बढ़त दिखाई थी। 2020 में जब लगभग हर सर्वे ने महागठबंधन की जीत की भविष्यवाणी की थी, तब नतीजों ने एनडीए को 125 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत पर पहुंचा दिया था। अब 2025 में जब एनडीए की सुनामी आई, तब उसे भी पढ़ने में लगभग सभी एजेंसियां एक बार फिर चूक गई। आखिर चुनावी समाजशास्त्र में ऐसी क्या अंधी दीवार है, जो इन एजेंसियों को वास्तविकता से टकराने पर मजबूर कर देती है?

यह विफलता केवल बिहार तक सीमित नहीं है। हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और यहां तक कि लोकसभा चुनावों तक में एग्जिट पोल्स बार-बार विफल होते आए हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में तो लगभग हर एजेंसी ने एनडीए को 350-400 सीटों का आकाश छूता अनुमान दिया था जबकि भाजपा 240 सीटों पर रुक गई थी और एनडीए 292 पर। महाराष्ट्र में एग्जिट पोल्स ने 150-170 सीटों की 'महायुति' दिखा दी पर वास्तविक नतीजे 234 सीटों के विशाल बहुमत में तब्दील हो गए। झारखंड में अनुमान एनडीए का, नतीजा इंडिया ब्लॉक का; बंगाल में अनुमान त्रिशंकु का, नतीजा टीएमसी की सुनामी का, तो क्या यह कहना गलत है कि एग्जिट पोल अब विश्लेषण का औजार नहीं बल्कि मनोरंजन का साधन बन चुके हैं?

सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि आखिर एग्जिट पोल्स किस 'विज्ञान' पर चलते हैं? एजेंसियां दावा करती हैं कि वे वैज्ञानिक सैम्पलिंग, पिछले चुनावों के पैटर्न, जातीय-क्षेत्रीय वितरण, बूथवार गणना और वोट शेयर रूपांतरण मॉडल पर काम करती हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि यह डेटा कितने बूथों से लिया जाता है, कितने मतदाताओं से बात होती है, कौनसे अनुपात लागू किए जाते हैं, इन सबकी पारदर्शिता लगभग शून्य है। 'वैज्ञानिक मॉडल' की आड़ में यह उद्योग एक ब्लैक बॉक्स की तरह काम करता है, जहां अंदर क्या चल रहा है, कोई नहीं जानता और बाहर सिर्फ अनुमान बेचा जाता है। हालांकि ऐसा नहीं है कि सैंपलिंग से नतीजे निकाले नहीं जा सकते। दुनियाभर में चुनाव पूर्व सर्वे और एग्जिट पोल आम प्रचलन में हैं लेकिन वहां मैथडोलॉजी खुली होती है, डेटा उपलब्ध होता है और एजेंसियों का मूल्यांकन उनके पिछले रिकॉर्ड के आधार पर किया जाता है। भारत में इसके उलट, टीवी चैनल टीआरपी के लिए और सर्वे एजेंसियां कॉन्ट्रैक्ट के लिए एग्जिट पोल पेश करती हैं। इन्हें वास्तविकता से ज्यादा कथानक गढ़ने में रुचि होती है। कई बार राजनीतिक पक्षधरता, कई बार व्यावसायिक दबाव और कुछ मामलों में 'सैंपल की कमी' जैसे बहाने इस उद्योग का स्थायी फॉर्मूला बन चुके हैं।

कुल मिलाकर, बिहार के 2025 के जनादेश ने एक बार फिर यह साबित किया है कि एग्जिट पोल्स मतदाता को पढ़ने का नहीं, मतदाता को प्रभावित करने का उपकरण बन चुके हैं। किसी भी लोकतंत्र में यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है। जब टीवी चैनल और एजेंसियां मिलकर मतदाता के मन की थाह लेने के बजाय उसकी धारणाओं को दिशा देने में लग जाएं, तब उनकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगने स्वाभाविक है। यह समय है कि भारत में एग्जिट पोल्स के लिए स्वतंत्र विधिक नियंत्रण, स्पष्ट पद्धति प्रकटीकरण, सैम्पलिंग मानक, पारदर्शिता नियम और जवाबदेही लागू की जाए। जब तक यह उद्योग 'अनुमानों की दुकान' बना रहेगा, तब तक उसका हर अनुमान एक जोखिम होगा और उसकी हर भविष्यवाणी लोकतंत्र को भ्रमित करने का माध्यम। हालांकि बिहार ने एक बार फिर दुनिया को दिखा दिया कि यहां का मतदाता किसी भी 'पोल' से बड़ा है। 'पोल ऑफ पोल्स' विफल हुआ लेकिन जनता का पोल एकदम सही बैठा। यही बिहार की राजनीतिक चेतना की असली शक्ति है और यही लोकतंत्र की वह जीवंत धड़कन है, जिसे कोई सर्वे, कोई ग्राफ और कोई चैनल स्टूडियो कभी समझ नहीं पाएगा।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

महंगाई में कमी

सरकारी आंकड़े हमेशा सार्वजनिक विमर्श में रहते हैं। राहत और तरक्की के दावे विभिन्न सरकारों के दौर में अकसर सामने आते हैं। टकसाली सत्य यही है कि राहत व तरक्की का जमीनी प्रभाव भी नजर आना चाहिए। मसलन, जिस जनहित की बात की जा रही है, उसका अहसास भी आमजन को होना चाहिए। प्रथम दृष्टया यह राहतकारी माना जाना चाहिए कि देश में खुदरा महंगाई की दर में गिरावट दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि अक्तूबर में देश की मुद्रास्फीति की दर घटकर 0.25 रह गई है। यह स्थिति साल 2013 के बाद से सबसे कम बताई जा रही है। जाहिर है सरकार ने इसे अपनी बड़ी उपलब्धि माना है। सरकार का दावा है कि मुद्रास्फीति में यह बड़ी गिरावट कीमतों पर मजबूत नियंत्रण और कुशल वित्तीय प्रबंधन को ही दर्शाती है। लेकिन वहीं दूसरी ओर आम परिवारों के लिये इस राहत का अहसास करना इतना भी आसान नहीं है। दरअसल, मुद्रास्फीति में इस गिरावट में मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कम कीमतों की भूमिका देखी जा रही है। वहीं दूसरी ओर हाल ही में की गई जीएसटी दरों में कटौती का प्रभाव भी बताया जा रहा है। जिसके चलते उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है। वहीं दूसरी ओर मुद्रास्फीति में यह तीव्र गिरावट पिछले साल की ऊंची कीमतों के आधार प्रभाव को भी दर्शाती है, जो शायद लंबे समय तक न रहे। प्रथम दृष्टया भले ही यह प्रभावशाली लगे, लेकिन कई लोग अभी भी उच्च घरेलू खर्चों का दबाव महसूस कर रहे हैं। दूध, दालों और सब्जियों जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में अभी भी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। जिससे लोगों का पारिवारिक बजट प्रभावित हो रहा है। इसलिए, जहां समग्र मुद्रास्फीति दर में गिरावट आई है, वहीं आम लोगों के लिये व्यावहारिक जीवन यापन की लागत में उसी तरह की गिरावट महसूस नहीं की जा रही है। वैसे देखा जाए तो भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई के लिये यह स्थिति राहत और चुनौती दोनों ही लेकर आ रही है।

दरअसल, ध्यान देने योग्य बात यह है कि मुख्य मुद्रास्फीति, जिसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं, ऊंची बनी हुई है। जो यह भी दर्शाती है कि मूल्य दबाव पूरी तरह से कम नहीं हुआ है। ऐसे में फुटकर मुद्रास्फीति इतनी कम होने के कारण उद्योग जगत की तरफ से दलील दी जा सकती है कि भारतीय रिजर्व बैंक दिसंबर की अपनी बैठक में उधार लेने और खर्च को प्रोत्साहित करने के लिये बैंक ब्याज दरों में कटौती पर विचार करे। लेकिन केंद्रीय बैंक को इस दिशा में सावधान भी रहना होगा। यदि केंद्रीय बैंक इस दिशा में कोई कदम उठाता है तो मुद्रास्फीति फिर से बढ़ भी सकती है। खासकर, अगर वैश्विक तेल की कीमतों में कोई अप्रत्याशित उछाल आ जाता है। वहीं दूसरी ओर यदि वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में रुपया कुछ कमजोर होता है। वैसे देखा जाए तो इस दौरान, मुद्रास्फीति में गिरावट का बेहतर ढंग से उपयोग मांग बढ़ाने, आय बढ़ाने और खाद्य कीमतों को स्थिर बनाने में भी किया जा सकता है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी देश में मुद्रास्फीति की कम दर एक छोटी अवधि में विकास को पुनर्जीवित करने में मदद भी कर सकती है।

चिंतन-मनन

समता की अनुभूति

मनोबल के विकास का दूसरा सूत्र बताया गया है- स्व दर्शन समता का दर्शन या परमात्मा का दर्शन। फ्रांस की यूनिवर्सिटी का एक प्रोफेसर अहंकार में आकर बोला, मैं दुनिया का सर्वश्रेष्ठ आदमी हूं। किसी ने पूछ लिया-यह कैसे? उसने कहा, फ्रांस दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश है। पेरिस फ्रांस का सर्वश्रेष्ठ नगर और हमारा विश्वविद्यालय हमारे नगर का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र। दर्शन का विभाग उसमें सर्वश्रेष्ठ। मैं उसका अध्यक्ष। इसलिए मैं सर्वश्रेष्ठ आदमी। यह कैसा गणित है! हमारी दृष्टि जब दूसरों की ओर जाती है तो यही निष्कर्ष निकलता है कि हम दूसरों को काटते जाते हैं, तोड़ते जाते हैं और दूसरों के संदर्भ में हम अपने को सर्वश्रेष्ठ प्रतिष्ठापित करते जाते हैं। इसके अतिरिक्त कोई निष्कर्ष निकलता ही नहीं है। जब स्व-दर्शन में आदमी आता है तो उसे अनुभव होता है कि न फ्रांस सर्वश्रेष्ठ, न पेरिस सर्वश्रेष्ठ, न विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ, न दर्शन का विभाग सर्वश्रेष्ठ और न विभागाध्यक्ष। सब समान है। सब व्यक्ति समान, सब देश समान, सब राष्ट्र समान और सब आत्माएं समान।

जो समता के क्षण में जाता है, उसे यह नहीं लगता कि यह अलग, वह अलग। उसे लगता है कि सब मेरे-जैसे हैं। यह समान ही समान का गणित ऐसा चलता है कि अनन्त में से अनंत निकालो तो भी पीछे अनन्त ही रहेगा। अनन्त में अनन्त मिलाओ तो भी अनन्त ही रहेगा। समता में मिलाते जाओ, निष्कर्ष समता। यह समता की अनुभूति जब जागती है, तब एक विचित्र अनुभव होता है। उसे जगाने का जो सूत्र है, वह मनोबल को जगाने का परम सूत्र होता है।

सफेद कालर के आतंकियों ने देश के भरोसे को तोड़ दिया!

मनोज कुमार अग्रवाल

राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है, क्योंकि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे आतंकवाद की भयावह परतें खुलती जा रही हैं। जिन खतरनाक खुलासों का पर्दाफाश हो रहा है, वे सिर्फ चिंता नहीं, बल्कि आतंक के बदलते स्वरूप की भयावह तस्वीर पेश करते हैं। जो नया खुलासा हुआ है, निःसंदेह प्रत्येक देशवासी को दहशत में में डालने वाला है, क्योंकि आतंकी देश के एक एक या दो जगहों में नहीं, बल्कि 32 जगहों में धमाके करने वाले वाले थे। यह सोच कर ही रूह कांप जा रहा है कि अगर आतंकी अपने मनसूबे में कामयाब हो जाते, तो फिर क्या होता। इससे एक बात यह भी साफ हो जाती है कि आतंकी अपना नेटवर्क पूरे देश में फैला चुका है। इसके साथ यह साफ हो गया है कि अब आतंकवाद किसी सीमित दायरे का मुद्दा नहीं, बल्कि ऐसे व्हाइट कॉलर नेटवर्क का रूप ले चुका है जिसके तार देश के प्रतिष्ठित संस्थानों, शिक्षण केंद्रों और उच्च शिक्षा प्राप्त वर्ग तक फैले हुए हैं।सफेद कोट और चिकित्सा जैसे पवित्र पेशे से जुड़े करीब दस उच्च शिक्षा प्राप्त डिग्री धारी डॉक्टर अब तक इस आतंकी साजिश की कड़ी में लिप्त मिल चुके हैं इस वारदात ने पहली बार डॉक्टर जैसे पवित्र पेशे पर आम आदमी के विश्वास और भरोसे को मटियामेट कर दिया है। वहीं एक संप्रदाय विशेष पर भी विश्वास का संकट पैदा करने के हालात बनाने का नापाक काम किया है खासकर कश्मीर मुस्लिमों को अब देश दुनिया भर में शंका की नजर झेलनी होगी। आपको बता दें कि अभी तक की जांच में पता चला है कि साजिश करने वाले आतंकी देश भर के विभिन्न स्थानों पर तैंतीस गाड़ियों में विस्फोट करने का षडयंत्र कर रहे थे पहले इस मामले में सिर्फ चार गाड़ियों की बात सामने आई थी, लेकिन जांच एजेंसियों के नए इनपुट ने आतंकियों की योजना की व्यापकता को उजागर कर दिया है। ये गाड़ियां सिर्फ वाहन नहीं, आतंक की चलती फिरती फैक्टरियां थीं- जिनमें आई 20, मारुति सुजुकी ब्रेजा, स्विफ्ट डिजायर और फोर्ड इकोस्पोर्ट जैसी पुरानी कारों का इस्तेमाल किया जा रहा था। इन गाड़ियों को कई हाथों में ट्रांसफर किया गया था, ताकि पुलिस साजिशकर्ताओं तक न पहुंच सके। यह तरीका आतंकियों की चालाकी के साथ-साथ उनके व्यापक नेटवर्क की पुष्टि करता है। जांच में सामने आया है कि यह पूरी पूरी साजिश 6 दिसंबर को अयोध्या में हुई बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर बदला लेने की नीयत नीयत से रची गई थी। 33 साल पुराने घटना का हवाला देकर आज भी देश को अस्थिर करने की कोशिशें जारी हैं, यह अपने आप में बेहद चिंताजनक है। इसके अलावा पहले इस धमाके को शुरू में एक स्थानीय घटना माना जा रहा था, लेकिन अब इसके तार अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क से जुड़ते नजर आ रहे हैं। और इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि यह साजिश किसी एक हमले तक सीमित नहीं थी, बल्कि देशभर में दहशत फैलाने की एक विस्तृत योजना का हिस्सा थी। जांच एजेंसियों के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े मॉड्यूल ने न केवल हथियार और विस्फोटक जुटाए थे, बल्कि 32 कारों को आईईडी से लैस कर आत्मघाती धमाकों के लिए तैयार किया जा रहा था। यह संयोग नहीं है कि इन कारों का उपयोग 6 दिसंबर को, बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर, विभिन्न जगहों पर धमाके करने के लिए होना था। कई प्रमुख स्थानों को निशाना बनाया जाना था जिनमें सिर्फ दिल्ली में छह प्रमुख लोकेशन शामिल थीं। यह स्पष्ट संकेत है कि आतंकियों का मकसद सिर्फ दहशत फैलाना नहीं, बल्कि देश को कई मोर्चों पर अस्थिर करना था। इस पूरी साजिश को और गंभीर बनाता है इसका अंतरराष्ट्रीय पहलू। जांच एजेंसियों का मानना है कि तुर्किये में बैठे एक हैंडलर से उमर नबी लगातार संपर्क में था। हैंडलर का कोड नेम उकासा था। जांच में खुलासा हुआ है कि उमर 2022 में तुर्किये गया था, जहां उसने जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े लोगों के साथ सीक्रेट मीटिंग की। टेलीग्राम से शुरू हुई बातचीत एन्क्रिप्टेड ऐप्स तक पहुंची, और वहीं कारों में विस्फोटक भरकर दिल्ली और अयोध्या जैसे शहरों को दहलाने की साजिश रची गई। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, उकासा दिल्ली स्थित मॉड्यूल और प्रतिबंधित संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और अंसारगजवत उल हिंद के हैंडलरों के बीच मुख्य कड़ी के रूप में काम करता था। अधिकारियों ने बताया कि यह साजिश 2022 की शुरूआत शुरूआत में तुर्की में रची गई थी, जहां उमर और तीन अन्य जो सभी पाकिस्तान समर्थित दो समूहों से जुड़े थे, वहां गए थे। उमर मार्च 2022 में तुर्किये गया था और दो हफ्ते अंकारा में रहा था। उकासा ने ही उन्हें सीक्रेट सेल बनाने और डिजिटल फुटप्रिंट से बचने का तरीका बताया था। कथित तौर पर इस ऑपरेशन के लिए तीन कारें, एक हुंडई आई 20, एक लाल रंग की फोर्ड इकोस्पोर्ट और एक मारुति ब्रेजा खरीदी गई थीं। स्ट है कि आतंकवादी नेटवर्क की गतिविधियां अब सीमापार फैले हुए संरचनात्मक सहयोग से चल रही हैं। यह भी स्पष्ट हो चुका है कि भारत में स्लीपर सेल का जाल पहले से अधिक गंभीर व खतरनाक रूप ले चुका है।ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह माना जा रहा था कि आतंकवादी संगठन भारत की धरती पर कोई बड़ा हमला करने की हिम्मत नहीं करेंगे। लेकिन इस घटना ने उस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। इस पूरी जांच का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह कैसे संभव हुआ कि आतंकियों को दिल्ली जैसे शहर में सहानुभूति के ठिकाने मिल सके ? कश्मीर में दशकों से कुछ क्षेत्रों में आतंकी नेटवर्किंग के प्रति सहानुभूति का वातावरण बनता रहा है, जिससे आतंकियों को पनाह मिलती रही। लेकिन दिल्ली में ऐसा कोई इतिहास नहीं रहा है। ऐसे में यह सवाल और भी पेचीदा हो जाता है है कि आखिर आतंकियों ने यहां कैसे अपने नेटवर्क को सक्रिय किया और कैसे स्थानीय सहयोग हासिल किया? यह बात साफ दिखाती है कि सुरक्षा एजेंसियों को अब आतंकवाद के स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों आयामों को नए सिरे से समझने की आवश्यकता है। अब आवश्यकता इस बात की है कि जांच केवल आरोपियों को पकड़ने तक सीमित न रहे, बल्कि उससे आगे जाकर यह समझा जाए कि सिस्टम की ऐसी कौन-सी कमजोरियां हैं जिनका फायदा उठाकर आतंकियों ने इतनी बड़ी साजिश को जन्म दिया। यह भी अत्यंत जरूरी है कि देश की सुरक्षा प्रणाली में ऐसी दीर्घकालिक रणनीति तैयार की जाए जो आतंकवाद को केवल जड़ से उखाड़े ही नहीं, बल्कि उसकी संभावनाओं को भी समाप्त कर दे। आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी लड़ाई केवल सुरक्षा एजेंसियों के बल पर नहीं लड़ी जा सकती। इसके लिए प्रशासन, खुफिया एजेंसियों और नागरिक समाज के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता है। सबसे अहम बात यह है कि जनता की भागीदारी सुनिश्चित हो। किसी भी समाज में आतंकवादी विचारधारा तभी पनपती है जब उसे स्थानीय समर्थन या सहानुभूति मिलती है। इसलिए यह आवश्यक है कि ऐसे तत्वों की पहचान कर उन्हें सामाजिक रूप से अलग-थलग किया जाए। सुरक्षा रणनीति में यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि भारत-विरोधी तत्व चाहे वे सक्रिय हों अथवा स्लीपर सेल को निष्प्रभावी करने के लिए बहु-स्तरीय योजना काम में लाई जाए। इसके तहत निगरानी तंत्र को आधुनिक तकनीक से लैस करना, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा ढांचे को और सुदृढ़ बनाना शामिल होना चाहिए। यह विस्फोट एक चेतावनी है कि आतंकवाद ने अपना रूप, साधन और संचालन का ढांचा बदल लिया है।

लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुचिता का प्रश्न और एसआईआर की अनिवार्यता

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां शासन की असली शक्ति जनता के हाथों में निहित मानी जाती है। यहां सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है और संविधान की स्पष्ट व्यवस्था के अनुसार यह प्रक्रिया चुनाव आयोग की निष्पक्ष संरचना और उसकी कार्यशैली द्वारा संचालित होती है। मतदाता सूची इस पूरी प्रक्रिया की आधारशिला है-क्योंकि उसी के माध्यम से नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। इसलिए मतदाता सूची की विश्वसनीयता और शुचिता लोकतंत्र की स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यही संदर्भ विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया-स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर)-को अत्यधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

मतदाता सूची में त्रुटियां कई रूपों में सामने आती हैं- मृत व्यक्तियों के नाम, एक व्यक्ति का दो स्थानों पर नाम, पात्र मतदाताओं के नाम का गायब होना, या पते के परिवर्तन के बावजूद संशोधन न होना। ऐसी स्थिति चुनावों की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 चुनाव आयोग को व्यापक अधिकार देता है, जिसमें चुनाव संचालन, नियंत्रण, निर्देशन और पर्यवेक्षण शामिल हैं। अतः एसआईआर केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवैधानिक रूप से स्थापित लोकतांत्रिक दायित्व है।

1950 में संविधान लागू होने के बाद से ही चुनाव आयोग नियमित रूप से मतदाता सूची में संशोधन करता रहा है। कुछ राज्यों में एसआईआर के दौरान बड़ी मात्रा में मृतकों के नाम हटाए गए, गलत प्रविष्टियां सुधारी गईं, और स्थानांतरित या नए पात्र मतदाताओं को सूची में जोड़ा गया। बिहार और बंगाल में हुए पुनरीक्षणों के उदाहरण बताते हैं कि लंबे समय से निष्क्रिय पड़े नामों को हटाने से मतदाता सूची अधिक वास्तविक और पारदर्शी बन सकी। बंगाल में 7.6 करोड़ मतदाताओं की सूची में से लगभग 47 लाख नाम हटाए गए, जिससे पता चलता है कि अगर नियमित संशोधन न हो तो सूची कितनी विकृत हो सकती है।

मतदाता सूची में त्रुटियां केवल तकनीकी समस्या नहीं- वे चुनावी निष्पक्षता, प्रतिनिधित्व के अधिकार और जनविश्वास पर सीधा आघात करती हैं। यदि किसी नागरिक का नाम सूची से गायब है, तो वह अपने मौलिक लोकतांत्रिक अधिकार-मताधिकार-से वंचित हो जाता है। दूसरी ओर, मृतकों या स्थानांतरित लोगों के नाम बने रहने से फर्जी मतदान या राजनीतिक दुरुपयोग की आशंका बढ़ती है। इन विसंगतियों से लोकतंत्र की वैधता कमजोर होती है।

कुछ लोग एसआईआर को राजनीतिक हस्तक्षेप या सरकार द्वारा मतदाता सूचियों में हस्तक्षेप के रूप में देखने लगते हैं, जबकि यह शंका तथ्यहीन है। मतदाता सूची का शुद्धिकरण किसी दल की जीत या हार के लिए नहीं, बल्कि निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए आवश्यक है। चुनाव आयोग पूर्णतः स्वायत्त संस्था है और उसके निर्णय न्यायालयों द्वारा भी संरक्षित माने जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कई फैसलों में स्पष्ट कहा है कि निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की आधारशिला है और इसके लिए मतदाता सूची की शुचिता सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

एसआईआर के दौरान नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। यदि लोग स्वयं अपनी प्रविष्टियों की जाँच न करें, त्रुटियाँ सम्बंधित बूथ लेवल अधिकारियों को न बताएं, और दस्तावेज उपलब्ध न कराएं तो प्रक्रिया धीमी हो जाती है। आज भी बड़ी संख्या में ऐसे नागरिक हैं जिनके नाम गलत होने पर वे स्वयं सुधार के लिए आगे नहीं आते। यह उदासीनता लोकतंत्र को कमजोर करती है। इसलिए चुनाव आयोग ने डिजिटल साधनों-जैसे वोटर हेल्पलाइन ऐप, ऑनलाइन फॉर्म, पोर्टल-का उपयोग बढ़ाया है ताकि लोग आसानी से संशोधन कर सकें।

एसआईआर के विरोध करने वालों को यह समझना चाहिए कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची में विसंगतियों को दूर करने, फर्जी मतदान रोकने और सही मतदाता आधार सुरक्षित करने के लिए है। जिन राज्यों में यह प्रक्रिया रोकी गई या राजनीतिक विवाद के कारण ठप हो गई, वहां मतदाता सूची में भारी त्रुटियाँ पाई गईं। ऐसे मामलों में न्यायालयों ने स्वयं दिशा-निर्देश जारी कर मतदाता सूची के शुद्धिकरण की आवश्यकता दोहराई है। अतः एसआईआर का विरोध लोकतांत्रिक मूल्यों का विरोध है।

भारत जैसे विशाल देश में जहां 96 करोड़ से अधिक मतदाता हैं, वहां मतदाता सूची का अद्यतन एक अत्यंत जटिल, विशाल और सतत प्रक्रिया है। इसे केवल सरकारी जिम्मेदारी मानना पर्याप्त नहीं; यह नागरिक कर्तव्य भी है। चुनाव आयोग केवल ढाँचा देता है, लेकिन उसे प्रभावी बनाने का दायित्व जनता के सहयोग पर निर्भर है। मतदाता सूची में अपनी प्रविष्टि को सही रखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना मतदान के दिन वोट देना।

अंततः, लोकतंत्र केवल मतदान का दिन नहीं-पूरी व्यवस्था का नाम है। इस व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए मतदाता सूची की शुचिता सर्वोपरि है। एसआईआर यही सुनिश्चित करता है कि चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय हों। यह लोकतांत्रिक प्रणाली की आत्मा को जीवित रखता है और नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षित करता है। इसलिए मतदाता सूची के नियमित शुद्धिकरण को लेकर जागरूकता बढ़ाना, नागरिकों को भागीदारी के लिए प्रेरित करना और एसआईआर जैसी प्रक्रियाओं को सहयोग देना हर जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

एंजेलिना जोली से प्रेरित हैं शीना चौहान

फिल्मी दुनिया में कई ऐसे किरदार होते हैं, जो न केवल दर्शकों के दिलों पर छा जाते हैं, बल्कि कलाकारों को भी प्रेरित करते हैं। इस कड़ी में अभिनेत्री शीना चौहान ने बताया कि उनके लिए आने वाली सीरीज में अपने किरदार को निभाने के लिए हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली का लोकप्रिय किरदार 'मेलफिसेंट' सबसे बड़ी प्रेरणा बना। एंजेलिना जोली ने डिज्नी की फिल्म 'मेलफिसेंट' में जिस तरह से एक 'विलेन' को ताकत, भावनाओं और मानवीय गहराई से पेश किया, उसने दुनियाभर के दर्शकों को प्रभावित किया था। शीना ने बात करते हुए कहा, ''एंजेलिना जोली का अभिनय केवल एक खलनायिका को दिखाने तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने उसे एक ऐसी स्त्री के रूप में पेश किया जो ताकतवर भी है, भावनाओं से भरी भी है, और संवेदनशील भी है। कुल मिलाकर उन्होंने अपने किरदार के जरिए कल्पनाओं को जगाया। वह एक ऐसी शक्ति थी, जिसमें प्यार, गुस्सा, दर्द और करुणा सब कुछ था। मैंने अपने किरदार में भी वही संतुलन लाने की कोशिश की है।'' शीना चौहान ने आगे कहा, ''सीरीज 'भयावह' में मेरा किरदार एक ऐसी औरत का है जो विद्रोही है, जुनूनी है और अपने विचारों में इंसानियत रखती है। अगर किसी भी नेगेटिव किरदार में भावनाओं और संवेदनशीलता की परतें जोड़ दी जाएं, तो वह और भी दिलचस्प बन जाता है। मेरी कोशिश यही रही कि दर्शक मेरे किरदार से डरें भी, लेकिन उसे समझें भी। अपने लुक और बदलाव के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि जब उन्होंने इस किरदार का रूप धारण किया, तो उन्हें खुद अपने अंदर एक अलग ऊर्जा महसूस हुई। उन्होंने कहा, 'जैसे ही मैंने सींग लगाए, रेड लिपस्टिक लगाई, और बालों को कर्ली किया, तो मुझे लगा कि मेरा किरदार मुझमें उतर आया है। मेरे किरदार में हास्य भी है और रहस्य भी। मुझे उसे निभाने में बहुत मजा आया और मैं चाहती हूं कि दर्शक भी उसे उतना ही पसंद करें।' 'भयावह' सीरीज साल 2026 में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी।

सुष्मिता सेन से लेकर सैफ अली खान तक

बॉलीवुड के ये सितारे अब वेब सीरीज में कमा रहे नाम

कई बॉलीवुड कलाकारों ने बड़े पर्दे पर बेहतरीन अभिनय किया है। शुरू से उनकी पहचान फिल्मों में काम करने की रही है। इनमें से कुछ कलाकारों ने अब बड़े पर्दे पर अभिनय करना बंद कर दिया है। हालांकि इन कलाकारों ने वेब सीरीज में अच्छा अभिनय किया है। इनके अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा भी है। आइए उन कलाकारों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने बड़े पर्दे के साथ वेब सीरीज में भी अच्छी अदाकारी की है।

सुष्मिता सेन- आर्या

लाखों दिलों की चाहत सुष्मिता सेन ने आर्या के जरिए सिनेमा में शानदार वापसी की। इसमें उन्होंने अपराध और खतरे का सामना करने वाली एक मां का किरदार निभाया। उनकी स्क्रीन उपस्थिति में शक्ति और कमजोरी का मिश्रण है। वेब सीरीज के फॉर्मेट को अपनाकर, सुष्मिता ने दिखाया कि कैसे बॉलीवुड के सितारे नई जिंदगी पा सकते हैं।

माधुरी दीक्षित- द फेम गेम

माधुरी दीक्षित लंबे वक्त से बड़े पर्दे पर राज करती रही है। उन्होंने वेब सीरीज द फेम गेम में अभिनय के जरिए यह साबित कर दिया कि यह प्लेटफॉर्म छोटा नहीं है। सीरीज में उन्होंने एक ऐसी सुपरस्टार का किरदार निभाया, जिसकी जिंदगी में कई राज छिपे हैं। उनके सहज आकर्षण ने इस सीरीज को दर्शकों के दिलों में जगह दिलाई। वेब सीरीज में माधुरी के प्रवेश ने दिखाया कि कैसे बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार भी नए दर्शकों से जुड़ने के लिए स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स का सहारा ले रहे हैं।

मनोज बाजपेयी-द फैमिली मैन

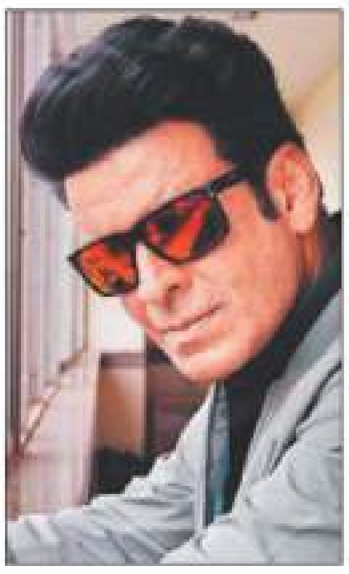

मनोज बाजपेयी ने द फैमिली मैन में श्रीकांत तिवारी नामक एक जासूस की भूमिका निभाकर फैंस के दिलों को जीत लिया। उन्होंने इसमें हास्य और चिंता से ग्रस्त व्यक्ति का किरदार निभाया। इस सीरीज के साथ, मनोज ने एक शानदार उदाहरण पेश किया कि कैसे बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार अच्छी कहानियों के साथ स्ट्रीमिंग में छा सकते हैं।

अभिषेक बच्चन ब्रीद इंटू द शैडो

अभिषेक बच्चन ने सीरीज ब्रीद इनटू द शैडोज से दर्शकों को प्रभावित किया है। इसमें उन्होंने एक पिता की भूमिका निभाई है। उनके डिजिटल डेब्यू ने दर्शकों को नया अनुभव दिया। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर अभिषेक के सफर ने दिखाया कि कैसे बॉलीवुड अभिनेता खुद को नया रूप दे सकते हैं। उन्होंने यह बताने की कोशिश की कि अपने बेहतरीन अभिनय से वह फैंस को हैरान कर सकते है।

सैफ अली खान सेक्रेड गेम्स

सैफ अली खान बड़े पर्दे के मशहूर अभिनेता है। हालांकि उन्होंने वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स में सरताज सिंह की भूमिका को पूरी ईमानदारी से निभाया है। वेब सीरीज में उन्होंने अपने अभिनय से फैंस को हैरान कर दिया है। डिजिटल ड्रामा में उनके अभिनय ने दूसरे बॉलीवुड कलाकारों को रास्ता दिखाया है। सैफ ने साबित कर दिया है कि स्ट्रीमिंग शो भी फिल्मों की तरह प्रभावशाली हो सकते है और दर्शकों से जुड़ सकते हैं। इसी तरह से नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने सेक्रेड गेम्स में अच्छा अभिनय किया। राधिका आप्टे ने लस्ट स्टोरीज में शानदार अभिनय किया। पंकज त्रिपाठी ने मिर्जापुर में अपने अभिनय का लोहा मनवाया है।

मैं अभी बहुत कुछ हासिल करना चाहती हूं

इंटरनेशनल स्टार बन चुकी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'एसएसएमबी 29' को लेकर चर्चाओं में है। एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में प्रियंका महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ नजर आएंगी। 15 नवंबर को फिल्म का एक बड़ा इवेंट होना है। इस बीच अभिनेत्री ने एक्स पर अपने फैंस के साथ बातचीत का एक सेशन चलाया। इस दौरान देसी गर्ल ने फैंस के सवालों के कुछ मजेदार जवाब भी दिए। आस्क पीसीजे सेशन की शुरुआत में प्रियंका ने अपनी एक सेल्फी शेयर करते हुए कहा कि वो अभी कार में है। आप सब कहा है? सेशन के दौरान एक फैन ने पूछा कि आपने बॉलीवुड, हॉलीवुड, म्यूजिक और प्रोड्यूसर के तौर पर सब कुछ एक्सप्लोर किया है। अब ऐसा क्या है जो आप सीखना चाहती हैं या कुछ नया क्रिएट करना चाहती हैं? इस पर पीसी ने जवाब दिया, 'मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरुआत भी नहीं की है। मैं अभी बहुत कुछ करना और हासिल करना चाहता हूं। उम्मीद है कि मैं कर पाऊंगी।'

इंडस्ट्री ने हमेशा मुझे काम, इज्जत और प्यार दिया

पॉलिटिकल ड्रामा महारानी के चौथे सीजन में रानी भारती (हुमा कुरैशी) की बेटी रौशनी भारती, जिसकी भूमिका निभा रही है अभिनेत्री श्वेता बसु प्रसाद। एक्ट्रेस ने हाल ही में बातचीत की और सीरीज को लेकर बात की।

बातचीत के दौरान, श्वेता कहती है, मैं महारानी के तीनों सीजन की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं। जब इस शो के क्रिएटर और राइटर सुभाष कपूर जी से मुलाकात हुई और उन्होंने सीजन 4 के लिए मेरा नाम सुझाया, तो यह मेरे लिए बेहद खुशी की बात थी। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने सीजन 1 में रौशनी भारती का किरदार लिखा था, तब ही मन बना लिया था कि लीप के बाद मुझे कास्ट करेंगे। किसी क्रिएटर का इस तरह का विश्वास एक कलाकार के लिए बहुत बड़ी बात होती है। इस फ्रेंचाइजी की लोकप्रियता, मजबूत लेखन और शानदार परफॉर्मेंस - इन सबने मुझे बहुत आकर्षित किया। अपने किरदार रौशनी भारती के बारे में श्वेता कहती है, स्पॉयलर तो नहीं दूंगी (हंसती हैं), लेकिन इतना जरूर कहूंगी कि रौशनी, रानी भारती की बेटी है - एक पॉलिटिकल परिवार में पली-बढ़ी, बेहद दमदार और अपने माता-पिता की विरासत को लेकर चलने वाली। इस बार वो पहले से ज्यादा मजबूत, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली नजर आएगी।

अपनी स्क्रिप्ट चॉइस को लेकर श्वेता हमेशा ईमानदार रही हैं। वह स्वीकार करती हैं, अगर दिल नहीं मानता, तो मैं प्रोजेक्ट नहीं करती। जैसा मैंने कहा, मैं पहले ऑडियंस हूं, फिर एक्टर। अगर मुझे लगे कि मैं खुद वो फिल्म नहीं देखना चाहूंगी, तो ऑडियंस का वक्त क्यों बर्बाद करूं? मेरी जिम्मेदारी है कि वही प्रोजेक्ट चुनूं जो ऑडियंस को पसंद आए। हिट-फ्लॉप तो किस्मत की बात है, पर इरादा हमेशा ईमानदार होना चाहिए। वह आगे जोड़ती हैं, मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानती हूं। मैं एक आउटसाइडर रही हूं, लेकिन इस इंडस्ट्री ने हमेशा मुझे काम, इज्जत और प्यार दिया। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मुझे मेरी मेहनत का फल नहीं मिला। यहां धैर्य और अनुशासन बहुत जरूरी है और अब मुझे लगता है कि मेहनत का असर दिख रहा है। हुमा कुरैशी के साथ काम को लेकर श्वेता बसु प्रसाद का अनुभव बेहद खास रहा।

मैंने 'रिटेक' लिखी और डायरेक्ट की...

अब श्वेता केवल कैमरे के सामने ही नहीं, बल्कि कैमरे के पीछे भी अपना टैलेंट दिखा रही हैं। वह बताती है, मैंने रिटेक नाम की एक शॉर्ट फिल्म लिखी और डायरेक्ट की है, जिसमें अनुपम खेर साहब है और अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने इसे प्रोड्यूस किया है। मैं फिलहाल नई स्क्रिप्ट्स पर काम कर रही हूं - शॉर्ट फिल्म ही नहीं, बल्कि फीचर फिल्म पर भी। आगे डायरेक्शन जरूर करूंगी, लेकिन एक्टिंग मेरा पहला प्यार है और रहेगा। कैमरे के आगे रहना मेरी पहचान है, वो कभी नहीं छोड़ूंगी।

शादी की होनी चाहिए एक्सपायरी डेट

अजय देवगन के साथ काजोल की शादी को 26 साल पूरे हो चुके हैं। लेकिन अब काजोल ने शादी को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया।

अभिनेत्री काजोल इन दिनों अपने टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। शो के लेटेस्ट एपिसोड में अब अभिनेता विक्की कौशल और अभिनेत्री कृति सेनन नजर आएंगी। हालांकि, शो के कुछ प्रोमो सामने आए हैं, जिनमें काजोल और ट्विंकल अपने मेहमानों के साथ जमकर मस्ती करती नजर आ रही हैं। अब इस एपिसोड के प्रोमो में दिखता है कि काजोल ने शादी की एक्सपायरी डेट होने का समर्थन किया है। साथ ही उन्होंने इस मामले में नया विकल्प होने की बात का भी पक्ष लिया है।

सिर्फ काजोल ने किया समर्थन

दरअसल, शो के 'ये या वो' सेगमेंट के दौरान सवाल पूछा गया, 'क्या शादी की एक एक्सपायरी डेट और रिन्यूवल का विकल्प होना चाहिए?' इस सवाल से कृति सेनन, विक्की कौशल और ट्विंकल ने अपनी असहमति जताई। उन्होंने इस सवाल पर रेड जोन चुना। लेकिन अभिनेता अजय देवगन की पत्नी और अभिनेत्री काजोल ने इस सवाल का समर्थन करते हुए ग्रीन जोन को चुना। इस पर ट्विंकल ने मजाकिया लहजे में कहा, 'नहीं, यह शादी है, वॉशिंग मशीन नहीं।'

सही व्यक्ति से शादी होने की क्या गारंटी

अपने फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए काजोल ने कहा कि मुझे तो बिल्कुल ऐसा ही लगता है। क्या गारंटी है कि आप सही समय पर सही व्यक्ति से शादी करेंगे? रिन्यूवल का विकल्प सही होगा और अगर कोई एक्सपायरी है, तो किसी को ज्यादा देर तक परेशान नहीं होना पड़ेगा। यही नहीं काजोल ने ट्विंकल को भी ग्रीन जोन में शामिल होने के लिए मनाने की कोशिश की। लेकिन ट्विंकल अपने विचार पर अड़ी रहीं।

ट्विंकल-विक्की का मानना पैसे से खरीद सकते है खुशी

इसी सेगमेंट के दौरान अगला स्टेटमेंट था, 'क्या पैसे से खुशी खरीदी जा सकती है।' इस बार ट्विंकल खन्ना और विक्की कौशल इस बात से सहमत नजर आए और उन्होंने ग्रीन जोन चुना। जबकि काजोल ने इस कथन पर अपनी असहमति जताई। काजोल ने कहा कि आपके पास चाहे कितना भी पैसा हो, यह वास्तव में एक बाधा बन सकता है। यह आपको असली खुशी से दूर कर देता है। वहीं कुछ देर सोचने के बाद कृति ने माना कि पैसे से कम से कम कुछ हद तक खुशी खरीदी जा सकती है।

काजोल और ट्विंकल का कॉमन है एक्स

गेम के बाद ट्विंकल ने कहा कि सबसे अच्छे दोस्तों को एक-दूसरे के एक्स को डेट नहीं करना चाहिए। फिर उन्होंने मजाकिया अंदाज में काजोल को गले लगा लिया। ट्विंकल ने कहा मजाक में कहा कि हमारा एक एक्स कॉमन है, लेकिन हम बता नहीं सकते। इस पर काजोल तुरंत हंस पड़ीं और ट्विंकल को चुप रहने के लिए कहा।

साउथ अफ्रीका ने ईडन गार्डन्स में तोड़ा 53 साल पुराना रिकॉर्ड, रच डाला ये इतिहास

कोलकाता (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला गया पहला टेस्ट मैच मात्र तीन दिनों में ही समाप्त हो गया। साउथ अफ्रीका ने इस मुकाबले में भारतीय टीम को करारी शिकस्त देते हुए दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 की अहम बढ़त बना ली है। इस जीत के साथ ही मेहमान टीम ने ईडन गार्डन्स के मैदान पर 53 साल पुराना एक बड़ा रिकॉर्ड भी ध्वस्त कर दिया है।

53 साल पुराना टूटा रिकॉर्ड

साउथ अफ्रीका ने भारत के सामने जीत के लिए केवल 124 रन का छोटा लक्ष्य रखा था। यह लक्ष्य भले ही छोटा था, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों के लिए इसे हासिल करना %पहाड़ चढ़ने% जैसा साबित हुआ। अगर भारतीय टीम यह लक्ष्य सफलतापूर्वक चेज कर लेती, तो वह 21 साल पहले कायम किए गए अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ती। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और इसके उलट, साउथ अफ्रीका ने 124 रन का यह मामूली स्कोर सफलतापूर्वक डिफेंड करके ईडन गार्डन्स पर सबसे कम स्कोर का बचाव करने का 53 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले, ईडन गार्डन्स पर सबसे कम स्कोर को डिफेंड करने का रिकॉर्ड 1972 में बने 192 रन का था, जिसे अब साउथ अफ्रीका ने 124 रन बचाकर पीछे छोड़ दिया है।

भारत में 15 साल बाद मिली टेस्ट जीत

124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में 100 रन भी नहीं बना सकी। कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति का झटका तो टीम को पहले ही लगा था, लेकिन बाकी बल्लेबाजों ने भी निराश किया। भारतीय टीम के 9 विकेट महज 93 रन पर गिर गए। परिणामस्वरूप, साउथ अफ्रीका ने यह मुकाबला 30 रन से जीत लिया। यह साउथ अफ्रीका की भारत में 15 साल बाद पहली टेस्ट जीत भी है।

पृथ्वी ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 5000 रन पूरे किये

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए पृथ्वी शॉ ने रणजी ट्रॉफी एलीट मैच में पंजाब के खिलाफ अर्धशतक लगाते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। पृथ्वी ने इस मैच में 74 रन बनाते ही फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 5000 रन पूरे कर लिये हैं। इसके लिए उन्होंने कुल 109 पारियां खेली हैं। शॉ ने पंजाब के हरप्रीत बराड़ के हाथों आउट होने से पहले 117 गेंदों पर 74 रन बनाये जिसमें 4 चौके और 2 छक्के शामिल हैं।

अब तक पृथ्वी ने कुल 36 मैचों की 109 पारियों में 5026 रन बनाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 379 रन वहीं औसत 47.16 रन है। इस दौरान स्ट्राइक रेट 84.07 रहा है। वहीं इस दौरान 14 शतक उन्होंने लगाये हैं। वहीं 20 अर्धशतक लगाये हैं। पृथ्वी ने इससे पहले 156 गेंदों पर 29 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 142.31 की स्ट्राइक रेट से 222 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 73 गेंदों में अपना शतक और 141 गेंदों में दोहरा शतक पूरा किया। उनके नाम 21वीं सदी में रणजी ट्रॉफी की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड भी है।

हार के लिए पिच को जिम्मेदार नहीं मानते : गंभीर

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही टेस्ट में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा है कि पिच को हम दोष नहीं देते हैं। उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल वैसी ही पिच थी जैसी उन्हें चाहिए थी। इस मैच में भारतीय टीम जीत के लिए मिले 124 रनों के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पाये और 93 रनों पर ही सिमट गयी। गंभीर ने कहा, 'ऐसा नहीं है कि इस पिच पर रन नहीं बनाये जा सकते थे। यह वैसी ही थी जैसी हमने मांगी थी और हमें वही मिला। उन्होंने क्यूरेटर सुजन मुखर्जी के काम को भी ठीक बताया। साथ ही कहा कि यह एक ऐसा विकेट है जिसपर मानसिक मजबूती की परीक्षा होती है। इसपर रक्षात्मक अंदाज से खेलने वाले रन बनाने में सफल रहे हैं।

गंभीर ने कहा कि दक्षिण अफ्रीकी कप्तान तेम्बा बावुमा ने 55 और वाशिंगटन सुंदर ने इस पिच पर 31 रन बनाकर दिखाया कि रन बनाये जा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'यह बिल्कुल वैसी ही पिच है जैसी हमें चाहिए थी। इसमें कोई भी कमी नहीं थी। अक्षर, टेम्बा, वाशिंगटन ने रन बनाए। टर्निंग विकेट होने के बाद भी इसपर तेज गेंदबाजों को काफी विकेट मिले हैं। गंभीर ने यह भी कहा कि टॉस के प्रभाव को कम करने के लिए हमने इस प्रकार की पिच तैयार करवायी थी। उन्होंने कहा, 'हम पहले दिन से ही स्पिनरों के लिए सहायक पिच की मांग करते हैं जिससे टॉस महत्वपूर्ण नहीं हो जाए। अगर हम टेस्ट जीत जाते, तो पिच के बारे में इतने बातें ही नहीं होतीं। हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी हालात में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

सिंधु और हर्षित की शानदार गेंदबाजी, भारत ए ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

राजकोट (एजेंसी)। निशांत सिंधु (चार विकेट) और हर्षित राणा (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद ऋतुराज गायकवाड़ (नाबाद 68) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ए ने रविवार को दूसरे अनौपचारिक एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ए को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी।

132 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत ए के लिए ऋतुराज गायकवाड़ और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। भारत ए का पहला विकेट नौवें ओवर की पहली गेंद पर अभिषेक शर्मा के रूप में गिरा। अभिषेक शर्मा ने 22 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 32 रनों की पारी खेली। उन्हें लुथो सिपाम्ला ने आउट किया। भारत ए ने 27.5 ओवर में एक विकेट पर 135 रन बनाकर मुकाबला 9 विकेट से जीत लिया।

तिलक वर्मा 62 गेंदों में 29 रन बनाकर नाबाद रहे। ऋतुराज गायकवाड़ ने 83 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 68 रनों की नाबाद मैच विजयी पारी खेली। इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका ए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज लुआन-द्रे प्रेटोरियस और रिवाल्डो मूनसामी की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 39 रन जोड़े। आठवें ओवर में हर्षित राणा ने लुआन-द्रे प्रेटोरियस (21) को आउटकर भारत ए को पहली सफलता दिलाई। 11वें ओवर में निशांत सिंधु ने रिवाल्डो मूनसामी (33) का शिकार कर लिया।

कप्तान मार्कस ऐकरमैन (7) और जॉर्डन हरमन (5) को हर्षित ने आउट किया। सिंधु ने सिनेतेम्बा केशिले (तीन) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। 73 पर पांच विकेट गिरने के बाद संकट में फंसी दक्षिण अफ्रीका के लिए डायन फॉरेस्टर और डेलानो पॉटगीटर की जोड़ी ने संभाल कर खेलते हुए छठे विकेट के लिए 34 रन जोड़े। 24वें ओवर में तिलक वर्मा ने डियान फॉरेस्टर (22) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा।

डेलानो पॉटगीटर (23) को प्रसिद्ध कृष्णा ने अपना शिकार बनाया। 29वें ओवर में निशांत सिंधु ने एन पीटर और लुथो सिपामला को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया। 31वें ओवर की तीसरी गेंद पर प्रसिद्ध कृष्णा ने ओनेलान सुब्रायेन (15) को आउट कर दक्षिण अफ्रीका ए टीम का 132 के स्कोर पर अंत कर दिया। भारत ए के लिए निशांत सिंधु ने 14 रन देकर चार विकेट लिये। हर्षित राणा ने 21 रन देकर तीन विकेट झटके। प्रसिद्ध कृष्णा को दो विकेट मिले। तिलक वर्मा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

मूक बधिर ओलंपिक में भारत के धनुष ने स्वर्ण जीता

टोक्यो। भारत के धनुष श्रीकांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां जारी बधिर ओलंपिक में पुरुषों की एयर राइफल स्पर्धा में पहला स्थान हासिल करने के साथ ही स्वर्ण पदक जीता। श्रीकांत ने सबसे अधिक 252.2 अंक हासिल करने के साथ ही नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। वहीं भारत की ओर से मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 के अंतिम स्कोर के साथ ही रजत पदक, जबकि कोरिया के बेक सेउंगहाक ने 223.6 के स्कोर के साथ ही कांस्य पदक पर कब्जा किया। भारत की ओर से धनुष ने क्वालिफिकेशन में 623.3 का स्कोर बनाया था और किम से पीछे रहे थे, जिन्होंने 625.1 का स्कोर बनाया था। भारत इस समय अंक तालिका में दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर आठवें स्थान पर है। वहीं यूक्रेन 19 स्वर्ण, छह रजत और 13 कांस्य पदक जीतकर तालिका में इस समय नंबर एक पर है। भारत ने 65 सदस्यीय दल में 10 निशानेबाज शामिल हैं।

शुभमन गर्दन में दर्द के बाद अस्पताल में भर्ती, जांच के बाद होगा आगे खेलने पर फैसला : बीसीसीआई

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल को गर्दन में दर्द के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऐसे में अब शुभमन इस मैच में शायद ही पहले टेस्ट में आगे खेल पायें। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी कहा है कि शुभमन के आगे खेलने का फैसला जांच पर निर्भर रहेगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ईडन गार्डन में बल्लेबाजी करने के दौरान एक शॉट लगाते समय उनकी गर्दन जकड़न आ गयी थी जिसके समस्या वह गर्दन को हिला भी नहीं पा रहे थे। इसी कारण उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुभमन अभी अस्पताल में हैं। (बीसीसीआई) ने कहा कि शुभमन को चिकित्सा निगरानी में रखा गया है उनके आगे खेलने का फैसला जांच रिपोर्ट के आधार पर ही लिया जाएगा हालांकि जिस प्रकार से उन्हें दर्द है उसको देखते हुए उन्हें शायद ही शामिल किया जाये।

भारतीय बल्लेबाजों को ऐसी पिचों पर रन बनाने का तरीका ढूंढना होगा, भारत की हार पर बोले पुजारा

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन मेजबान टीम को विश्व टेस्ट चैंपियन के हाथों हार का सामना करना पड़ा। जियोस्टार के पोस्ट-मैच शो 'क्रिकेट लाइव' में बोलते हुए जियोस्टार के विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा ने पिच के साथ भारत की मुश्किलों, बल्ले से कमजोरी और दूसरी पारी में कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति पर प्रकाश डाला। 'क्रिकेट लाइव' पर बात करते हुए पुजारा ने भी बताया कि पहले टेस्ट में टीम इंडिया के लिए क्या गलत हुआ। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि सबसे पहले, हमें नहीं पता कि टीम प्रबंधन वास्तव में ऐसी पिच चाहता था या नहीं। लेकिन सतह चाहे जो भी हो, आपको उस पर अच्छा प्रदर्शन करना होगा और अच्छी तैयारी करनी होगी। मैं कहूंगा कि हमें थोड़ी बेहतर गेंदबाजी करनी चाहिए थी और साथ ही, बेहतर बल्लेबाजी भी करनी चाहिए थी।' पुजारा ने कहा, 'दुर्भाग्य से हमारे पास एक बल्लेबाज कम था। शुभमन गिल पहली पारी में चोटिल हो गए और दूसरी पारी में भी उपलब्ध नहीं थे। यह भारतीय टीम के लिए एक बड़ा नुकसान था। लेकिन भारतीय बल्लेबाजों को ऐसी पिचों पर रन बनाने का तरीका ढूंढना होगा। अगर भारतीय टीम ऐसी सतहों पर और मैच खेलती है, तो रन बनाने के मौके कहां से आएंगे? यह एक ऐसी बात है जिस पर टीम मीटिंग में चर्चा होनी चाहिए। बल्लेबाजी कोच को भी बल्लेबाजों से बात करनी होगी। उन्हें अपने पैरों का इस्तेमाल करना होगा, स्वीप शॉट खेलना होगा और ऐसी पिचों पर थोड़ा और सकारात्मक खेलना होगा। आपको गेंदबाज पर दबाव बनाना होगा और यही कुछ ऐसा जो भारतीय बल्लेबाज इस खास टेस्ट मैच में करने में नाकाम रहे।'

वरुण चक्रवर्ती को मिली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तमिलनाडु की कप्तानी

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को इस साल की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए तमिलनाडु का कप्तान नियुक्त किया गया है। यह प्रतिष्ठित टी-20 टूर्नामेंट 26 नवंबर से पूरे देश में शुरू हो रहा है। वरुण चक्रवर्ती ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी सरजमीं पर खेली गई टी-20 श्रृंखला में अहम योगदान दिया, जिसमें तीन मैचों में उन्होंने पांच विकेट लिए और भारत की 2-1 से जीत में निर्णायक भूमिका निभाई।

भारतीय बल्लेबाज नारायण जगदीशन को तमिलनाडु टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। टीम में बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर और अद्रे सिद्धार्थ भी शामिल हैं, वहीं भारत के तेज गेंदबाज टी नटराजन को भी इस टूर्नामेंट के लिए टीम में जगह मिली है।

तमिलनाडु को इस सीजन की रणजी ट्रॉफी में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद एलीट ग्रुप डी में रखा गया है। इस ग्रुप में राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड, कर्नाटक, त्रिपुरा, झारखंड और सौराष्ट्र भी शामिल हैं। तमिलनाडु अपना अभियान अहमदाबाद में राजस्थान के खिलाफ मैच से शुरू करेगी। टीम का यह संतुलित संयोजन और वरुण चक्रवर्ती की कप्तानी तमिलनाडु के लिए इस सीजन में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद जगाती है।

तमिलनाडु का स्क्वॉड: वरुण चक्रवर्ती (कप्तान), नारायण जगदीशन, तुषार रहेजा, वीपी अमित सात्विक, शाहरुख खान, अद्रे सिद्धार्थ, प्रदोष रंजन पॉल, शिवम सिंह, आर साई किशोर, एम सिद्धार्थ, टी नटराजन, गुरजपनीत सिंह, ए एसाकीमुत्तु, आर सोनू यादव, आर सिलंबरसन और एस ऋत्विक ईश्वरन

गांगुली ने क्यूरेटर का बचाव किया, भारतीय टीम की मांग के अनुसार बनायी थी पिच, कोच गंभीर ने की थी पिच की आलोचना

कोलकाता। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के प्रमुख सौरव गांगुली ने पिच को लेकर हो रही आलोचनाओं को गलत बताया है। गांगुली ने क्यूरेटर सुजान मुखर्जी का बचाव करते हुए कहा कि पिच भारतीय टीम की मांग के अनुसार ही तैयार की गयी थी। ऐसे में टीम की हार के लिए पिच और क्यूरेटर को दोष देना ठीक नहीं है। कोलकाता की पिच पर भारत-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट तीसरे ही दिन समाप्त हो गया था। -इसी कारण कई दिग्गजों ने पिच पर सवाल उठाये हैं। इसको लेकर दिग्गज स्पिनर हरभजन ने कहा कि यहां तो सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे बल्लेबाजों के लिए भी खेलना कठिन है। गांगुली ने कहा- पिच भारतीय टीम की मांग पर बनाई गई है। जब आप चार दिनों तक पिच को पानी नहीं देते, तो यही होता है। क्यूरेटर की इसमें गलती कहीं से नहीं है। वहीं इससे पहले क्यूरेटर ने भी कहा था कि टीम प्रबंधन की ओर से 'रैंक टर्नर' जैसी कोई विशेष मांग नहीं की गयी थी। इस पिच पर दोनो ही टीमों 200 रनों तक भी नहीं पहुंच पायी। पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका ने 159 जबकि भारतीय टीम ने 189 रन बनाये दूसरी पारी में भी अफ्रीकी टीम 154 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद 124 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 93 रन ही बना पायी। तीन दिन में ही दोनो ही टीमों की कुल मिलाकर चार पारियां सिमट गयीं। वहीं इससे पहले भारतीय टीम और कोच गौतम गंभीर ने पिच की आलोचना करते हुए कहा था कि ये गेंदबाजी के लिए अनुकूल थी और इसमें बल्लेबाजों के लिए कुछ नहीं था।

जब धुरंधर भी नहीं बचा सके भारतीय बल्लेबाजी

- टी20 में टीम इंडिया की सबसे बड़ी नाकामियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 क्रिकेट में टीम इंडिया को दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में गिना जाता है। रोहित शर्मा, विराट कोहली और सुरेश रैना जैसे विस्फोटक बल्लेबाजों ने इस फॉर्मेट में कई ऐतिहासिक जीत दिलाई हैं। लेकिन इस सुनहरे सफर के बीच कुछ ऐसे दिन भी आए जब भारतीय बल्लेबाजी बुरी तरह लड़खड़ा गई और टीम 100 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई। ऐसे पांच मुकाबले भारतीय टी20 इतिहास के सबसे निराशाजनक दिनों में शामिल हैं।

भारत का अब तक का सबसे कम टी20 स्कोर 74 रन है, जो 2008 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बना था। उस दिन ऑस्ट्रेलियाई पेस अटैक के सामने भारतीय बल्लेबाज पूरी तरह असहाय दिखे। इरफान पठान ने 26 रन बनाकर कुछ उम्मीद जगाई, लेकिन बाकी बल्लेबाज रन जुटाने के लिए संघर्ष करते रहे और पूरी टीम 17.3 ओवर में ढह गई। 2016 टी20 विश्व कप का नागपुर मैच भी भारतीय फैंस के लिए किसी गहरे झटके जैसा था। न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर और ईश सोढ़ी ने धीमी पिच का फायदा उठाते हुए भारतीय बल्लेबाजों को 18.1 ओवर में सिर्फ 79 रन पर समेट दिया। इस हार ने साबित किया कि स्पिन-अनुकूल परिस्थितियों में भी भारत की बल्लेबाजी कमजोर पड़ सकती है।

2021 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भारत सीमित विकल्पों के साथ उतरा था, क्योंकि कोविड प्रोटोकॉल की वजह से कई खिलाड़ी आइसोलेशन में थे। युवा टीम श्रीलंकाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 20 ओवर में सिर्फ 81 रन जुटा पाई। यह हार न सिर्फ स्कोर के कारण चर्चा में रही, बल्कि इसलिए भी कि इस मैच ने टीम की बेंच स्ट्रेंथ की वास्तविक स्थिति सामने रखी। इसी तरह 2015 में कटक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजी बुरी तरह बिखर गई। तेज गेंदबाजों की उछाल और धार के सामने बल्लेबाजों ने गलत शॉट खेलकर विकेट गंवाए और टीम 17.2 ओवर में केवल 92 रन पर सिमट गई। 2016 में पुणे में श्रीलंका के खिलाफ हुई हार भी भारतीय क्रिकेट इतिहास की चौंकाने वाली घटनाओं में शामिल है।

डेब्यू मैच खेल रहे कसुन रजिता ने तीन विकेट लेकर भारत की बल्लेबाजी की रीढ़ तोड़ दी। नतीजा यह रहा कि टीम 18.5 ओवर में सिर्फ 101 रन बना पाई और मैच गंवा दिया। इन सभी मुकाबलों ने यह एहसास कराया कि चाहे टीम कितनी भी मजबूत क्यों न हो, गलत परिस्थितियों और आक्रामक गेंदबाजी के सामने बड़े-बड़े सितारे भी फ्लॉप हो सकते हैं। ये हारें भारतीय क्रिकेट के लिए सीख साबित हुईं कि किसी भी परिस्थिति या विपक्ष को हल्के में लेना बड़ा जोखिम बन सकता है।

हेजलवुड की चोट से ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, पर्थ एशेज टेस्ट से बाहर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पर्थ स्टेडियम में होने वाले पहले एशेज टेस्ट से ठीक एक हफ्ता पहले मेजबान टीम को बड़ा झटका लगा है। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन के कारण इस मुकाबले से बाहर हो गए हैं। हेजलवुड की अनुपस्थिति इंग्लैंड के लिए फायदा साबित हो सकती है, क्योंकि उनकी गिनती इस समय दुनिया के सबसे खतरनाक गेंदबाजों में होती है। इससे पहले कप्तान पैट कमिंस भी चोट के कारण टीम से बाहर हैं, जिससे ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी आक्रमण पर असर पड़ेगा। हेजलवुड ने दो दिन पूर्व सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर न्यू साउथ वेल्स के शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान विक्टोरिया के खिलाफ खेलते हुए हैमस्ट्रिंग में चोटिल हो गए थे। शुरुआती स्कैन में कोई गंभीर समस्या नहीं दिखी थी, लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने शनिवार को पुष्टि की कि दोबारा किए गए इमेजिंग स्कैन में उन्हें हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन है। सीए के बयान में कहा गया, 'शुरुआती इमेजिंग कभी-कभी कम-ग्रेड मांसपेशी चोटों को कम आंक सकती है। हेजलवुड अब पर्थ नहीं जाएंगे और उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है।' इस अवसर पर माइकल नेसर को हेजलवुड और सीन एबॉट की जगह कवर के रूप में टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नेसर ने अब तक दो टेस्ट मैच खेले हैं और 2021 में एडिलेड ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू किया था। हेजलवुड की चोट से ऑस्ट्रेलिया अब पर्थ में अपनी तेज गेंदबाजी लाइन-अप को लेकर संघर्ष कर रहा है, खासकर जब कमिंस भी पिछले हिस्से की चोट के कारण बाहर हैं।

भारत की हार पर कुंबले का बड़ा बयान: दक्षिण अफ्रीका ने परिस्थितियों का बेहतरीन इस्तेमाल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता टेस्ट के तीसरे दिन भारत को दक्षिण अफ्रीका के हाथों 30 रनों की हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद जियोस्टार के पोस्ट-मैच शो 'क्रिकेट लाइव' में पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने भारत की गलतियों, पिच की चुनौतियों और कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति पर खुलकर बात की।

कुंबले ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने मुश्किल परिस्थितियों का भारतीय टीम से कहीं बेहतर उपयोग किया। वे बोले, 'दक्षिण अफ्रीका ने निश्चित रूप से हालात का फायदा उठाया। पिच पर काफी उछाल और अनियमितता थी, लेकिन भारत फिर भी अधिक रन बना सकता था। शुभमन गिल का दोनों पारियों में न खेल पाना टीम के लिए बड़ी कमी साबित हुआ।'

उन्होंने आगे कहा कि बल्लेबाजी में भारत दबाव में घबरा गया और परिस्थितियों से जरूरत से ज्यादा डर गया। कुंबले बोले, 'वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल ने दिखाया कि टिके रहकर रन बनाए जा सकते हैं। लेकिन भारत ने पिच को देखकर खेला, गेंद को देखकर नहीं।'

भारत 123 रनों के लक्ष्य का पीछा नहीं कर सका, जिस पर कुंबले ने कहा कि भारतीय गेंदबाजी बदलाव भी उस समय थोड़े कठोर और रक्षात्मक नजर आए। 'दिन की शुरुआत में बुमराह को पहला ओवर न देना और बेहतरीन में खामियां भारत को भारी पड़ीं।'

उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा की जमकर तारीफ की और कहा कि उन्हें वह पहचान नहीं मिलती जिसके वे हकदार हैं। 'बावुमा ने कप्तान के रूप में 11 में से 10 टेस्ट जीते हैं। उनकी रणनीति, फील्ड सेटिंग और गेंदबाजों का इस्तेमाल शानदार था।'

कुंबले ने माना कि बावुमा के गेंदबाजी बदलाव ने मैच का रुख बदल दिया, खासकर जब एडेन मार्करम को सही समय पर लाया गया। हालांकि केशव महाराज का एक महंगा ओवर भी था, लेकिन टीम ने सही फैसलों से हालात अपने पक्ष में कर लिए। कुल मिलाकर, कुंबले ने साफ कहा कि, 'भारत इस मैच में दक्षिण अफ्रीका से हर विभाग में पीछे रहा और पिच को लेकर बहुत ज्यादा परेशान दिखा।'

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में क्रूरता! कुत्ते के 33 पिल्लों पर किया अमानवीय अत्याचार, दो भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। काठमांडू में दो भारतीय नागरिकों को कुत्तों के 33 बच्चों को अमानवीय परिस्थितियों में एक छोटे पिंजरे में रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आरोपियों की पहचान बिहार के पटना जिले के आलमगंज निवासी 18 वर्षीय मोहम्मद गुड्डू और 28 वर्षीय मोहम्मद नसाद के रूप में हुई है। नेपाल पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पुलिस की एक टीम ने चौमाटी क्षेत्र में एक किराए के शेड से कुत्ते के बच्चों को बचाया और उन्हें पुनर्वास के लिए एक गैर-सरकारी संगठन (टीम संकल्प नेपाल) को सौंप दिया। पुलिस ने बताया कि कुत्ते के बच्चों को अमानवीय तरीके से एक तंग पिंजरे में बंद पाया गया। दोनों गिरफ्तार लोगों को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

ट्रंप ने फिर की अपनी प्रशंसा, बोले- मैंने आज एक और युद्ध रोका!

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को दावा किया कि वह अमेरिका की मध्यस्थता से कंबोडिया और थाईलैंड के बीच हुए उस संघर्षविराम समझौते को बनाए रखने में सफल रहे हैं जो टूटने के कगार पर था। ट्रंप ने सप्ताहांत में फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो एस्टेट के लिए उड़ान भरते समय 'एयरफोर्स वन (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक विमान) में पत्रकारों से कहा, ''मैंने आज ही एक युद्ध रोका है। उन्होंने कहा कि उनके ये कदम दुनिया भर के देशों पर भारी शुल्क लगाने की उनकी इच्छाशक्ति के कारण संभव हुए हैं। ट्रंप का तर्क है कि उनकी देशों पर शुल्क लगाने की रणनीति के कारण अमेरिका को व्यापार और कूटनीतिक लाभ में बढ़ी बढ़त मिलती है। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने कंबोडिया और थाईलैंड के प्रधानमंत्रियों से फोन पर बात की थी, जो अब ''बहुत अच्छा कर रहे हैं। इन दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों के बीच सीमा को लेकर क्षेत्रीय विवाद के कारण जुलाई के अंत में पांच दिनों तक सशस्त्र संघर्ष चला था जिसमें कई सैनिक और आम नागरिक मारे गए थे। ट्रंप ने धमकी दी थी कि अगर दोनों देशों ने युद्ध नहीं रोका तो उन्हें व्यापार संबंधी विशेषाधिकार नहीं मिलेगा जिससे संघर्ष को अस्थायी रूप से रोकने में मदद मिली। हालांकि, इस सप्ताह संघर्षविराम उस समय टूटने की कगार पर पहुंच गया था जब कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेत ने कहा कि थाईलैंड के साथ लगती उनके देश की सीमा पर गोलीबारी में एक ग्रामीण की मौत हो गई।

जी20 से अमेरिका ने बनाई दूरी, अब खाली कुर्सी के हवाले अध्यक्षता

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा कि अगले सप्ताह होने वाले शिखर सम्मेलन में अमेरिकी नेतृत्व की अनुपस्थिति में दक्षिण अफ्रीका प्रतीकात्मक रूप से जी-20 की अध्यक्षता एक खाली कुर्सी को सौंप देगा। उन्होंने वाशिंगटन के साथ व्यापारिक संबंधों को सुधारने की आवश्यकता पर भी बल दिया उन्होंने श्वेत दक्षिण अफ्रीकियों की कत्ल किए जाने तथा उनकी भूमि से भगाये जाने के बारे में व्यापक रूप से खारिज किये गए दावों का हवाला दिया था। रामफोसा ने सोवेटो में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा, मैंने पहले भी कहा है कि मैं किसी खाली कुर्सी को अध्यक्षता सौंपना नहीं चाहता। लेकिन खाली कुर्सी तो वहां होगी ही, शायद प्रतीकात्मक रूप से उस खाली कुर्सी को सौंप दूंगा और फिर राष्ट्रपति ट्रंप से बात करूंगा। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह कहा था कि कोई भी सरकारी अधिकारी 22-23 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेगा, क्योंकि उनके अनुसार वहां मानवाधिकारों का हनन हो रहा है। दक्षिण अफ्रीकी अधिकारियों ने इस बात से इन्कार किया है कि अश्वेत बहुल इस देश में किसी को भी अपनी नस्ल के आधार पर भेदभाव का सामना करना पड़ता है।

कांग्रेस की इंटरनेशनल फजीहत, अमेरिकी सिंगर ने राहुल गांधी पर गाया ऐसा गाना; वीडियो वायरल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला किया, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाले राजग ने बिहार विधानसभा चुनाव में एक बड़ी जीत हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसक मिलबेन ने एक पोस्ट साझा कर कांग्रेस समर्थकों पर आरोप लगाया कि उन्होंने पहले इंटरनेट मीडिया पर उनके खिलाफ ट्रोलिंग की थी क्योंकि उन्होंने भाजपा का समर्थन किया था।

मिलबेन का पोस्ट : मिलबेन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, प्रिय राहुल गांधी, कांग्रेस और सभी गांधी गुंडों जिन्होंने मुझे कई हफ्ते पहले एक्स पर ट्रोल किया था और अब मेरे मित्र पीएम नरेन्द्र मोदी और भाजपा बिहार चुनाव में जीत रहे हैं। जबकि कांग्रेस और राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन को बिहार चुनाव में बुरी तरह हार का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने बिहार चुनाव में जीत का एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। पीएम मोदी का बड़ा संबोधन बिहार के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 90 सीटों पर बढ़त बनाई हुई है और एक प्रचंड जीत की ओर पार्टी बढ़ रही है। एनडीए की बात करें तो भाजपा और जनता दल यूनाइटेड समेत तमाम सहयोगी पार्टियों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। इन नतीजों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में स्थित भाजपा का मुख्यालय से कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और इस दौरान उनका एक अलग अंदाज दिखा। उन्होंने सबसे पहले गमछा लहराकर जीत का जश्न मनाया और फिर बिहार की जनता को संबोधित करते हुए कहा, लोगों ने गर्दा उड़ा दिया। महागठबंधन पर पीएम मोदी का निशाना पीएम मोदी ने इस दौरान कर्पूरी ठाकुर और जेपी नारायण को नमन भी किया। उन्होंने कहा कि जनता ने जंगलराज वालों के एमवाय फॉर्मूले को नकार दिया। उन्होंने कहा, कुछ लोगों ने तुष्टिकरण वाला एमवाय फॉर्मूला बनाया था। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार की जनता ने 2010 के बाद सबसे बड़ा जनादेश दिया है। उन्होंने एनडीए के सभी दलों की ओर से बिहार के लोगों का आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि अब साकारात्मक वाला एमवाय फॉर्मूला बना है।

व्हाइट हाउस ने ट्रंप की नई एच-1बी वीजा नीति पर दी सफाई

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने एच-1बी वीजा नीति को लेकर कहा कि 1 लाख डॉलर की नई फीस प्रणाली दुरुपयोग रोकने की पहली बड़ी कड़ी है। ट्रंप प्रशासन की एच-1बी वीजा नीति का बचाव करते हुए व्हाइट हाउस के प्रवक्ता टेलर रोजर्स ने आईएएनएस को बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने आव्रजन कानूनों को कड़ा करने और अमेरिकी श्रमिकों को प्राथमिकता देने के लिए आधुनिक इतिहास में किसी भी राष्ट्रपति से अधिक काम किया है। दरअसल, समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ बातचीत करते हुए व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने कहा कि नए एच1-बी वीजा आवेदनों के लिए आवश्यक 100,000 डॉलर का भुगतान प्रणाली दुरुपयोग को रोकने और यह सुनिश्चित करने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम है कि अमेरिकी श्रमिकों की जगह अब कम वेतन वाले विदेशी श्रमिक न आएं।

प्रोजेक्ट फायरवॉल : रोजर्स ने एच-1बी वीजा नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों की जांच के लिए हाल ही में शुरू किए गए प्रोजेक्ट फायरवॉल पर भी प्रकाश डाला। श्रम विभाग ने एच1-बी वीजा प्रणाली का दुरुपयोग करने वाली कंपनियों की जांच के लिए एक नई प्रवर्तन पहल के रूप में प्रोजेक्ट फायरवॉल शुरू किया है। रोजर्स ने आगे कहा कि ट्रंप प्रशासन एच1-बी प्रक्रिया में जवाबदेही बहाल करके अमेरिकी श्रमिकों की रक्षा कर रहा है, यह सुनिश्चित करते हुए कि इसका उपयोग केवल विशेष व्यवसायों में उच्चतम कुशल विदेशी श्रमिकों को लाने के लिए किया जाए, न कि कम वेतन वाले श्रमिकों को, जो अमेरिकियों को विस्थापित कर देंगे। व्हाइट हाउस की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप द्वारा इस कार्यक्रम का बचाव करने के कुछ दिनों बाद आई है, जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उनका प्रशासन एच-1बी वीजा को प्राथमिकता से हटाने की योजना बना रहा है।

अमेरिका बढ़ाएगा सऊदी अरब की ताकत, ट्रंप प्रिंस सलमान को देने जा रहे एफ-35 लड़ाकू विमान

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब और अमेरिका दोनों एक नए रक्षा अभ्यास की ओर बढ़ रहे हैं। डोनल्ड ट्रंप, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के काफी करीबी माने जाते हैं। साल के शुरुआत में सऊदी अरब ने ट्रंप से सीधे एफ-35 खरीदने में दिलचस्पी दिखाई थी। वहीं, शुक्रवार को ट्रंप ने इस बात का संकेत दे दिया कि वह सऊदी अरब को लॉकहीड मार्टिन द्वारा निर्मित एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की आपूर्ति के लिए एक समझौते पर सहमत होने पर विचार कर रहे हैं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा कि सऊदी अरब ढेर सारे विमान खरीदना चाहता है। मैं इस पर विचार कर रहा हूं। उन्होंने मुझे इस पर विचार करने के लिए कहा है। वे 35 विमान खरीदना चाहते हैं - लेकिन सऊदी अरब वास्तव में उससे भी ज्यादा लड़ाकू विमान खरीदना चाहता है। आर्थिक और रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर की उम्मीद बता दें कि प प्रशासन सऊदी अरब के 48 एफ-35 खरीदने के अनुरोध पर विचार कर रहा है। अमेरिका द्वारा यह संभावित बिक्री ऐसे समय में हो रही है, जब ट्रंप अगले हफ्ते व्हाइट हाउस में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की मेजबानी करने की योजना बना रहे हैं, जहां उनके बीच आर्थिक और रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। अब्राहम समझौते में शामिल होगा सऊदी अरब... बातचीत के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि यह मुलाकात से कहीं बढ़कर, हम सऊदी अरब का सम्मान कर रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि उन्हें उम्मीद है कि सऊदी अरब जल्द ही अब्राहम समझौते में शामिल होगा, जिसने इजराइल और मुस्लिम-बहुल देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाया है। रियाद ने फिलिस्तीनी राज्य के रोडमैप पर सहमति के अभाव में इस तरह के कदम का विरोध किया है।

स्टॉकहोम में बड़ा हादसा: बस स्टॉप पर घुसी बस, 6 लोगों की मौत, कई घायल

स्टॉकहोम, एजेंसी। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। शहर के एक व्यस्त इलाके में एक डबल-डेकर बस अचानक नियंत्रण खो बैठी और सीधे बस स्टॉप में घुस गई। पुलिस और राहत एजेंसियों ने बताया कि इस दुर्घटना में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। राहत दल के अनुसार हादसे के समय बस में कोई यात्री मौजूद नहीं था। बस सीधे फुटपाथ और बस स्टॉप की ओर मुड़ गई, जिसके कारण वहां खड़े लोग इसकी चपेट में आ गए। मौके पर भारी मात्रा में मलबा और टूटे हुए हिस्से बिखरे मिले। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे यह लगे कि यह हमला (अटैक) था। फिलहाल इसे अनैच्छिक हत्या यानी दुर्घटनावश हुई मौत का मामला मानकर जांच की जा रही है। बस चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है, हालांकि पुलिस का कहना है कि ऐसी घटनाओं में यह एक नियमित प्रक्रिया है ताकि चालक से पूछताछ की जा सके। पीड़ितों की पहचान का खुलासा नहीं पुलिस ने यह बताने से इनकार कर दिया कि मृतकों या घायलों में कितने पुरुष, महिलाएं या बच्चे थे। घटना में घायल लोगों का इलाज नजदीकी अस्पतालों में किया जा रहा है। घटना का स्थान – छात्र। यूनिवर्सिटी के पास हादसा स्टॉकहोम के रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के पास हुआ। यह क्षेत्र आमतौर पर छात्रों और यात्रियों से भरा रहता है। प्रधानमंत्री ने जताया दुख स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने एक्स पर लिखा- हम अभी इस हादसे के कारण का पता नहीं लगा पाए हैं, लेकिन मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों और परिवारों के साथ हैं, जो इस घटना से प्रभावित हुए हैं। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की कई टीमें मौके पर पहुंच गईं और क्षतिग्रस्त बस को घेर लिया गया। मलबा हटाने और घायलों को अस्पताल भेजने का काम तुरंत शुरू कर दिया गया है।

पाकिस्तान में संविधान संशोधन की समीक्षा की मांग, वकीलों ने किया जोरदार विरोध

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में जस्टिस अमीनुद्दीन खान ने नवगठित फेडरल कांस्टिट्यूशन कोर्ट (एफसीसी) के पहले मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति आवास पर आयोजित समारोह में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने उन्हें शपथ दिलाई। राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सिफारिश पर गुरुवार रात उनकी नियुक्ति की थी। संविधान के 27 वें संशोधन के जरिये संवैधानिक मामलों की निगरानी और उससे जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए यह नई कोर्ट गठित हुई है। सरकार के इस कदम का सुप्रीम कोर्ट में कड़ा विरोध हुआ है और उसके दो वरिष्ठ न्यायाधीशों ने इस्तीफा भी दे दिया है। जरदारी ने 6 न्यायाधीशों के नाम की घोषणा की देश में संविधान संशोधन से बने नए कानून की समीक्षा की मांग उठ रही है। कांस्टिट्यूशन कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश समेत सात न्यायाधीश होंगे। राष्ट्रपति जरदारी ने शुक्रवार को नवगठित कोर्ट के लिए नियुक्त छह न्यायाधीशों के नाम की घोषणा की। जस्टिस सैयद हसन अजहर रिजवी, अमीर फारूक और अली बकार नजफी को सुप्रीम कोर्ट से कांस्टिट्यूशन कोर्ट में स्थानांतरित किया गया है। नियुक्त हुए तीन अन्य न्यायाधीशों के नाम जस्टिस केके आगा, रोजी खान बारेच और अरशद हुसैन शाह हैं। इनमें अवकाश प्राप्त अरशद हुसैन शाह को तब नियुक्त किया गया जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश मुसर्रत हिलाली ने नवगठित न्यायालय में कार्य करने से इन्कार कर दिया। पाकिस्तान के वकीलों और राजनीतिक दलों ने 27 वां संविधान संशोधन लागू होने वाले दिन 13 नवंबर को काला दिवस बताया है। कहा, सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठ न्यायाधीशों- मंसूर अली शाह और अतहर मिनाल्लाह का इस्तीफा देना दुखद है। सरकार के इस कदम को न्यायपालिका को कमजोर करने की साजिश बताते हुए अपमानजनक बताया गया है। वकीलों ने दी चेतावनी वकीलों और राजनेताओं ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश याह्या अफरीदी से मांग की है कि वह पूर्ण पीठ गठित कर 27 वें संविधान संशोधन की समीक्षा करें जिसमें सुप्रीम कोर्ट के अधिकार कम करने और सेना के अधिकार बढ़ाने वाले कदम उठाए गए हैं। देश के अधिवक्ताओं के संगठन नए कानून के विरोध में आंदोलन करने की चेतावनी पहले ही दे चुके हैं।

नई जंग की आहट! चीन ने दुनिया का सबसे बड़ा जंगी बेड़ा कर लिया तैयार

बीजिंग, एजेंसी। दुनिया में नई जंग की आहट तेज होती दिख रही है। चीन ने 234 युद्धपोतों के विशाल नौसैनिक बेड़े के साथ अपने सबसे उन्नत जंगी जहाज 'सिचुआन' का समुद्री परीक्षण शुरू कर दिया है। ईएमएएलएस तकनीक से लैस यह जहाज लड़ाकू विमान और ड्रोन ऑपरेट करने की क्षमता रखता है। इस कदम ने ताइवान, अमेरिका और जापान की सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा दिया है, क्योंकि यह चीन की भारत-प्रशांत में बढ़ती सैन्य आक्रामकता का नया संकेत माना जा रहा है। चीन ने लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और ड्रोन को संचालित करने के लिए शुक्रवार को विद्युत

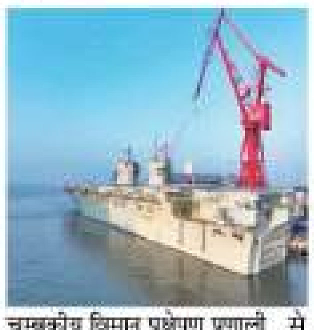

चुम्बकीय विमान प्रक्षेपण प्रणाली से लैस एक बड़े जंगी जहाज सिचुआन का समुद्री परीक्षण शुरू किया। चीनी नौसेना ने यह जानकारी दी। सशस्त्र संघर्ष के दौरान दुश्मन के इलाकों तक पहुंचने और थल सेना की मदद के लिए इस तरह के जहाजों का उपयोग किया जाता है। यह परीक्षण इस महीने की शुरुआत में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा देश के तीसरे विमानवाहक पोत, फुजियान, के जलावतरण के बाद हुआ है। नयी तरह का विमानवाहक पोत ईएमएएलएस से लैस सबसे आधुनिक युद्धपोत बताया जा रहा है। ईएमएएलएस का इस्तेमाल केवल अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड द्वारा किया जाता है।

आधिकारिक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सिचुआन ऐसा पहला जहाज है जो ईएमएएलएस से लैस है और यह जहाज बिजली से संचालित होता है। ईएमएएलएस, विमानवाहक जहाज पर विमानों के उतरने और उड़ान भरने की प्रक्रिया में तेजी ला सकता है। रक्षा विश्लेषकों का कहना है कि यह जहाज चीनी सैन्य बलों को ताइवान तट पर तेजी से पहुंचने में मदद कर सकता है। चीन, ताइवान के अपना हिस्सा होने का दावा करता रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के कारण, चीन विभिन्न वैश्विक समुद्री मार्गों पर परिचालन के लिए और अधिक विमानवाहक पोत बना सकता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चीन के पास जहाजों का अब दुनिया का सबसे बड़ा बेड़ा है, जिसमें 234 युद्धपोत हैं, जबकि अमेरिकी नौसेना के पास 219 युद्धपोत हैं।

430 ड्रोन-18 मिसाइलें! रूस का यूक्रेन पर अब तक का सबसे घातक हमला, कीव में 6 की मौत व 35 घायल

मास्को, एजेंसी। रूस द्वारा शुक्रवार तड़के यूक्रेन पर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 35 लोग घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि देश भर में हुए इस हमले में कम से कम 430 ड्रोन और 18 मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि देश के अन्य क्षेत्रों में हुए इस हमले का निशाना कीव था। जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा, «यह सुनियोजित हमला लोगों और आम नागरिकों को यथासंभव अधिक नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया था।» उन्होंने बताया कि हमला इतना जोरदार था कि मिसाइल के टुकड़ों से अजरबैजान दूतावास क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 35 लोग घायल हो गए। मॉस्को ने असैन्य क्षेत्रों को निशाना बनाए जाने से इनकार किया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने यूक्रेन के ''सैन्य-औद्योगिक और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर रात में हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों ने इन दावों को खारिज किया और आवासीय परिसरों एवं सार्वजनिक भवनों को हुए नुकसान को दर्शाया। दार्नित्स्की जिले में मलबा एक आवासीय इमारत के प्रांगण और एक शैक्षणिक संस्थान के परिसर में गिर गया। गिरते हुए मलबे की चपेट में आने से एक कार में आग लग गई। द्नीप्रोव्स्की जिले में हमले के कारण तीन अपार्टमेंट, एक घर और खुले क्षेत्र में आग लग गई। हमले से पोदिल्स्की जिले में पांच आवासीय और एक गैर-आवासीय भवन क्षतिग्रस्त हो गए। शेवचेंकोव्स्की जिले में जलता मलबा गिरने से एक खुले क्षेत्र और गैर-आवासीय भवन में आग लगी। होलोसीव्स्की जिले में हमले की वजह से एक अस्पताल में आग लग गई और एक गैर-आवासीय भवन को नुकसान पहुंचा। देस्नियान्स्की और सोलोमियान्स्की जिलों में हमलों के बाद रिहायशी इमारतों में आग लग गई, वहीं स्वियातोशिन्स्की जिले में एक निजी घर में आग लग गई।

अमेरिका में कॉफी, चाय और फलों पर कम हुआ टैरिफ

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में बढ़ती महंगाई और उपभोक्ताओं की शिकायतों के बीच राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने बड़ा फैसला लिया है। ट्रंप ने ने खाद्य आयात पर लगने वाले टैरिफ को घटा दिया है। इससे भारत के आम, अनार और चाय निर्यात को फायदा हो सकता है। दरअसल, ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ का असर सीधे उपभोक्ताओं पर पड़ रहा था। हाल ही में अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क में हुए मेयर और गवर्नर चुनाव में महंगाई बड़ा मुद्दा थी। इस चुनाव में ट्रंप को हार का सामना करना पड़ा। जिसके बाद ट्रंप ने बीफ, कॉफी और फलों सहित दर्जनों कृषि उत्पादों पर लगे टैरिफ को हटाने का फैसला किया है। भारत को क्या हुआ लाभ? व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को घोषणा की कि उष्णकटिबंधीय फल और जूस, चाय और मसाले उन आयातों में शामिल हैं जिन पर पारस्परिक शुल्क नहीं लगेगा। व्हाइट हाउस फैक्टशीट में उल्लिखित अन्य वस्तुएं कॉफी और चाय, कोको, संतरे, टमाटर और बीफ थीं। जिन पर टैरिफ घटाया गया है। ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क लगाया और रूसी तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क जोड़ा। लेकिन मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए, ट्रंप ने पहले जेनेरिक दवाओं को शुल्क से मुक्त कर दिया था, जिससे भारत को बड़ा लाभ हुआ, जो अमेरिका में निर्धारित 47 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। वहीं, अब खाद्य आयात घटाने से आम, अनार और चाय निर्यात में वृद्धि देखने को मिलेगी। ट्रंप नहीं उतरे उम्मीदों पर खरे इस हफ्ते जारी एनबीसी न्यूज के एक सर्वेक्षण में, 63 प्रतिशत पंजीकृत मतदाताओं ने कहा कि जीवन-यापन की लागत और अर्थव्यवस्था के मामले में ट्रंप उनकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे, और 30 प्रतिशत रिपब्लिकन इससे

सहमत थे। ट्रंप ने किफायतीपन के मुद्दे को डेमोक्रेट्स द्वारा किया गया पूरी तरह से धोखा बताते हुए इसे खारिज कर दिया और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में पेट्रोल और ऊर्जा की कम कीमतों और उच्च मुद्रास्फीति दर की ओर इशारा किया, जब यह एक समय 19.7 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। हालांकि बाइडेन के कार्यकाल में तेजी से बढ़ती मुद्रास्फीति पर बहस हुई है, फिर भी यह तेजी से बढ़ रही है, सितंबर में यह 3 प्रतिशत दर्ज की गई। लेकिन कुछ खाद्य उत्पादों की कीमतों में टैरिफ के कारण वृद्धि दर्ज की गई है। आयात की कीमतों में 30 प्रतिशत वृद्धि सितंबर के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार, भुनी हुई कॉफी की कीमतों में 18.9 प्रतिशत और बीफ और वील की कीमतों में 14.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारतीय किराना दुकानों में भारत से मसालों और खाद्य पदार्थों के आयात की कीमतों में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आम और अनार का निर्यात बढ़ने की संभावना गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश द्वारा टैरिफ हटाने के बाद भारत से आम के आयात का भारत-अमेरिका संबंधों में एक विशेष स्थान है। मिसाइलों, परमाणु सहयोग और प्रौद्योगिकी नवाचार के साथ-साथ आमों को भी फरवरी में ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान जारी संयुक्त बयान में जगह मिली। बयान में कहा गया कि भारत ने अमेरिका को भारतीय आमों और अनारों का निर्यात बढ़ाने के लिए अमेरिका द्वारा उठाए गए कदमों की भी सराहना की।

देर रात मिली दो ट्रेनों में बम रखे होने सूचना, यात्रियों में मचा हड़कंप

-एक ट्रेन को अलीगढ़ तो दूसरी को इटावा में रोक कर किया चेक, अफवाह निकली

इटावा (एजेंसी)। दिल्ली ब्लास्ट के बाद बम की सूचना ने रेलवे और पुलिस प्रशासन की नींद उड़ा दी। दो ट्रेनों में बम की सूचना मिली थी। इससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। दोनों ट्रेनों को रोककर जांच की गई। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात पुलिस महकमे में उस समय अफरा तफरी मच गई जब इटावा जंक्शन पर दिल्ली से आने वाली दो ट्रेनें स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस व शिवगंगा काशी एक्सप्रेस में बम रखे होने की सूचना मिली तुरंत चेकिंग के निर्देश दिए गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस को अलीगढ़ में चैक किया। शिवगंगा ट्रेन को इटावा में चैक किया गया। एसएसपी पुलिस बल के साथ स्टेशन पर पहुंचे और चैकिंग की। हालांकि चैकिंग में कुछ नहीं मिला। यह खबर झूठी निकली। कुछ देर बाद ट्रेन को रवाना किया गया।

सोनभद्र में खदान धंसने से बड़ा हादसा : 1 की मौत, 15 के दबे होने की आशंका

सोनभद्र (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में शनिवार शाम बड़ा हादसा हो गया, जब ओबरा थाना क्षेत्र के बिल्ली मरकुंडी खनन इलाके में पत्थर की खदान धंस गई। हादसे में अब तक एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि करीब 15 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं और रातभर से राहत-बचाव कार्य जारी है। भारी मलबे को हटाने के लिए बड़ी मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जैसे-जैसे मलबा हटेगा, फंसे लोगों तक पहुंचने की उम्मीद बढ़ेगी। घटनास्थल के आसपास के गांवों में दहशत और बेचैनी का माहौल है।

माकपा ने तमिलनाडु में गणना फॉर्म समय सीमा बढ़ाने की मांग की

नई दिल्ली। एजेंसी। माकपा ने आरोप लगाया कि 2002 से संबंधित मतदाता सूची में परिवार के सदस्यों के नाम ऑनलाइन ढूंढना बेहद कठिन है। पार्टी ने निर्वाचन आयोग से आग्रह किया है कि गणना फॉर्म जमा करने की समय सीमा 4 दिसंबर तक बढ़ाई जाए। निर्वाचन आयोग ने दावा किया था कि 13 नवंबर तक लगभग 80 प्रतिशत मतदाताओं को फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं। माकपा ने इस दावे पर संदेह जताते हुए सभी लोगों तक फॉर्म का उचित वितरण सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के हस्तक्षेप की मांग की है। माकपा के राज्य सचिव पी. षणमुगम ने कहा कि बीएलओ अक्सर फॉर्म के दायरे और भरने के मुख्य बिंदुओं को समझाने में कठिनाई महसूस करते हैं। इसलिए निरक्षर मतदाता फॉर्म भरने में मुश्किलों का सामना करते हैं और उन्हें समय सीमा बढ़ाने की जरूरत है।

सुकमा में नक्सलियों के साथ मुठभेड़, तीन की मौत

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के भेज्जी और चिंतागुफा थाना क्षेत्रों में रविवार सुबह जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की टीम ने नक्सल विरोधी अभियान चलाया। माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, मुठभेड़ में अब तक तीन नक्सली मारे गए हैं। अभियान अभी भी जारी है। इस साल छत्तीसगढ़ में अब तक कुल 262 नक्सली मारे जा चुके हैं। इनमें से 233 बस्तर संभाग (सुकमा सहित सात जिले) में, 27 गरियाबंद जिले (रायपुर संभाग) में और दो दुर्ग संभाग के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में मारे गए। सुरक्षाबलों की यह कार्रवाई राज्य में नक्सली गतिविधियों को कम करने के प्रयासों का हिस्सा मानी जा रही है।

ट्रेन में बुजुर्ग दंपति के बैग से 50 लाख के गहने चोरी, 4 सदस्यीय गैंग गिरफ्तार

कोझिकोड। एजेंसी)। चेन्नई-मेंगलुरु ट्रेन में यात्रा कर रहे एक बुजुर्ग दंपति के बैग से करीब 50 लाख रुपये के सोने और हीरे के गहने चोरी करने वाले चार आरोपियों को रेलवे पुलिस ने गिरफ्त में ले लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी हरियाणा के रहने वाले हैं और एक अंतरराज्यीय चोर गिरोह का हिस्सा हैं। चोरी को लेकर दंपति ने मीडिया को बताया कि यात्रा के दौरान दो हिंदी भाषी युवकों ने बैग ऊपर रखने में उनकी मदद की थी। कोयिलांडी स्टेशन पहुंचने पर उन्हें गहने गायब मिले। शिकायत के बाद पुलिस ने रिजर्वेशन चार्ट, सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल नंबरों की लोकेशन के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। सुराग मिलने पर पुलिस ने केरल-कर्नाटक बॉर्डर के पास चारों आरोपियों को पकड़ा और चोरी किए गए सभी गहने बरामद कर लिए। जांच में सामने आया कि यह गिरोह एसी कोच में टिकट बुक कर अमीर यात्रियों को निशाना बनाता था। पुलिस ने बरामद गहने दंपति को लौटाने की तैयारी कर ली है। आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा।

18 तक महिलाएं कराएं ई-केवाईसी, तभी मिलेगा लड़की बहिन योजना का लाभ

मुंबई। एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने महिला कल्याण की प्रमुख योजना मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना के लाभार्थियों से कहा है कि वे अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया 18 नवंबर तक पूरी कर लें। सरकार इस सत्यापन को जरूरी कर रही है ताकि असली और पात्र महिलाएं ही इस योजना का लाभ ले सकें। शुरुआती जांच में लाखों संदिग्ध रिकार्ड मिले थे कुछ में पुरुषों का नाम भी था इसलिए यह कदम उठाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक योजना जून 2024 में शुरू की गई थी। इसके तहत हर एलिजिबल महिला को हर महीने 1500 रुपए सीधे उनके बैंक खाते में डाले जाते हैं। विभाग ने कहा कि भुगतान सिर्फ उन्हीं को जारी होगा जिन्होंने तय समय में ई-केवाईसी पूरा किया होगा। अक्टूबर तक करीब 90 फीसदी रजिस्टर्ड महिलाओं ने ई-केवाईसी पूरी कर ली थी, ऐसा बताया गया है। सरकार ने ई-केवाईसी अनिवार्य इसलिए किया है ताकि फर्जी या गलत रिकॉर्ड हटाए जा सकें और सरकारी राशि सही लाभार्थियों तक पहुंचे जिन महिलाओं अभी तक वेरिफिकेशन नहीं कराया है, उन्हें सरकार की तरफ से दी गई नई अंतिम तिथि का ध्यान रखना होगा, वरना उन्हें लाभ बंद होने का खतरा है।

आतंकी उमर ने घर में बना रखी थी बम बनाने की प्रयोगशाला

- पाकिस्तान के हैंडलर वीडियो भेजकर देते थे ट्रेनिंग

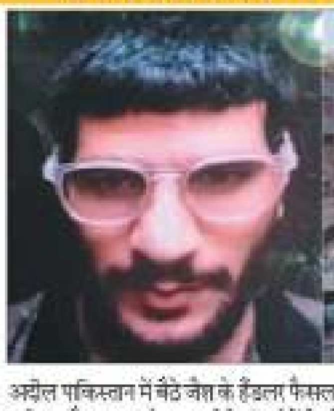

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कार धमाके और आतंकी उमर को लेकर लगातार खुलासे हो रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि धमाका करने वाले आतंकी ने अपने किराए के मकान में ही बम बनाने की प्रयोगशाला तैयार की थी। वहीं पाकिस्तान के हैंडलर उसे ट्रेनिंग देते थे। सूत्रों का कहना है कि उसने कार में आईईडी रखी थी जो कि ठीक से असेंबल नहीं थी। यह आईईडी उसने अपने घर पर ही तैयार की थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उमर के मकान में छापेमारी के दौरान बम की फैक्ट्री पाई गई है जिसमें कई टेस्टिंग उपकरण भी मौजूद थे। फरीदाबाद से डॉ. मुजम्मिल की गिरफ्तारी के बाद उमर की लैब के बारे में पता चला था। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि डॉ. मुजम्मिल और डॉ. अदील पाकिस्तान में बैठे जैश के हैंडलर फैसल, हाशिम और उकाशा के साथ सीधे संपर्क में थे। वे टेलीग्राम के जरिए बात करते थे।

एजेंसियों का मानना है कि डॉ. उमर बम बनाने में एक्सपर्ट था, इसीलिए उसने अपने ही घर पर लैब बना रखी थी। पाकिस्तान से उसे वीडियो भेजे जाते थे। हैंडलर्स के निर्देश के मुताबिक ही केमिकल का इस्तेमाल करता था। जांच में फरीदाबाद में दो जगहों से 358 किलोग्राम और 2563 किलो विस्फोटक बरामद हुआ था।

यह विस्फोटक सूटकेस और बैग में पैक था। इसमें कोई भी धातु का टुकड़ा नहीं था। आम तौर पर आतंकी बम में लोहे के छर्रों का इस्तेमाल करते हैं जिससे घायल होने वालों की तादाद बढ़ जाती है। एजेंसियों का कहना है कि शनिवार को नौगाम के थाने में हुआ विस्फोट भी फरीदाबाद मॉड्यूल से जुड़ा था। फरीदाबाद से बरामद किया गया विस्फोटक नौगाम थाने में जांच के लिए रखा था। डीजीपी ने बताया था कि सैंपलिंग के दौरान ही इसमें धमाका हुआ था।

उमर फरार होने में कैसे कामयाब हो गया? एजेंसी पनाह देने वालों से कर रही पूछताछ

फरीदाबाद (एजेंसी)। 10 नवंबर को दिल्ली के लाल किले के पास आतंकी घटना को अंजाम दिया गया था, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई और कई लोग अस्पताल में जिंदगी और मौत से लड़ रहे थे। इस घटना के तार फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े मिले। कुछ घंटों पहले ही जम्मू कश्मीर पुलिस ने फरीदाबाद से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि लाल किले के सामने कार धमाका करने वाला उमर, डॉक्टर मुजम्मिल का करीबी था, जिसे पुलिस ने पहले ही हिरासत में लिया था लेकिन सवाल यह है कि बाकी संदिग्धों के साथ उमर क्यों नहीं पकड़ा गया और वह फरार होने में कैसे कामयाब हो गया?

दरअसल 30 अक्टूबर को जम्मू कश्मीर पुलिस ने डॉक्टर मुजम्मिल को हिरासत में लिया था। उमर को तभी खतरे का आभास हो गया और वह यूनिवर्सिटी छोड़कर भाग गया। उमर और मुजम्मिल पिछले दो साल से देश में किसी बड़ी आतंकी घटना की साजिश रच रहे थे। अल-फलाह विश्वविद्यालय के ही एक इलेक्ट्रीशियन ने उसे हिदायत कॉलोनी में किराए पर घर दिलवाया था। पुलिस ने घर के मालिक को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की है।

उमर और मुजम्मिल अपने मॉड्यूल को चलाने के लिए हवाला के जरिए पैसे भी ट्रांसफर करते थे। पुलिस उस हवाला नेटवर्क की तलाश कर रही है। दो हवाला ऑपरेटर्स की जांच भी जारी है। इसी कड़ी में पुलिस ने फरीदाबाद, नूंह समेत कई जगहों पर छापेमारी की है। यूनिवर्सिटी पर जांच एजेंसियों की पैनी नजर है। परिसर में पुलिस तैनात है। यूनिवर्सिटी में जाने-आने वाले लोगों की कड़ी निगरानी की जा रही है।

लाल कि़ला मेट्रो स्टेशन के सभी गेट फिर से खुले, सामान्य हुई आवाजाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने जानकारी दी है, कि सुरक्षा समीक्षा पूरी होने के बाद लाल कि़ला मेट्रो स्टेशन के सभी गेट यात्रियों के लिए खोल दिए गए हैं। स्टेशन पर अब सामान्य संचालन बहाल हो गया है।

इससे पहले शनिवार को डीएमआरसी ने चरणबद्ध तरीके से गेट नंबर दो और तीन को खोला था, जबकि शेष गेट सुरक्षा एजेंसियों की अनुमति मिलने तक बंद थे। यात्रियों की बढ़ती आवाजाही और जांच पूरी होने के बाद अब सभी एंट्री और एग्जिट पॉइंट खोल दिए गए हैं, जिससे स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन में भी राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि सोमवार, 10 नवंबर की शाम लाल कि़ला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में विस्फोट हुआ था। केंद्र सरकार ने इस घटना को 'आतंकवादी हमला' करार दिया था। धमाके में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई, जबकि कई अन्य घायल हुए थे। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी और एहतियातन लाल कि़ला मेट्रो स्टेशन को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। बीते दिनों एनआईए और दिल्ली पुलिस की टीमों ने घटनास्थल व आसपास के इलाके की गहन तलाशी ली। जांच में प्रगति होने और सुरक्षा स्थिति सामान्य होने के बाद स्टेशन को दोबारा खोलने का निर्णय लिया गया। मेट्रो अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे स्टेशन पर सुरक्षा जांच में सहयोग करें और किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत अधिकारियों को दें। इसके साथ ही डीएमआरसी ने आश्वासन दिया है कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी आवश्यक कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

बिहार में वोट कटवा पार्टी बनी जनसुराज, महागठबंधन को पहुंचाया नुकसान

-ओवैसी की पार्टी ने किया अच्छा प्रदर्शन, तो बसपा ने भी खोला खाता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना, (ईएमएस)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड जीत हासिल हुई है। सत्ताधारी गठबंधन को 202 सीटें मिलीं, जबकि महागठबंधन सिर्फ 35 सीटें ही हासिल कर सका। दोनों खेमों के लिए यह नतीजा चौंकने वाला रहा। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह रिजल्ट हम सबके लिए अविश्वसनीय है। न सिर्फ कांग्रेस, बल्कि बिहार की जनता और हमारे गठबंधन सहयोगी भी इस पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। किसी पार्टी का 90फीसदी स्ट्राइक रेट हो, ऐसा कभी नहीं हुआ। हम पूरे बिहार से डेटा इकट्ठा कर रहे हैं और गहन विश्लेषण करेंगे।

राजनीतिक रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी पहली बार मैदान में उतरी। भले ही पार्टी एक भी सीट नहीं जीत सकी, लेकिन 3.4 फीसदी वोट हासिल किए हैं। जन सुराज का खाता तो नहीं खुला, लेकिन दोनों गठबंधनों के लिए वोट कटवा साबित हुई। पीके की पार्टी ने जिन 238 सीटों पर चुनाव लड़ा, वहां एक सीट पर दूसरे स्थान पर रही। 129 पर तीसरे, 73 पर चौथे, 24 पर पांचवें और 12 पर छठे से नौवें स्थान के बीच रही। इस तरह पार्टी ने दोनों एनडीए और एमजीबी को नुकसान पहुंचाया। 33 विधानसभाओं में जन सुराज का वोट शेयर जीत के अंतर से ज्यादा था। इनमें से 18 पर एनडीए और 13 पर महागठबंधन जीता।

वहीं बहुजन समाज पार्टी ने 181 सीटों पर चुनाव लड़ा। एक सीट जीती और एक पर दूसरे स्थान पर रही। बरसों से इंडिया गठबंधन की पार्टियां बसपा पर बीजेपी की बी-टीम होने का आरोप लगाती रही हैं। यूपी विधानसभा और लोकसभा चुनावों के बाद ये आरोप और तेज हो गए। बिहार के नतीजों से संकेत मिलता है कि मायावती की बसपा ने महागठबंधन को एनडीए से ज्यादा नुकसान पहुंचाया। 20 सीटों पर बसपा ने जीत के अंतर से ज्यादा वोट हासिल किए। इनमें से 18 पर एनडीए और सिर्फ 2 पर एमजीबी जीती। मायावती की मौजूदगी ने 90 फीसदी मामलों में एनडीए के पक्ष में काम किया।

असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम ने बिहार में काफी अच्छा प्रदर्शन किया और 5 सीटें जीतीं। इसने 2020 के प्रदर्शन को बरकरार रखा। एआईएमआईएम एक सीट पर दूसरे स्थान पर भी रही। इसने 9 विधानसभाओं के नतीजों को प्रभावित किया, जहां इसके वोट जीत के अंतर से ज्यादा थे। इनमें से 67फीसदी सीटें एनडीए के पास गईं और 33फीसदी एमजीबी के पास। चुनावी नतीजों से संकेत मिलता है कि तीन-तरफा मुकाबला एनडीए के लिए काफी फायदेमंद साबित हुआ। आरजेडी को 23.4फीसदी वोट मिले लेकिन सिर्फ 25 सीटें हासिल हुईं। बीजेपी ने 20.4फीसदी और जेडीयू 19.6फीसदी वोट शेयर के साथ तीन गुना ज्यादा सीटें हासिल हुईं। इससे पता चलता है कि एनडीए ने अपने वोट बैंक को एकजुट किया जबकि विपक्ष का वोट बिखर गया।

संदिग्ध आतंकी जुबैर हंगरगेकर के मोबाइल में बड़ा राज, पाकिस्तान कनेक्शन का खुलासा

पुणे (एजेंसी)। संदिग्ध आतंकी जुबैर हंगरगेकर की कॉन्टैक्ट लिस्ट में पाकिस्तानी नंबर मिलने की जानकारी सामने आई है। जुबैर हंगरगेकर के मोबाइल की कॉन्टैक्ट लिस्ट में 5 अंतरराष्ट्रीय नंबर मिले हैं। हंगरगेकर के पुराने और इस्तेमाल किए गए हैंडसेट में खाड़ी देशों के नंबर मिले हैं। बताया जा रहा है कि पुराने हैंडसेट में 1 नंबर पाकिस्तान का, 2 नंबर सऊदी अरब के, 1 नंबर ओमान का और 1 नंबर कुवैत का है। देखा गया है कि इस्तेमाल किए गए मोबाइल में ओमान का 1 नंबर और सऊदी अरब के 4 नंबर सेव हैं। इस नंबर के बारे में पूछे जाने पर हंगरगेकर ने पूछताछ के दौरान पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। एक अधिकारी के अनुसार संदिग्ध आतंकी जुबैर हंगरगेकर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आपको बता दें कि जुबैर इलियास हंगरगेकर को आतंकवादी संगठन अलकायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआयएस) के समर्थन में जिहाद फैलाने और देश की एकता व सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मूल रूप से महाराष्ट्र के सोलापुर के रहने वाले हंगरगेकर फिलहाल कल्याणीनगर स्थित एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करता था। वह शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। उसका परिवार पुणे के कोंढवा इलाके में रहता है। इस बीच, एटीएस मामले की गहन जांच कर रही है और यह पता लगा रही है कि क्या हंगरगेकर का अलकायदा सदस्यों से कोई संबंध था, उसके पास वह सामग्री क्यों और किस उद्देश्य से थी। पुलिस उसके दोस्त से भी पूछताछ करेगी और उसके मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जाँच करेगी। यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या वह किसी अन्य आतंकवादी संगठन के संपर्क में था। ये सभी अंतरराष्ट्रीय नंबर जुबैर हंगरगेकर के लिए महत्वपूर्ण हैं और अनुमान लगाया जा रहा है कि उसका आतंकवादी कनेक्शन सामने आ सकता है। हालांकि, इस नंबर के बारे में पूछे जाने पर हंगरगेकर ने गोलमोल जवाब दिया है कि उसे नहीं पता कि यह नंबर किसका है या इसका क्या संबंध है।

एटीएस अधिकारियों ने कहा, हंगरगेकर का अल-कायदा सदस्यों से संपर्क था या नहीं और उस संपर्क का उद्देश्य क्या था, इसकी जाँच चल रही है। हम यह भी पता लगा रहे हैं कि उसके पास अल-कायदा की सामग्री क्यों और किस उद्देश्य से थी। उसकी हिरासत में मौजूद उसके दोस्त से पूछताछ की जाएगी और उसके मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी जाँच की जाएगी। यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या वह किसी अन्य आतंकवादी संगठन के संपर्क में आया था। इस बीच, एटीएस ने इस महीने की शुरुआत में शहर के विभिन्न इलाकों में तलाशी अभियान चलाया था। यह अभियान आईएसआईएस के एक पुराने मॉड्यूल की जाँच से जुड़ा था। उस समय संदिग्ध कट्टरपंथी व्यक्तियों पर नजर रखी जा रही थी। इस अभियान के दौरान 19 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था, लेकिन पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। इन छापों के दौरान पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज़ भी ज़ब्त किए थे।

भारत-नेपाल सीमा से अवैध रुप से प्रवेश कर रहे दो ब्रिटिश नागरिक गिरफ्तार

-दो डॉक्टर हैं और नेपालगंज अपने डॉक्टर मित्र से मिलने आए थे

बहराइच (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार धमाके के बाद से पुलिस और जांच एजेंसियां अलर्ट हैं। यूपी के कई शहरों में भी जांच चल रही है। ताबड़तोड़ छापे मारे जा रहे हैं। इस बीच बहराइच में भारत-नेपाल सीमा से भारतीय सीमा में घुसपैठ कर रहे दो ब्रिटिश नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक 35 साल का पाकिस्तानी मूल का युवक और दूसरी 61 साल की महिला जो भारतीय मूल (उडुपी कर्नाटक) की ब्रिटिश नागरिक है। दोनों को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह बिना किसी वैध वीजा के भारत में प्रवेश कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस और एसएसबी ने दोनों कोर्ट में पेश किया। ऐसा बताया जा रहा कि यह डॉक्टर हैं। यह भी कहा जा रहा है कि वे नेपालगंज में अपने डॉक्टर मित्र से मिलने आए थे। हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। दोनों की पहचान सुमित्रा ओलिविया (61) पुत्री जान फेडरिक सुमित्र निवासी मूल रूप से उडुपी कर्नाटक, ब्रिटिश पासपोर्ट होल्डर और ओसीआई कार्ड होल्डर है। उसका वर्तमान पता 25 हारकोम्ब ड्राइव, ग्लैकेस्टर यूनाइटेड किंगडम है और हस्सन अम्मान (35) पुत्र मोहम्मद सलीम (पाकिस्तानी मूल) वर्तमान निवासी ए-1 डलमेरटन रोड मैनचेस्टर यूनाइटेड किंगडम के रूप में हुई है। दोनों को वैध दस्तावेजों के अभाव में प्राथमिकी दर्ज कर कोर्ट बहराइच भेज दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक रुपईडीहा थानाध्यक्ष ने बताया कि शनिवार सुबह 10 बजे नेपालगंज से रुपईडीहा आ रहे दोनों को शक के आधार पर पूछताछ की। इन दोनों को रोककर इनके प्रपत्र देखे गए तो पता लगा कि इनके पास भारत प्रवेश के कोई दस्तावेज हो नहीं हैं। दोनों पर कानून के तहत कार्रवाई की गई है।

आग बुझाते वक्त पानी में बहे सबूत! दिल्ली धमाके वाली जगह पर मिले प्रतिबंधित कारतूस

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में हुए दिल्ली धमाके की जांच काफी तेजी से चल रही है। अब तक करीब 3 तीन दर्जन आरोपियों को इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। इस मामले में एनएसजी ने अपनी सीलबंद रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय समेत संबंधित जांच एजेंसी को सौंप दी है। सूत्रों का कहना है कि बम में किस-किस विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया और इसके कुछ और इंटरनल पहलुओं की जांच के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है। जिस पर एजेंसियों ने काम करना शुरू कर दिया है। हालांकि, सूत्रों ने यह भी बताया है कि धमाके के बाद फायर ब्रिगेड ने आग बुझाने के लिए इतना पानी इस्तेमाल किया कि उसमें धमाके के काफी अहम सबूत बह गए। जिससे सैंपल जुटाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

इधर, मामले की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) दिल्ली से लेकर फरीदाबाद और श्रीनगर समेत कई अन्य शहरों में संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। अभी तक 50 डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ समेत 150 लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा पकड़े गए आठों आरोपियों और बम धमाके में मारे गए डॉक्टर उमर के मोबाइल फोन और लोकेशन के आधार पर इन सबकी सीक्वेंस मिलाई जा रही है। एनआईए की एक टीम अब आधिकारिक रूप से जम्मू-कश्मीर स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के साथ गिरफ्तार आठों आरोपियों से पूछताछ में शामिल हो गई है। कुछ कारों में बम प्लांट करने और अन्य जगह पर भी विस्फोटक छिपाए जाने का शक है। फरीदाबाद और जम्मू-कश्मीर ही नहीं बल्कि दिल्ली, लखनऊ और अन्य शहरों के भी कुछ डॉक्टरों के डेटा खंगाले जा रहे हैं। एनआईए ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में लुधियाना निवासी जनीसुर आलम को गिरफ्तार किया था। जिसके दिल्ली विस्फोट लिंक से संबंध तलाशे जा रहे हैं।

धमाके वाली जगह पर मिले प्रतिबंधित कारतूस

खबरों से हो रही जांच में पता चला है कि धमाके वाली जगह पर प्रतिबंधित कारतूस मिले हैं। दिल्ली पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, धमाके की जांच के दौरान घटनास्थल पर गहन तलाशी ली गई। इसी तलाशी अभियान के दौरान ये तीन कारतूस बरामद हुए। इन कारतूसों को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि ये किसी सामान्य नागरिक के पास नहीं हो सकते। इनकी मौजूदगी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय है और यह सवाल खड़ा करती है कि ये प्रतिबंधित हथियार और कारतूस धमाके वाले स्थान तक कैसे पहुंचे। पुलिस अब इन कारतूसों के स्रोत का पता लगाने के लिए सक्रिय रूप से जांच कर रही है। आशंका है कि इनका संबंध किसी बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकता है? कारतूसों की फॉरेंसिक जांच की जा रही है ताकि इनसे जुड़ी कोई भी महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई जा सके।